@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 24 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 315 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

युवाओं के सपने को साकार करने के लिए निवेश जरूरी : अमित शाह

एजेंसी

गांधीनगर । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गुजरात के महात्मा मंदिर में स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम है। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उच्च शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल भी उपस्थित रहे।उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी और इंडस्ट्री से यह कहना चाहता हूं कि आपने पहले ही काफी तरक्की की है। लेकिन अगर कोई युवा उद्यमी कोई स्टार्टअप शुरू करता है, तो आपको

उसमें निवेश करना चाहिए। इन स्टार्टअप्स को सपोर्ट करके, वे जो काम करेंगे, उससे आपके बिजनेस को भी फायदा होगा। इंडस्ट्री के लोगों को हर क्षेत्र में विस्तार के लिए स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम करना चाहिए। एक, दो, तीन, या चार स्टार्टअप्स आपकी इंडस्ट्री को बदल सकते हैं। अमित शाह ने कहा, 'सिर्फ 10 साल में, 2014 से 2024 के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में स्टार्ट-अप इंडिया की शुरुआत की। मैं आत्मविश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत एक भरोसेमंद स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने के मामले में दुनिया का सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला देश बन गया है। इस स्टार्ट-अप इंडिया अभियान के माध्यम से, पीएम मोदी ने भारतीय युवाओं को नौकरी मांगने वालों से नौकरी देने वालों में बदलने के सपने को साकार किया है।' उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत भारतीय ज्ञान प्रणाली के लिए एक अलग रिसर्च विंग बनाई गई है, जिससे हमारे युवाओं के लिए ज्ञान का खजाना खुल गया है। साथ ही, प्राचीन पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने और उनमें मौजूद ज्ञान को सभी के लिए सुलभ बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने महात्मा मंदिर में स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा, 'सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार आदि शक्ति की आराधना का प्रतीक है।'

सत्येंद्र जैन के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई
7.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत दिल्ली के पूर्व मंत्री सतेंद्र कुमार जैन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने उनसे संबंधित कंपनियों की 7.44 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं।

जांच में सामने आया कि नोटबंदी के बाद नवंबर 2016 में सतेंद्र जैन के करीबी सहयोगी और बेनामी धारक अंकुश जैन व वैभव जैन ने बैंक ऑफ बड़ौदा, भोगल शाखा में 7.44 करोड़ रुपये नकद आयकर अग्रिम के रूप में जमा किए। यह राशि आय घोषणा योजना (आईडीएस), 2016 के तहत घोषित की गई थी। उन्होंने दावा किया था कि 2011 से 2016 के बीच

मिली 16.53 करोड़ रुपये की आय संबंधित चार कंपनियों- अकिनचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इन्फोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और इन्डो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड की है, जबकि ये कंपनियां वास्तव में सतेंद्र जैन के नियंत्रण में थीं। आयकर विभाग और दिल्ली हाईकोर्ट ने अंकुश और वैभव जैन को सतेंद्र जैन के बेनामी धारक करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी विशेष अनुमति याचिका और पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दीं। इससे पहले ईडी ने 31 मार्च 2022 को सतेंद्र जैन से जुड़ी 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी और 27 जुलाई 2022 को अभियोजन शिकायत दाखिल की थी, जिस पर अदालत ने संज्ञान भी लिया था। अब हालिया कार्रवाई के बाद कुल 12.25 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां (4.81 करोड़ + 7.44 करोड़) अटैच की जा चुकी हैं, जो सतेंद्र जैन द्वारा अर्जित 100 प्रतिशत अवैध संपत्ति को दर्शाती हैं।

ईडी ने जानकारी सीबीआई को भी साझा की, जिसके आधार पर सीबीआई ने पूरक चार्जशीट दाखिल कर जैन की आय से अधिक संपत्ति का दायरा और बढ़ाया। ईडी जल्द ही इस मामले में पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल करेगी। यह मामला वर्तमान में नई दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में विचाराधीन है।

71वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी
मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला,शाहरुख खान-विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर, रानी मुखर्जी बनीं बेस्ट एक्ट्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित 71वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में भारतीय सिनेमा की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। . राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को अवॉर्ड प्रदान किए। इस अवसर पर शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड दिया गया। वहीं, रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान मिला। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गीत ढिंढोरा बाजे के लिए वैभवी मर्चेंट को बेस्ट कोरियोग्राफी का अवॉर्ड प्रदान

किया गया। इसके अलावा, सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म घोषित किया गया, जिसे डायरेक्टर यशोवर्धन मिश्रा ने रिसीव किया। गौरतलब है कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की शुरुआत 1954 में हुई थी और तब से यह समारोह लगातार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता आ रहा है। अगस्त 2023 में जिन विजेताओं की घोषणा हुई थी, उन्हें आज औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया।

फिल्मों की लोकप्रियता अच्छी, पर जनहित और युवाओं के लिए दिशा होना और भी बेहतर : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन या उद्योग नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र में जागरूकता फैलाने तथा नागरिकों को अधिक संवेदनशील बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फिल्मों की लोकप्रियता अच्छी बात है, लेकिन यदि फिल्में जनहित में हों और विशेषकर युवाओं को दिशा देने वाली हों तो यह और भी बेहतर है। उन्होंने फिल्म उद्योग से जुड़े सभी लोगों से आह्वान किया कि वे भारतीय सिनेमा की वैश्विक स्तर पर पहचान और स्वीकृति बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें। राष्ट्रपति मुर्मु मंगलवार को यहां आयोजित भव्य समारोह में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार मशहूर अभिनेता मोहनलाल को प्रदान किया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को जयंती पर श्रद्धांजलि दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और भारतीय साहित्य एवं राष्ट्रीय चेतना में उनके शाश्वत योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। उनकी कविताएं बिहार के साथ-साथ देशभर के लोगों में राष्ट्रभक्ति की अद्भुत भावनाएं भरती आई हैं। उनकी कई पंक्तियां आज भी जनमानस में रची-बसी हैं। वीरता और मानवता से ओतप्रोत उनकी ओजस्वी और कालजयी रचनाएं हर पीढ़ी को मां भारती की सेवा में समर्पित रहने के लिए प्रेरित करती रहेंगी। उल्लेखनीय है कि रामधारी सिंह दिनकर (1908-1974) को 'राष्ट्रकवि' की उपाधि उनके ओजस्वी काव्य और राष्ट्रीय चेतना को प्रज्वलित करने वाली रचनाओं के लिए मिली थी।

वे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान युवाओं में ऊर्जा और जोश भरने वाले कवि रहे। दिनकर की रचनाओं में 'उर्वशी', 'परशुराम की प्रतीक्षा', 'संस्कृति के चार अध्याय' और 'रश्मिरथी' विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। उन्हें 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वे राज्यसभा के सदस्य भी रहे और भारतीय समाज में सांस्कृतिक चेतना के प्रबल प्रवक्ता बने।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लगभग 18 साल के बाद इंटर-स्टेट एसी बस सेवा का उद्घाटन किया

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 23 सितंबर। नवरात्रि के शुभ अवसर पर दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कल दिल्ली के महाराणा प्रताप ISBT कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस टर्मिनल से उत्तरप्रदेश के बड़ौत तक चलने वाली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक इंटर-स्टेट एसी बस सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन सिस्टम (AFCS) के उद्घाटन के साथ ही 'चलो ऐप' को ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया। इंटर-स्टेट बस सेवा के उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ यूपी के बागपत से सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान, दिल्ली परिवहन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कैनरा बैंक के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली

परिवहन निगम और कैनरा बैंक के बीच AFCS के पूरे नेटवर्क में रोल आउट के लिए रूप पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसी दौरान मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इंटर-स्टेट बसों के कंडक्टरों को ई-टिकट बनाने के लिए POS मशीनें वितरित की। मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर दिल्ली के नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर नई पहल इतिहास बन जाती है। उन्होंने जनता के लिए किए जा रहे दिल्ली सरकार के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार के प्रयास से दिल्लीवासियों को रोज़मर्रा की सुविधाएं और कई तरह की आधुनिक सेवाएं मिल रही हैं। सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों, DTC कर्मचारियों के परिवार और बैंक के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सरकारी कर्मियों की ऊर्जा, रचनात्मकता और समर्पण की जमकर सराहना की और अधिकारियों को दिल्ली के विकास का सच्चा वाहक (हनुमान) बताया।

शेष पृष्ठ 3 पर

समाजवादी पार्टी आजम खान के साथ कभी खड़ी नहीं हुई: स्वामी प्रसाद मौर्य

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की जेल से रिहाई पर सियासत तेज हो गई है। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा और सपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राजनीतिक द्वेष और बदले की भावना से प्रेरित होकर आजम खान पर झूठा आरोप लगाया।

आजम खान दशकों से उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। उनके कई बार विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा के लिए चुने जाने के बावजूद भाजपा ने उनके साथ जो व्यवहार किया, वह वास्तव में निंदनीय है। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) की आलोचना करते हुए कहा कि यह सत्य है कि समाजवादी पार्टी आजम खान के साथ कभी खड़ी नहीं हुई। यह बहुत ही

दुर्भाग्यपूर्ण है। आजम खान का क्या निर्णय होगा, उस पर अनुमान लगाने की बजाय उनसे खुद जानने की कोशिश करनी चाहिए। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल्ली सरकार द्वारा दुर्गा पूजा और रामलीला के लिए लाउडस्पीकर की समय सीमा बढ़ाने के फैसले पर कहा, ÷दिल्ली सरकार क्या करती है और क्या नहीं करती, इस पर हमें टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन हां, यह जरूर कहा जाना चाहिए कि एक धर्म विशेष पर प्रतिबंध लगाना और दूसरे धर्म को बढ़ावा देना उचित नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानें बंद करने पर कहा, यह भाजपा का नाटक और नौटंकी है। अगर आप शाम को किसी मीट की दुकान पर जाएंगे, तो आपको न केवल एक धर्म विशेष के लोग मिलेंगे, बल्कि कई अन्य लोग भी मिलेंगे जो इसका विरोध करते दिखते हैं।

पीएम मोदी 25 को करेंगे माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास

एजेंसी

बांसवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा जिले के नापला गांव में माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी कुल 1 लाख 22 हजार 441 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें राजस्थान के लिए 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं और राज्य सरकार के 30 हजार करोड़ रुपये के 48 विकास कार्य शामिल हैं।माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 42,000 करोड़ रुपये है। इस परियोजना में 700-700 मेगावाट की चार अत्याधुनिक इकाइयां होंगी।

गोवा में आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता : अशोक गजपति राजू

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा में 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह मनाया। इस कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल अशोक गजपति राजू ने अपने संबोधन में कहा कि एक दशक से भी कम समय में, आयुर्वेद दिवस एक राष्ट्रीय अनुष्ठान से एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन में विकसित हो गया। उन्होंने बताया कि अब 150 से ज़्यादा देश इस दिवस को मनाते हैं और आयुर्वेद को न केवल एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में मान्यता देते हैं। राज्यपाल ने इस वर्ष के विषय, लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद की प्रशंसा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के लिए समय अनुसार प्रासंगिक बताया। उन्होंने आयुर्वेदिक ज्ञान की प्रामाणिकता को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया

और नमस्ते पोर्टल तथा आयुष एचएमआईएस जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाया, जो पहुंच और साक्ष्य-आधारित अभ्यास को बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि गोवा आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की क्षमता है। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद दिवस के लिए 23 सितंबर को स्थायी तिथि के रूप में निर्धारित करने का निर्णय ऐतिहासिक है, जो शरद विषुव के साथ मेल खाता है, जो प्रकृति में संतुलन का प्रतीक है और आयुर्वेदिक दर्शन के मूल में है। जाधव ने पिछले साल आयुर्वेद दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए देश का स्वास्थ्य परीक्षण अभियान को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला। 1.29 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों ने आयुर्वेदिक मापदंडों का उपयोग करके स्वास्थ्य आकलन में हिस्सा लिया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और डॉक्टरों सहित 1.8 लाख से ज़्यादा स्वयंसेवकों का सहयोग रहा। इस अभियान ने पांच गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए और डेटा-आधारित आयुर्वेदिक अनुसंधान के एक नए युग की शुरुआत की।

रामलीला के जरिये संस्कृति और सामाजिक संदेशों का प्रचार: इंद्राज सिंह

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली 23 सितम्बर। दिल्ली सरकार की रामलीला समिति के चेयरमैन एवं समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने पूज्य संतों के आशीर्वाद एवं ब ?ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रथम भव्य 'सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव' का शुभारम्भ किया। डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23, रोहिणी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में साध्वी प्राची, अजय भाई जी एवं देशभर से पधारे संतों के साथ दुर्गा पूजा समिति के चेयरमैन एवं पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी रामलीला का आनंद लिया। 'परम्परा से भविष्य की ओर' थीम पर आयोजित इस रामलीला में 100 से अधिक कलाकार प्रस्तुति दे रहे हैं। पहले दिन रावण तपस्या, कुबेर से लंका विजय, नारद मोह और रावण-वेदवती संवाद का मंचन हुआ। स्व का बोध विषय पर श्रद्धालुओं को आचार, विचार और व्यवहार का ज्ञान भी मंच के माध्यम से प्रदान किया गया। रविन्द्र इन्द्राज ने तय मानकों के अनुरूप धार्मिक आयोजनों के लिए रात 12

बजे तक लाउड स्पीकर की अनुमति का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने यह सुनिश्चित किया है कि धार्मिक संगीत, नवरात्रि और रामलीला जैसे आयोजनों में श्रद्धालुओं की भावनाओं को सम्मान मिले और किसी भी प्रकार की बाधा न आये। नई पीढ़ी को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना और उन्हें उनकी दिव्य विरासत का गौरव अनुभव कराना ही इस आयोजन का उद्देश्य है। उन्होंने आगे कहा कि सेवा पखवाड़े को केंद्र में रखते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प 'नशा मुक्त भारत अभियान' का संदेश इस मंच से दिया जा रहा है। इसके साथ ही 'विकसित दिल्ली संकल्प' की दिशा में वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी उत्पादों, स्वच्छता, जल संरक्षण और हरित दिल्ली जैसे सामाजिक संदेशों का भी व्यापक प्रसार होगा। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों को नई तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। इस भव्य रामलीला से न केवल श्रद्धालु जुड़ेंगे, बल्कि समाज में सकारात्मक और प्रेरक संदेश भी पहुंचेंगे।

पंजाब के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री मोदी को दी बाढ़ राहत कार्यों पर रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें पंजाब एवं चंडीगढ़ की मौजूदा स्थिति के साथ-साथ क्षेत्र की प्रमुख विकास प्राथमिकताओं से अवगत कराया। राज्यपाल ने पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किए जा रहे उपायों पर विस्तृत ब्यौरा दिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बहाल करने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी रोग नियंत्रण उपायों को सुनिश्चित करने में राज्य मशीनरी और स्वयंसेवी संगठनों के समन्वित प्रयासों पर प्रकाश डाला।

कटारिया ने पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और विकास संबंधी चिंताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा इन संवेदनशील क्षेत्रों में उद्योगों को इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों। उन्होंने ड्रोन रोधी प्रणालियों और उच्च-परिभाषा कैमरों की स्थापना के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सतर्कता को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया।

शिक्षा के मोर्चे पर, राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को पंजाब और चंडीगढ़ में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। कटारिया ने चंडीगढ़ में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त प्रौद्योगिकी-सिटी (गिफ्ट सिटी) की तर्ज पर एक गिफ्ट सिटी स्थापित करने के विचार पर भी चर्चा की। उन्होंने नई खेल नीति पर प्रकाश डाला, जो चंडीगढ़ को एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में देखती है, जो प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी के अवसर प्रदान करती है। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई - तत्काल बाढ़ राहत उपायों से लेकर दीर्घकालिक विकास तक, सुरक्षा तैयारियों से लेकर शैक्षिक सुधारों तक, तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलताओं से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक पुनरुद्धार तक - जो पंजाब और चंडीगढ़ की प्रगति के लिए एक व्यापक रोडमैप को दर्शाता है।

पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद सिटी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से सोमवार की शाम मौत हो गई। तबियत बिगड़ने पर उन्हें रविवार की रात केडी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। जांच में पता चला था कि रेबीज का इंफेक्शन उनके पूरे शरीर में फैल गया है। 50 साल के इंस्पेक्टर वनराजसिंह मंजारिया 25 सालों से पुलिस बल में काम करते थे। उनके रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें डॉग्स पालने का बहुत शौक था। उनके फॉर्म हाउस में डॉग्स थे। कुछ दिन पहले ही वे एक स्ट्रीट डॉग लाए थे। इसी डॉग के काटने से उनके पैर के नाखून में चोट लगी थी। हालांकि, मंजारिया को इसका पता नहीं चला या फिर उन्होंने इसे सीरियसली नहीं लिया।

पीके को 100 करोड़ की मानहानि नोटिस

पटना (एजेंसी)। मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। पीके ने 3 दिन पहले अशोक चौधरी पर 200 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। इस मामले में अशोक चौधरी ने बिना शर्त माफी मांगने के कहा है। उन्होंने नोटिस में कहा कि प्रशांत किशोर की ओर से लगाए जा रहे आरोप भ्रामक और उनकी घबराहट और बौखलाहट का परिणाम हैं। इससे पहले भी प्रशांत किशोर पर मानहानि का मामला दायर किया था, जिसके बाद 17 सितंबर को कोर्ट ने पेशी के लिए उन्हें बुलाया था।

4 दोस्तों समेत 5 की जिंदा जलकर मौत

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ में जीटी रोड पर 5 की जिंदा जलकर मौत हो गई। यहां 100 की स्पीड से जा रही कार का अचानक टायर फट गया। इससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड से जा रहे कैंटर से टकरा गई। राहगीर ने एक को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद तेज धमाका हुआ, फिर दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में कार सवार सभी चार लोग और कैंटर चालक जिंदा जल गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची। 20-25 मिनट में आग बुझाई गई। इसके बाद पुलिस ने देखा तो शवों के सिर्फ कंकाल बचे थे। बॉडी बैग में पुलिस सभी शवों को लेकर गई। अभी किसी की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी फटा

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)। अंडमान-निकोबार के बैरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे और आसपास के इलाकों पर किसी तरह का खतरा नहीं है। बैरन आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से करीब 138 किलोमीटर दूर है और यह दक्षिण एशिया का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह लगभग 3 वर्ग किलोमीटर का निर्जन द्वीप है, जिस पर ज्वालामुखी की राख और पत्थर फैले रहते हैं। यह द्वीप 354 मीटर ऊंचा है और अंडमान-निकोबार की खास पहचान माना जाता है।

कार और मिनी बस की हुई भीषण टक्कर, पांच लोग जिंदा जले

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कार और मिनी बस की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से पांच लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा नेशनल हाईवे पर हुआ, जहां टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल भी हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) के नेतृत्व में पुलिस, दमकल विभाग की गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किए गए। ग्रामीण एसपी अमृत जैन ने बताया कि हमें सूचना मिली कि गोपी पुल के पास दो वाहनों की टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों में आग लग गई। पुलिस, दमकल और एम्बुलेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायलों को वाहनों से निकाला गया और आग पर काबू पा लिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने खोली, लॉरेंस बिश्नोई की पोल कहा- अमेरिका से मिला रखा है हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हलचल मचा दी है। इस बार उसने सीधे लॉरेंस बिश्नोई पर हमला बोलते हुए उसे 'गद्दार' करार दिया है। गोदारा ने गंभीर आरोप लगाया कि लॉरेंस ने अपने भाई अनमोल को बचाने के लिए अमेरिकी एजेंसी से हाथ मिलाया और अब देश की खुफिया जानकारी वहां लीक करता है। बता दें कि कभी रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई एक ही गैंग का हिस्सा थे, लेकिन इस साल उनके बीच दरार आ गई। अब गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा एक साथ हैं, जबकि लॉरेंस बिश्नोई का गैंग अलग हो चुका है।

गोदारा ने अपनी पोस्ट में कहा कि लॉरेंस को सनातन धर्म का कोई अर्थ तक नहीं पता, वह केवल 9 दिन का व्रत करके और मीडिया में फोन लगाकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश करता है। उसने दावा किया कि लॉरेंस असल में धार्मिक नहीं बल्कि दिखावटी सनातनी है। हालांकि, ईएमएस इस सोशल मीडिया पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है। अमेरिका एजेंसी से मिलके अपने भाई (अनमोल) को बचाया। और अब देश की खुफ़िया बातें उनको बताता है। और उनको हम जितने भी भाई बाहर बैठे हैं। उन सबकी मुखबीरी करता है और ये उसके (सलमान खान) नाम का जो फेम लेता रहता है। ये खुद हमको कहता आया है कि भाई फेम के लिये इसको मारना है। और जिस चीनू बहन (आनंदपाल जी) के लिये ये गलत बोल रहा है। उसको ये बहन कहता था! वो हमारी छोटी बहन है। और इसको सनातन नाम का अर्थ भी नहीं पता। 9 दिन का नवरात्रा करने से पहले तो मीडिया को फ़ोन करके बताता है। ये (लॉरेंस) गद्दार और कुत्ता है। मीडिया से मेरा निवेदन है कि इस कुत्ते के साथ हमारी कोई फोटो और हमारा नाम ना जोड़े।

भारत पर टैरिफ लगाकर अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे ट्रंप : शशि थरूर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत पर भारी टैरिफ लगाने के बाद विवादित बयान दे रहे अमेरिका के नेताओं को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आईना दिखा दिया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता है कि टैरिफ बहुत बड़ा हथियार है, जबकि इससे अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी शुल्क लगाया है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा है।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा, ...ट्रंप को ऐसा लगता है कि टैरिफ दुनिया की कई समस्याओं को सुलझाने के जादुई हथियार है। उन्हें लगता है कि कई चीजें जो पहले अमेरिका में बनती थी, अब विदेश से आ रही हैं। वह इन चीजों और ज्यादा महंगा बनाना चाहते हैं, ताकि अमेरिकी निर्माता अमेरिका में और ज्यादा काम करें और अमेरिका के कागारों को रोजगार दें, जो उनके मेगा क्षेत्र में शामिल हैं। दूसरी बात ट्रंप को लगता है कि टैरिफ देश के राजस्व का बड़ा जरिया हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि जैसे कि वह दावा करते हैं कि टैरिफ कलेक्ट कर हर महीने अरबों डॉलर का राजस्व आ रहा है, जिससे वह घाटे को कम कर देने वाले है।

उन्होंने कहा, इन दोनों की वजह खुद ट्रंप की उनके बयानों और ट्वीट्स में इस्तेमाल की गई भाषा और इसके बाद उनके सलाहकार नवारो की ओर से दिए गए आपत्तिजनक बयान हैं, जिसका विरोध देशभर में हुआ। अगर 30 साल के संबंधों में कोई खास परेशानी नहीं थी, जो पहले ही और मजबूत होता जा रहा था, तब आपको भारत के प्रति ऐसी भाषा इस्तेमाल करने की जरूरत क्या थी? इस बिल्कुल पसंद नहीं किया गया।

बात दें कि ट्रंप के सहयोगी नवारो भारत पर लगातार निशाना साध रहे हैं। 16 सितंबर को ही नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है।' उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई थी।

देश को चलाने वाली पार्टी, खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव में देरी पर अब विपक्ष तंज कस रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य दल शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया हैं कि देश को चलाने वाली पार्टी अपने खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही है। उनका दावा है कि किसी एक नेता के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। फिलहाल, इस बयान पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, एकमत नहीं हो रहा है नाम के ऊपर यह भी सच है। एक पार्टी देश चला रही है, लेकिन अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर पा रही है। आप चुनाव आयोग को बदल सकते हो, आप सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को बदल सकते हो, आप किसी को भी बदल सकते हो। उन्होंने कहा, आप उपराष्ट्रपति को घर भेज सकते हो, लेकिन आपकी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर सकते है। यह क्या मामला है, देश को पता होना चाहिए। आप कल राष्ट्रपति को भी घर भेज सकते हैं, जैसे धनखड़ साहब को भेजा है, लेकिन आप अपनी पार्टी का अध्यक्ष नहीं चुन सकते। फिलहाल, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ही भाजपा की कमान संभाल रहे हैं और इससे पहले उन्हें कार्यकाल विस्तार मिल चुका है। यह साफ नहीं है कि भाजपा कब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी नया कप्तान चुन सकती है।

आजम खान की रिहाई से पहले फंसा पेंच, फिलहाल नहीं आ पाए जेल से बाहर

सीतापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की आज यानी मंगलवार सुबह सात बजे जेल से रिहाई होनी थी, लेकिन एक गलती की वजह से अब कहा जा रहा है कि कुछ विलंब बाद ही वह जेल से बाहर आ सकेंगे। दरअसल रिहाई से संबंधित चालान जमा न होने के चलते आजम खान की रिहाई रुकी हुई है। उधर, 23 महीने बाद जेल से बाहर आ रहे आजम खान को रिसीव करने के लिए उनके समर्थक सुबह से ही सीतापुर जेल पहुंच रहे हैं। उनके बेटे अदीब आजम भी सीतापुर पहुंचे हैं। जेल सूत्रों का कहना है कि 70 मुकदमों में आजम खान की रिहाई का आदेश आया है।

आजम खान अक्टूबर 2023 से जेल में बंद हैं। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने तीन जनवरी 2019 को गंज कोतवाली में मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम और तजीन फातिमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि अनुचित लाभ लेने के लिए आजम खां और तजीन फातिमा ने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाए हैं। सुरक्षा कारणों से तजीन फात्मा को रामपुर जेल में ही रखा गया था जबकि, आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा गया था। तजीन और अब्दुल्ला को पूर्व में

जमानत पर रिहाई मिल गई थी लेकिन, आजम खान के रिहाई परवाने सोमवार को जारी हुए हैं। उनकी रिहाई को लेकर समर्थकों में खुशी की लहर है। रामपुर से लेकर सीतापुर तक उनके इस्तकबाल के लिए जश्न की तैयारियां की जा रही हैं। आजम खान से जुड़े डूंगरपुर प्रकरण में मुरादाबाद के एलआईयू इंस्पेक्टर शरद पंवार कोर्ट में पेश हुए। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि इस केस में अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। 2020 में कोर्ट में सरेंडर करने के बाद आजम खां को रामपुर जेल से सीतापुर की जेल शिफ्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मंजूर होने के बाद आजम खां करीब 27 माह बाद 20 मई 2022 को सीतापुर की जेल से रिहा हुए थे। रामपुर में अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड और दो पासपोर्ट प्रकरण में सोमवार को सुनवाई थी लेकिन, अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के चलते सुनवाई टल गई।

कोलकाता की बारिश ने मचाई तबाही, करंट से 5 की गई जान, मेट्रो सेवाएं भी हुईं बाधित

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। यहां मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया है, जिसमें करंट भी उतरने की बात सामने आई है। करंट लगने की वजह से अब तक कुल 5 लोगों की मौत हुई है। पिछले 6 घंटों में शहर में 250 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई, जिससे शहर के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया है।

महानायक उत्तम कुमार और रवींद्र सरोबर स्टेशनों के बीच जलभराव हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, शहीद खुदीराम से मैदान स्टेशन के बीच मेट्रो सेवाएं रोक दी गई हैं। दक्षिणेश्वर और मैदान स्टेशनों के बीच मेट्रो सेवाएं कम संख्या में चलाई जा रही हैं। पानी को पंप से बाहर निकाला जा रहा है। मेट्रो रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं।

आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण यह बारिश हुई है। रात भर हुई बारिश की वजह से शहर की कई सड़कों में पानी भर गया। कई घरों और आवासीय परिसरों में भी पानी घुस गया है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के मुताबिक, गरिया कामदाहरी में 332 मिमी, जोधपुर पार्क में 285 मिमी, कालीघाट में 280 मिमी, टॉप्सिया में 275 मिमी, और बालीगंज में 264 मिमी बारिश दर्ज की गई। रात में हुई मूसलाधार बारिश के बाद, हावड़ा स्टेशन यार्ड, सियालदह दक्षिण स्टेशन यार्ड, चितपुर उत्तर केबिन, विभिन्न कार-शेड और सियालदह यार्ड के विभिन्न स्थानों पर जलभराव देखा गया। हावड़ा और सियालदह मंडलों की रेलवे लाइनों पर पानी भर गया है। जमा हुए पानी को निकालने के लिए कई जगहों पर पानी के पंप लगाए गए हैं, लेकिन आस-पास के सिविल क्षेत्र से भी पानी भर जाने के कारण, पानी वापस रेलवे यार्ड में बह रहा है, जिससे और भी मुश्किलें पैदा हो रही हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है, जिसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। बुधवार तक पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना, झाड़ग्राम और बांकुरा जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि 25 सितंबर के आसपास पूर्व-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी के आस-पास एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में और बारिश हो सकती है।

आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में एक क्रांति का गवाह बन रहा है। योजना ने वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाने, करुणा और तकनीक मानव सशक्तीकरण को और आगे बढ़ा सकते हैं।' इसके अलावा, केंद्र सरकार ने एक्स के 'माई गव इंडिया' अकाउंट पर भी योजना का जिक्र किया। योजना का जिक्र कर पोस्ट में कहा गया कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सात वर्ष पूरे होने पर, भारत एक स्वास्थ्य सेवा क्रांति का जश्न मना रहा है, जिसने 55 करोड़ से ज्यादा नागरिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा, सार्वभौमिक पहुंच और सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करते हुए, स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ी है। यह एक ऐसी योजना है, जो इस बात का खाका तैयार करती है कि कैसे दूरदर्शी नीतियां जन स्वास्थ्य की नियति को नए सिरे से लिख सकती हैं। बता दें कि आयुष्मान भारत योजना भारत सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो 50 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं देती है। इसमें प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक का वार्षिक कवरेज शामिल है, जो अस्पताल में भर्ती होने पर लागू होता है। इसका लक्ष्य स्वास्थ्य देखभाल को सस्ता और सुलभ बनाना है।

पाबंदी: अब भारत के हवाई क्षेत्र में नहीं घुस पाएंगे पाकिस्तान के हवाई जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आए दिन कुछ न कुछ भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता नजर आता है। उसकी हरकतों के चलते भारत ने पाकिस्तान के हवाई जहाजों को भारत के हवाई क्षेत्र में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नया नोटिस टू एयरमेन (नोटम) भारत की एविएशन अथॉरिटी की ओर से जारी किया गया। यह कदम पाकिस्तान के नोटम के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र को उसी समय तक बंद करने की घोषणा की थी।

बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान ने दो दिन पहले अपने ताजा नोटम के साथ हवाई क्षेत्र बंदी को बढ़ाया था, जो पिछले बंदी नोटिस के 24 सितंबर को समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया था। पाकिस्तान के इस विस्तार के बाद पिछले भारतीय नोटम के तहत अपने हवाई क्षेत्र की बंदी को बढ़ाने की संभावना थी। भारत की ओर से जारी नया नोटम पिछले नोटिसों के समान है। भारत अपने हवाई क्षेत्र को पाकिस्तानी एयरलाइंस और विमानों (सैन्य उड़ानें भी शामिल) के लिए 24 अक्टूबर को सुबह 5:29

बजे तक बंद रखेगा। पाकिस्तान का ताजा नोटम भी हवाई क्षेत्र बंदी के लिए उसी तारीख और समय को दर्शाता है। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में तनाव बढ़ा हुआ है। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को हवाई क्षेत्र बंद करने की शुरुआत की। शुरू में एक महीने के लिए भारतीय विमानों और एयरलाइंस को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरने से रोक गया। भारत ने 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया। तब से, दोनों देश मासिक आधार पर नोटम जारी करके इस बंदी को बढ़ा रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की एयरलाइंस और विमानों पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन उनके हवाई क्षेत्र दूसरे देशों की एयरलाइंस और विमानों को लेकर उड़ान भरने के लिए खुले हुए हैं।

अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स को सुरक्षित करने इसरो तैनात करेगा स्पेस एस400

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान से मिल रही चुनौतियों को लेकर मोदी सरकार सतर्क दिख रही है। भारत सरकार ने बॉडीगार्ड सैटेलाइट्स का एक बेड़ा तैयार करने की योजना तैयार की है, जिसका मकसद अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों की रक्षा प्रदान करना है। यह पहल भारत की अंतरिक्ष-आधारित सुरक्षा को मजबूत करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। इन सैटेलाइट्स को अक्सर स्पेस एस400 भी कहा जाता है, क्योंकि इनका काम जमीन पर काम करने वाले एस400 डिफेंस सिस्टम जैसा ही होगा, जो मिसाइलों से सुरक्षा देता है।

यह योजना 2024 के मध्य तब शुरू हुई, जब एक पड़ोसी देश का उपग्रह इसरो के एक सैन्य उपग्रह से सिर्फ 1 किलोमीटर की दूरी तक आ गया था। इस घटना को एक क्षमता का प्रदर्शन माना गया, जिसके बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष सुरक्षा को लेकर तैयारी तेज कर दी। चीन के पास 930 से ज्यादा उपग्रह हैं, जबकि पाकिस्तान के पास सिर्फ आठ हैं। चीन ने पहले भी पाकिस्तान को अपने सैटेलाइट कवरेज में मदद की है। अंतरिक्ष में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को देखकर भारत को अपने उपग्रहों की सुरक्षा बढ़ाना जरूरी हो गया है। इस योजना पर करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) खर्च होने का अनुमान है। इसके तहत 50 निगरानी उपग्रहों का एक बेड़ा तैयार किया जाएगा। इस बेड़े का पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है। भारत सरकार स्टार्टअप्स के साथ मिलकर लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सैटेलाइट जैसी नई तकनीकों पर भी काम करने की सोच रही है। ये सैटेलाइट्स खतरों को जल्दी पहचानकर धरती पर बैठे ऑपरेटरों को समय पर चेतावनी दे पाएंगे। इस तरह, भारत का यह कदम न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि अंतरिक्ष में उसकी रणनीतिक ताकत को भी बढ़ाएगा, जिससे चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की चालों का मुकाबला किया जा सकेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि यह नई पहल भारत की एक व्यापक सुरक्षा योजना का हिस्सा है। इसके तहत करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) की लागत से 50 निगरानी उपग्रहों का बेड़ा तैयार किया जाएगा। इसमें से पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है, जो भारत की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

गलतफहमी के चलते बढ़ा विवाद, दर्ज हुआ 5 सौ से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा

काशीपुर/कानपुर (एजेंसी)। गलतफहमी के चलते तनाव इतना बढ़ जाता है कि उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक दिखाई दी। यहां एक पोस्टर में लिखा था आई लव मोहम्मद। इस पर विवाद शुरु हो गया। जबकि बाद में पता चला कि पोस्टर पर आई लव मोहम्मद लिखने से आपत्ति नहीं थी, बल्कि गलत जगह पर पोस्टर लगाने से विवाद बढ़ा था।

विवाद की शुरुआत उत्तर प्रदेश के कानपुर से हुई। यहां रावतपुर के सैयद्द नगर मोहल्ले से इस विवाद की शुरुआत 10 सितंबर को हुई थी जो अब देश के कई हिस्सों में फैल चुकी है। दरअसल, आई लव मोहम्मद को लेकर तूफान मचा है, लेकिन विवाद के पीछे की असल कहानी कुछ और ही है। मुकदमा 'आई लव मोहम्मद' लिखने पर नहीं बल्कि इसका बोर्ड गलत जगह लगाने पर दर्ज किया गया था। कुछ लोगों ने घटनाक्रम का रंग-रूप बदल कर इसे प्रचारित कर दिया। अब एक तरफ पुलिस लोगों को समझाने-बुझाने में जुटी है तो दूसरी तरफ कुछ लोग इस मुद्दे को तूल देकर बवाल बढ़ा रहे हैं।

उत्तराखंड में आई लव मोहम्मद वाला विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के कानपुर से आगाज के बाद उत्तराखंड के काशीपुर में यह बड़ा बवाल बन चुका है। काशीपुर में पुलिस ने तीन के खिलाफ नामजद और 500 अज्ञात पर मुकदमा किया है। यूपी, उत्तराखंड के बाद महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे राज्यों तक भी तनाव फैल रहा है। सवाल उठता है कि आई लव मोहम्मद जैसा नारा क्यों और कैसे विवाद और तनाव की वजह बन गया? रावतपुर के सैय्यद नगर मोहल्ले में चार सितंबर को बारावफात की सजावट में आई लव मोहम्मदका बोर्ड रास्ते पर लगा था। कुछ लोगों ने इस पर विरोध जताया। विवाद होने पर पुलिस ने बोर्ड हटवाकर कार्यक्रम स्थल के पास लगवा दिया। अगले दिन कुछ युवकों ने एक धार्मिक पोस्टर फाड़ दिया। 10 सितंबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। लेकिन इसे आई लव मोहम्मदके खिलाफ मुकदमे के तौर पर प्रचारित किया गया और बवाल बढ़ गया। मुस्लिम समुदाय के बीच यह संदेश फैल गया कि पुलिस ने आई लव मोहम्मद का पोस्टर लगाने पर एफआईआर दर्ज की। इसके विरोध स्वरूप मुस्लिम समुदाय के लोग जुलूस निकालने लगे। इसके अलावा लोग अपनी दुकानों और घरों पर भी आई लव मोम्मद का पोस्टर चिपका रहे हैं।

ऐसा ही एक जुलूस ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में निकाला गया। यहां करीब 500 लोगों की भीड़ नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकल पड़ी। कोतवाली एसएसआई अनिल जोशी ने बताया कि कि मोहल्ला अल्ली खां क्षेत्र में बिना अनुमति नदीम अख्तर, अनीस

गांधी, दानिश चौधरी के नेतृत्व में करीब 500 लोग जुलूस निकाल रहे थे, जिसे अल्ली खां चौराहे पर रोककर समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद वहां बवाल हो गया था।

पुलिस पर भीड़ ने हमला कर दिया। दो पुलिसकर्मियों को दौड़ाकर पीटा। किसी तरह पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। इस दौरान पुलिस की 112 गाड़ी पर पथराव किया, जिससे शीशे टूट गए पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत सात को गिरफ्तार कर लिया है। 500 से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लगभग 18 साल के बाद इंटर-स्टेट एसी बस सेवा का उद्घाटन किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

इंटर-स्टेट बस सेवा की शुरुआत के बाद मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि दिल्ली ने लगभग 18 वर्षों तक अपनी इंटर-स्टेट बस सेवा नहीं चलाई, जबकि अन्य राज्यों की बसें राजधानी दिल्ली में चलती रहीं। उन्होंने कहा कि जब राजधानी में निजी बसें चल सकती थीं, तो दिल्ली सरकार की क्यों नहीं? हमारे नागरिकों को अच्छी से अच्छी सुविधाएं हर हाल में मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली-बड़ौत एसी बस सेवा केवल पहला कदम है। बहुत जल्द कई और नए इंटर-स्टेट रूट पर विशेष तौर पर धार्मिक स्थलों के लिए हर महीने बस सेवा शुरू की जाएगी। एसी बस सेवाएं न केवल दैनिक यात्रा को सुहाना और आसान बनाएंगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देने का काम करेंगी। पिछली सरकार की विफलताओं और राजस्व घाटे को लेकर साकारात्मक भविष्य की दिशा पर बात करते हुए सीएम ने सवाल पूछा कि ऐसे रेवेन्यू हासिल करने वाले सेक्टर को पिछली सरकारों ने आखिर क्यों बंद कर दिया। उन्होंने कहा हमारी सरकार नए ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन सिस्टम को भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को खत्म करने के लिए डिज़ाइन किए हैं। यह नया सिस्टम फेयर कलेक्शन में पारदर्शिता लाएगा। बिके हुए टिकटों की संख्या का बस यात्रियों से मिलान संभव होगा। बस फेयर से हुई पूरी आमदनी किसी दूसरे के जेब में नहीं, बल्कि सीधे DTC के बैंक खाते में जाएगी। जब सरकार की आमदनी बढ़ेगी, तभी हम जनता की समस्याओं का सही तरीके से समाधान कर पाएंगे। हमारी सरकार का लक्ष्य DTC को रेवेन्यू सरप्लस वाला संस्था बनाकर हर नागरिक तक इसका लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण परिचालन सुधारों पर प्रकाश डालते हुए घोषणा की कि रूट रेशनलाइजेशन के जरिए सभी मार्गों का पुनर्गठन किया जाएगा, ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ राजधानी दिल्ली के हर कोने तक बसें पहुंच सकें। जहां पिछली सरकार के कार्यकाल में बसें तक उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है कि बसें खराब होने की स्थिति में समय बचाने और ट्रैफिक की समस्या कम करने के लिए सबसे नजदीकी बस डिपो से मैकेनिक तुरंत मौके पर पहुंच जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास कर हमारी सरकार DTC को पुनर्जीवित करने, सभी बस डिपो में चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने और ISBTs को भव्य ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इन बसों से महाराणा प्रताप ISBT से बड़ौत तक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने के साथ ही निजी बस ऑपरेटरों पर निर्भरता को भी कम करने के साथ पर्यावरण अनुकूल मोबिलिटी को बढ़ावा देगी।

महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते सालों के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

छात्रों की आत्महत्या पर हाईकोर्ट चिंतित, मजबूत और प्रभावी रैगिंग-रोधी व्यवस्था की तत्काल जरूरत बताई

दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अदालत ने रैगिंग-रोधी हेल्पलाइन को प्रभावी बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा, कि छात्र आत्महत्याएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं और इस दिशा में तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और छात्र आत्महत्याओं के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। 10 सितंबर के आदेश में कोर्ट ने कहा, छात्र आत्महत्याओं को रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी प्रक्रियाएं लागू करना अत्यंत आवश्यक है। यह टिप्पणी अमन सत्य काचरू ट्रस्ट द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें राष्ट्रीय रैगिंग निवारण कार्यक्रम के प्रबंधन से संबंधित राहत की मांग की गई थी। यह कार्यक्रम 2012 से ट्रस्ट द्वारा संचालित था, लेकिन अप्रैल 2022 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नया टेंडर जारी कर इसे सेंटर फॉर यूथ सोसाइटी (सीअवाय) को सौंप दिया। ट्रस्ट ने यूजीसी के टेंडर रद्द करने और रैगिंग-रोधी कार्यक्रम के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की थी। कोर्ट ने याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि वह मौजूदा टेंडर में हस्तक्षेप नहीं करेगा, जो 31 दिसंबर 2025 तक वैध है। हालांकि, कोर्ट ने ट्रस्ट द्वारा उठाए गए मुद्दों, जैसे यूजीसी और सीअवाय की लापरवाही और रैगिंग की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल मेडिकल कमीशन 2024 के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिवर्ष 13,000 से अधिक छात्र आत्महत्याएं होती हैं, जो किसानों की आत्महत्याओं (11,000) से अधिक हैं। 2019-2023 के बीच केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में 98 आत्महत्याएं हुईं, जिनमें से 11 अकेले आईआईटी में थीं।

नोएडा, ग्रेनो और यमुना प्राधिकरण में बन सकेंगी देश की सबसे ऊंची इमारतें, ड्राफ्ट तैयार

नोएडा। अब नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में देश की सबसे ऊंची इमारतें बनाने का रास्ता साफ होगा। इससे शहर में खड़ी पुरानी इमारतों की ऊंचाई का रिकॉर्ड भी टूटेगा। बिल्डर पहले की तुलना में दो से तीन गुना ज्यादा प्रीमियम फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) खरीदकर निर्माण कर सकेंगे। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए एकीकृत भवन विनियमावली के तैयार किए गए ड्राफ्ट में इस प्रावधान को पहली बार शामिल किया गया है। ड्राफ्ट पर औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के अधिकारी आगामी 22 सितंबर को मंथन करेंगे। मंजूरी के बाद ड्राफ्ट को आगे बढ़ाने का काम शुरू हो जाएगा। इसे दो माह में इसे लागू कराने की योजना है। दरअसल, आवास विभाग का बिल्डिंग बॉयलॉज बन गया था। लेकिन औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के क्षेत्र के लिए नया बिल्डिंग बॉयलॉज तैयार करने की प्रक्रिया चल रही थी। प्राधिकरण के सूत्रों के मुताबिक अब इन्वेस्ट यूपी ने इसका ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसे शासन स्तर पर गठित सात सदस्यीय कमेटी ने तैयार कराया है। इसी में प्रीमियम परचेजेबल एफएआर का जिक्र किया गया है। अब इसी पर प्राधिकरणों की राय जानी जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक नए बिल्डिंग बॉयलॉज के ड्राफ्ट में बेसिक एफएआर के दो से तीन गुने तक प्रीमियम परचेजेबल एफएआर दिलाने की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे में एक ओर जहां इमारत का ग्राउंड कवरेज बढ़ेगा। वहीं दूसरी ओर नई इमारतों की ऊंचाई पहले की तुलना में दो से पांच गुना तक बढ़ जाएगी। प्रीमियम परचेजेबल एफएआर का रेट पुराने रेट का दोगुना होगा। ऐसे में यह बिल्डरों व अन्य आवंटियों के लिए महंगा सौदा होगा। हालांकि उनको नियम के तहत ज्यादा निर्माण करने की छूट भी मिलेगी। इससे वह लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि यह कितना महंगा होगा यह नए बॉयलॉज के अस्तित्व में आने के बाद तय होगा। एफएआर यानी फ्लोर एरिया रेशियो। अगर किसी बिल्डर ने ग्रुप हाउसिंग विभाग की एक लाख वर्गमीटर जमीन खरीदी है तो उसे अधिकतम 3.5 एफएआर मिल सकता है। यानी उस प्लॉट पर अधिकतम 3.5 लाख वर्गमीटर क्षेत्रफल तक का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए बिल्डर चाहे तो 10-10 हजार वर्गमीटर का ग्राउंड कवरेज लेते हुए 10-10 मंजिला तीन टावर और एक पांच मंजिला टावर बना सकता है। अगर बिल्डर के आवंटन के वक्त एफएआर 2.75 था तो वह बाकी एफएआर खरीद कर लाभ उठा सकता है। नई व्यवस्था के तहत प्रीमियम एफएआर खरीद के दौरान बिल्डर को 3.5 एफएआर के दोगुने और तीन गुने तक एफएआर मिल सकता है। बस उसे जेब ढीली करनी होगी। जब एफएआर अधिक होगा तो इमारत की ऊंचाई के साथ ग्राउंड कवरेज भी बढ़ जाएगा। प्रीमियम परचेजेबल एफएआर का मकसद निवेश को आकर्षित करना और जमीन का बेहतर उपयोग करना है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा एफएआर दिया जाएगा। इसके बाद जन सामान्य से आपत्ति और सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद बोर्ड आदि में रखा जाएगा। इसके बाद शासन से मंजूरी के बाद गजट नोटिफिकेशन होगा। फिर गाइडलाइंस बनेगी। इसके बाद इसका अनुपालन कराया जाएगा। नए प्लॉट में नए बायलॉज के तहत काम होंगे। अगर किसी बिल्डर ने पुरानी व्यवस्था के तहत जमीन का आवंटन कराया है और उसके पास खाली जमीन है तो वह नई व्यवस्था के तहत प्रीमियम एफएआर खरीद सकता है। हालांकि वह इमारत की ऊंचाई नहीं बढ़ा सकेगा बल्कि केवल ग्राउंड कवरेज बढ़ाने की अनुमति मिलेगी। पुरानी व्यवस्था में परचेजेबल एफएआर का लाभ देते समय यह देखा जाता था कि पुरानी इमारत के बगल में 24 मीटर चौड़ी सड़क हो।

NAME CHANGE

I, hitherto known as Deepu Parsad Saklani S/O Roshan Lal Saklani R/O House No- g-3562,Nanda Coloney Ram Park Extn, Loni Hagigatpur Urf Khudawas, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Deepak Saklani

NAME CHANGE

I hitherto Known as ANISHKA D/o ANTRIKSH KUMAR residing House No. 17 and 18, First Floor, L-Extension, Part - 2, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059 have changed my name and shall hereafter be known as ANISHKA ARYA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ANJUM W/O AFROZ AHMED KHAN R/O L-65 MCD Flats, Sunder Nagri, Mandoli, Mandoli Saboli, Seema Puri, North East Delhi, Delhi-110093 have changed my name and shall hereafter be known as ANJUM AARA.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that my client, Smt. Ram Pyari W/O Late Shri Hari Ram, residing at 10578/38, Gali No. 1, Shyam Ji Mal Lane, Motia Khan, Pahar Ganj, New Delhi – 110055, has severed all relations with her adopted/grandson Akash and his wife Priya Tanwar. She has disowned them from all her movable and immovable properties due to their misconduct towards her. Any person dealing with them shall do so at their own cost and risk.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, DHURENDRA KUMAR CHAURASIYA S/O JAGDISH BHAGAT R/O A-535/1, INDRA COLONY CAMP, ROHTAK ROAD, TRI NAGAR, ONKAR NAGAR, NORTH WEST DELHI-110035 declare that name of mine, my wife and my minor daughter have been wrongly written as DHURENDER KUMAR, ANU and ANJALI in my minor daughter namely ANJALI CHAURASIYA aged 14 years in her school record. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are DHURENDRA KUMAR CHAURASIYA, ANNU and ANJALI CHAURASIYA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kamal Paswan S/o Raj Kumar R/o House no D-4/261A shiv Durga vihar lakkarpur surajkund faridabad 121009 haryana have changed my name to Kamal Kumar Paswan for all future purposes

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ajay Kumar S/O Darbari Lal, R/O B-1/226 AMAN VIHAR, KIRARI SULEMAN NAGAR, Nithari, North West Delhi, Delhi - 110086, declare that name of mine has been wrongly written as Ajay in my minor daughter namely Mohini aged 13 years in her birth certificate no MCDOLIR-0112-005120544.The actual name of mine is Ajay Kumar which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, HEM WATI W/o LATE TARA CHAND R/o 1, Gali No.-2, Arya Nagar, Shakar Pur Baramad, PO: Shakarpur, Dist: East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine has been wrongly written as HEM WATI DEVI in my husband's PPO No. 111998111304360. Name of mine and my father have been wrongly written as HEMWATI and TARA CHAND in my PAN Card No. ACAPH4216K. The actual name of mine and my father are HEM WATI and MEWA RAM respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, No. 14834217N Rank-SEP/MT Name-CHANCHAL SINHA Presently residing at VILL-BASUDEBPUR, PO-MOHOBANI, TEH-MEDINIPUR SADAR, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721260, have changed my father's name from RAMPADA SINHA to RAMPADA SINGHA for all future purposes vide Affidavit dated 23/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14834217N Rank-SEP/MT Name-CHANCHAL SINHA Presently residing at VILL-BASUDEBPUR, PO-MOHOBANI, TEH-MEDINIPUR SADAR, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721260, have changed my mother's name from INDIRA SINHA to INDIRA SINGHA for all future purposes vide Affidavit dated 23/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MOHD SAMEER MALIK S/O MOHD SABIR R/O D-77GALI NO-5 CHAMAN PARK INDIRA VIHAR,MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO SAMEER MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्वकिल मोहम्मद रफीक पुत्र बिलाल खान पता-झुग्गी नं0 926, इसराईल कैंप, मलिकपुर कोही उर्फ रंगपुरी, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110037 ने अपने पुत्र शमीम को उसके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। इनके किसी भी अनैतिक कार्य, क्रियाकलाप एवं लेनदेन हेतु मेरे मुव्वकिल की जिम्मेदारी नही होगी।

RAJAN MISRA Advocate
Ch.No. 261 Patiala House Court,
New Delhi-110001

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Anika Kataria D/O Anil Kumar Bhola, EX. wife of Nipun Kataria R/O 66 First Floor Tagor park Model Town II north west Delhi Delhi-110009, declare that I got divorce from my husband vide Court decree HMA No. 1501/2024 dated 02.12.2024 .

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I JEET SINGH S/O Mangu Singh R/O E-11, G/F , BLK-E ,Shiv Vihar ,Nilothi Extn, Nangloi ,West Delhi, Delhi -110041, declare that name of my wife has been wrongly written as Simranjeet Kaur in my pass port on-X7702589.The Actual name of my wife is Sarita, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Nikhil Mudaliar S/O R Souri R/O B 111, part 1 Greater Kailash, south Delhi delhi 110025 , declare that name of mine my wife and my minor daughter has been wrongly written as Nikhil Mudhaliar Sarita Mudhaliar and Nivyasha Mudhaliar in my minor daughter namely Nivyasha Mudaliar aged 13 years ni her school records .The actual name of mine my wife and my minor daughter are NIKHIL MUDALIAR, SARITA MUKHIA AND NIVYASHA MUDALIAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kalpna Rathaur W/O: Bunty Lal, R/O B-19,Vishal Colony, VTC: Nangloi, PO: Nangloi,Sub District: Punjabi Bagh,District: West Delhi, Delhi 110041, declare that name of mine has been wrongly written as Kalpna Rathore in my minor son Krish aged 16 years in his 10th class educational document. The actual name of mine is KALPNA RATHAUR, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती सुनीता कौशिक, श्री रुचिर कौशिक और श्री रजत कौशिक 110.66 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 37 के मालिक हैं, जो आवासीय कॉलोनी संयोग नगर हदबस्त गांव सदरपुर परगना डासना तहसील और जिला गाजियाबाद, यूपी में स्थित है, श्री नीरज कौशिक की मृत्यु के बाद मूल रूप से श्री नीरज कौशिक पुत्र स्वर्गीय श्री मधुसूदन कौशिक दिनांक 09.12.2011 के दस्तावेज़ संख्या के अनुसार बिक्री विलेख के आधार पर पूर्ण मालिक थे। 12309, पुस्तक क्रमांक ह्व, खण्ड क्रमांक 5341 पृष्ठ क्रमांक 153-204 इस दिनांक 09.12.2011, एस.आर. II गाजियाबाद, उसके बाद श्री नीरज कौशिक का 24.07.2024 को निधन हो गया। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- कौशांबी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that my client, M/S BAJAJ HOUSING FINANCE LTD. (BHFL) having branch office at BHFL Upper Ground Floor, 5B/14, Near Kotak Mahindra Bank, Opp Subhas Nagar Metro Station, New Delhi 110018. Here Mrs. Pavan Kumari.. (Buyer) approached my client, for sanction and disbursement of loan facility against House No 637/38A/7B, area measuring 74 sq yards. comprised in Khasra No 7263/2885 (2-0-16). Situated at Ashok Vihar, Phase – I, Tehsil and District Gurgaon – 122001. Here Seller of said property are Mr. Arun Yadav and Mr. Deepak Yadav S/O Mr. Ram Avtar Yadav. Owner through (Virasat Intkaal No 68275 (of Mrs. Subhadra Yadav) in favour of Mr. Arun Yadav and Mr. Deepak Yadav S/O Mr. Ram Avtar Yadav. Reflecting the entry vide Rapat No 744 Dated 20.05.2022. and revenue records).If, Any person (s)/ institution/ financier/ Bank, having any sort of right, claim, title or interest in the subject property under or on the basis of the documents, or otherwise, may put forth his/her/its claim, along with the document (s) in support thereof, to the undersigned within 7 days from the publication of this notice, failing which no claim of any kind whatsoever, shall be entertained thereafter.

Deepak Malik. (Advocate)
Address – Shop - 2 kataria complex
Dayanand colony,
Gurgaon

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJ KUMAR Alias RAJVIR KUMAR KUSHVAHA S/O AMAR SINGH R/O A-166, SHALIMAR GARDEN MAIN, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as RAJVIR KUMAR KUSHVAHA.

NAME CHANGE

I, NARESH KUMAR, S/O RAM NIWAS AGGARWAL R/O HOUSE NO-54, SHAKTI PARK,GURGAON,HARYANA-122001,I HAVE CHANGED MY NAME TO NARESH AGGARWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MALA LAL, W/O PANKAJ KUMAR LAL, R/O PLOT NO-50, KH. NO-21/2/2, BLOCK-F, QUTUB VIHAR PHASE-1, QUTUB PUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, HAVE CHANGED MY NAME TO MALA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, TUSHAR S/O KAILASH BANSAL R/O B-204, DUGGAL HOUSING COMPLEX, SOUTH DELHI,DELHI-110062, HAVE CHANGED MY NAME TO TUSHAR BANSAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I Md Gaffar khan S/O Abdul Asin R/O. K-8/669, Sangam Vihar, Delhi-110062 changed my name to Gaffar Khan.

PUBLIC NOTICE

I, Renu Grewal W/o Sh. Pradeep Kumar R/o 178, Rajendra Apartment, Mahipalpur, (South West Delhi) New Delhi, Delhi-110037 declare that my actual name is RENU GREWAL which is written in all my documents, however in Passport of my son namely Advitiya Sehrawat, my name is mentioned as RENU. That the abovesaid both the names i.e. RENU GREWAL and RENU are my names, these names are of one and the same person.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Parmar Hareshbhai Bhurabhai S/o parmar Bhura Bhai Permanently residing at Plot Vistar, Kheta Timbi, Bhavnagar, Gujarat-364330 Qtr No- N-1/6, 1 ISC Company, 2 Army HQ Sig Regt Opp Gate No-2, Buddha Jayanti Park, Upper Ridge Road, Vande Mataram Marg, New Delhi-110060 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Parmar Haresh Bhai and Parmar Dhruvin in my minor son Dhruvin Hareshbhai Parmar aged 15 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are Parmar Hareshbhai Bhurabhai and Dhruvin Hareshbhai Parmar.

PUBLIC NOTICE

It is for general Information that I, SANTOSH KUMAR S/O SWARUP SINGH GUPTA R/O ESI Despencery, 689 M Block Mangol Puri, Mangol Puri, North West Delhi, Delhi-110083 declare that name of my minor son has been wrongly written as ADITYA KR GUPTA in my minor son namely ADITYA KUMAR GUPTA aged 15 years in his school records. The actual name of my minor son is ADITYA KUMAR GUPTA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Anika Kataria D/O Anil Kumar Bhola R/O D-61, Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my name and shall hereafter be known as ANIKA BHOLA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Salim Ahmed alias Saleem Javed S/O NAEEM AHMED, B-294, GALI NO-13, SHRI RAM COLONY, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as Salim Ahmed.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि कुमारी भारती, पुत्री श्री राम निवास, एक फ्रीहोल्ड आवासीय प्रथम तल (छत के अधिकारों के बिना), जो कि 108 वर्ग गज में निर्मित है, खरीदने का इरादा रखती हैं। यह संपत्ति Rf-1-B नंबर की है, जो खसरा नंबर 68/22/0 से संबंधित है और जो कि राज नगर-I, गली नंबर 5, पालम कॉलोनी, गांव पालम, दिल्ली राज्य, नई दिल्ली की आबादी क्षेत्र में स्थित है। श्री विशाल सिंह रूहिल, पुत्र स्वर्गीय श्री आनंद सिंह, इस संपत्ति के विक्रेता हैं। उन्होंने यह संपत्ति दिल्ली विकास प्राधिकरण (DD) से POI की ओर से, प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनी प्राधिकरण योजना के अंतर्गत जारी अधिकृत पर्ची (Authorization Slip) दिनांक 02.05.2024 के माध्यम से प्राप्त की थी। कृपया ध्यान दें कि दस्तावेजों की श्रृंखला में, स्वर्गीय श्री हर सरूप सिंह और स्वर्गीय श्री आनंद सिंह के उत्तरजीवी प्रमाणपत्र (Surviving Certificates) उपलब्ध नहीं हैं। फलस्वरूप, श्री विशाल सिंह रूहिल अब उक्त संपत्ति के पूर्ण और विधिक स्वामी हैं, और यह संपत्ति किसी भी प्रकार के विवाद, दावे, बंधक, भार, या देनदारी से मुक्त है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति वर्तमान में आईसीआईसीआई होम फाइनेंस लिमिटेड, वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I,Meenu Batra w/o Pankaj Khurana H/O 527 A Gali no -2 Vishwas Nagar Shahdara Delhi -110032 ,I have changed my name to VASUNDHARA KHURANA Permanently

NAME CHANGE

I,Anil Kumar S/O Raj Kumar H.no -9/49 Subhash Nagar Delhi -110027 ,I have changed my name to Anil Bhardwaj Permanently

NAME CHANGE

I,VIJAY KUMAR CHAUHAN S/O KANTA PRASAD H.NO. C-3/120 GALI NO -3 , BHAJAN PURA, DELHI-110053 ,I have changed my name to VIJAY CHAUHAN Permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I, SANDEEP KUMAR S/O SATISH CHANDRA, R/O PLOT NO 69, 1ST FLOOR, FLAT NO. MF-1, NAVEEN PARK SAHIBABAD GHAZIABAD, U.P. 201005 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SATEESH CHANDRA and SUSHEELA DEVI in my 10th and 12th class educational documents. And name of my father has been wrongly written as SATEESH CHANDRA in my Aadhar Card-455656885232. The actual name of my father and my mother are SATISH CHANDRA and SUSHILA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, JAHID AHMAD S/o MAZIBAR AHMAD R/o H.NO.C-10/A1, GROUND FLOOR, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025, declare that name of mine and my father have been wrongly written as JAHID and MAZIBAR, in my Driving license. The actual name of mine and my father are JAHID AHMAD and MAZIBAR AHMAD which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Anika Kataria D/O Anil Kumar Bhola, EX. wife of Nipun Kataria R/O D-61 Naraina vihar, Delhi-110028, declare that I got divorce from my husband vide Court decree HMA No. 1501/2024 dated 02.12.2024 .

NAME CHANGE

It is for general information that I PAS BAHADUR GURUNG S/O RAM KAJI GURUNG R/O B-3, Block B-97, Shalimar Garden Extn-2, Shiv Chowk Ghaziabad, Sahibabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine has been wrongly written as PASH BAHADUR GURUNG in my service records. The actual name of mine is PAS BAHADUR GURUNG which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I KISHORE KUMAR SHARMA S/o SHIVDAYAL SHARMA R/o B-4/37-38, Sector – 11, Rohini, Rohini Sector – 7, North West Delhi, Delhi - 110085, declare that name of mine , my wife and my minor daughter has been wrongly written as KISHORE , SANTOSH and VARSHA in my minor Daughter namely VANSHIKA aged 15 Years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLR10140783. The actual name of mine , my wife and my minor daughter are KISHORE KUMAR SHARMA , SANTOSH DEVI and VANSHIKA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I SURENDER KUMAR S/o RAM KITAR residing at B-28, First Floor, East Uttam Nagar, PO: D.K Mohan Garden, Dist : West Delhi, Delhi - 110059 declare that the name of mine has been wrongly written as SURENDER in my minor Son namely ROBIN KUMAR aged 14 Years in his School Record. The actual name of mine is SURENDER KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I SAMARTH SHARMA S/o PRAVEEN KUMAR SHARMA, residing at Flat 13B Tower 14, Type 3 NBCC, Kidwai Nagar East, Kidwai Nagar East, South West Delhi, Delhi - 110023, declare that name of my Father has been wrongly written as PRAVEEN SHARMA in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is PRAVEEN KUMAR SHARMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, TAJMUL ANSARI S/O ISHRAFIL R/O House No.-E-1258 Jhuggi, E-Block, Shahbad Dairy, Sahibabad Daulat Pur, PO: Sahbabad Daulat Pur, Dist: North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine has been wrongly written as TAJ MOOL in my minor daughter's namely SAFIYA aged 10 years in her School Records. The actual name of mine is TAJMUL ANSARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, TAJMUL ANSARI S/o ISHRAFIL R/o House No-E-1258 Jhuggi, E-Block, Shahbad Dairy, Sahibabad Daulat Pur, PO: Sahbabad Daulat Pur, Dist: North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine has been wrongly written as TAJ MOOL in my minor daughter's namely NAJIYA KHATUN aged 14 years in her School Records. The actual name of mine is TAJMUL ANSARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, TAJMUL ANSARI S/O ISHRAFIL R/O House No.-E-1258 Jhuggi, E-Block, Shahbad Dairy, Sahibabad Daulat Pur, PO: Sahbabad Daulat Pur, Dist: North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine has been wrongly written as TAJ MOOL in my minor son's namely VASHAR aged 13 years in his School Records. The actual name of mine is TAJMUL ANSARI which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जानकारी हेतु यह है कि मैं, किशनवती देवी पत्नी मोहंत प्रसाद निवासी 152, डाक खाने वाली गली, ग्राम, रिठाला, उत्तर पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110085 घोषणा करती हूँ कि मेरे राशन कार्ड संख्या-077005199180 में मेरा नाम गलती से किरण देवी लिख दिया गया है। मेरा वास्तविक नाम किशनवती देवी है।

सार्वजनिक सूचना

मैं Mohd Nazim Sheikh s/o Mohd Ziauddin पता: मकान न. 2150 द्वितीय तल तुर्कमान गेट दिल्ली 110006 घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Mohd Nazim दर्ज है जबकि मेरा पूरा और सही नाम Mohd Nazim Sheikh है। भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु Mohd Nazim Sheikh के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE

I RAJENDRA PRASAD GAUR S/O RAMESH CHAND R/O H NO-E-1/982 GALI NO-258 NEAR SAI BABA MANDIR SONIA VIHAR SAADE CHAR PUSTA KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJENDRA PRASAD

NAME CHANGE

I, Ajay Kumar S/o Subhash Chand R/o H.No.1/7, Gali No.5, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Ajay Goel.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Hemlata D/O Janki Prasad W/O Late Bharat Chaudhary R/O house no-111, gali no-2, ASHOK - MOHALLA NANGLOI, Bakkar Wala, West Delhi, Delhi-110041,declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Hema Chaudhary and bharat Chaudhary in my minor daughter namely Akansha aged 16 years in her school records The actual name of mine and my husband are HEMLATA AND BHARAT CHAUDHARY, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री अजीत सिंह पुत्र श्री राजेश सिंह, श्रीमती ओमवती देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कनक सिंह से एक आवासीय निर्मित संपत्ति क्रय करने का इरादा रखते हैं, जो कि संपत्ति संख्या 144-ष्ट, माप 60 वर्ग गज (अर्थात 50.16 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 127 से संबंधित है, जो कि सत्या एनक्लेव, ग्राम कर्कर मोर्डन, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। श्रीमती ओमवती देवी ने उक्त संपत्ति श्री विकास कुमार से बिक्री विलेख दिनांक 23.06.2014 के माध्यम से खरीदी थी, जो दस्तावेज संख्या 4700 के रूप में पंजीकृत है। दुर्भाग्यवश, श्रीमती ओमवती देवी का निधन 27.12.2020 को हो गया और उनके पति श्री कनक सिंह का निधन उनसे पूर्व 21.11.2011 को हो चुका था। उन्हें अपने पीछे दो वैध उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं — श्री विकास कुमार (पुत्र) एवं कु. नेहा चौधरी (पुत्री)। अत: अब श्री विकास कुमार एवं कु. नेहा चौधरी उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं विधिक स्वामी हैं, तथा यह संपत्ति किसी भी प्रकार के विवाद, बंधक, दावे, देनदारी अथवा रोक से मुक्त है। यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त संपत्ति वर्तमान में कैन फिन होम्स लिमिटेड, शाखा- नेहरू प्लेस, नई दिल्ली के साथ वित्तपोषित (फाइनेंस) की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to all concerned that my client, Sh. Manoj Kumar Sains S/O Sh. Harbans Lal Saini & His wife, namely Smt. Renuka Saini, both residing at. RZ-0-166-A, GALI NO-7, MAHAVIR ENCLAVE-1. PALAM VILLAGAE, SOUTH WEST, DELHI-110045, has evicted hus son, Sh. Abhishek Saru. From all his movable and immovable properties, and has severed all relations with them due to their indecent behaviour, assault, threats of implicating them in false cases, and not being in his control. If in the future the above-mentioned son Sh. Abhishek Saini have any kind of transaction, ethical or unethical behavior with my client, then he himself will be responsible for it. My client will have nothing to do with it, and neither will he be accountable for it.

MANISH KUMAR ADVOCATE
CH.NO. 839, L.C.B,
DWARKA COURT,
NEW DELHI

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामबीर आवासीय प्लॉट संख्या 412/23-ए, क्षेत्रफल 106.66 वर्ग गज के मालिक हैं। यह प्लॉट खसरा संख्या 8758/1111, 8759/1111, 8760/1111, 8761/1111, 8762/1111, 8763/1111, 8767/1111, 8768/1111, 8769/1111 में से है। यह प्लॉट वाका सिवाना, मोजा गुड़गांव, हाल कॉलोनी हीरा नगर, तहसील गुरुग्राम में स्थित है। यह बिक्री विलेख दिनांक 30/06/2025 के अनुसार श्री मदन सिंह उर्फ मदन सिंह यादव द्वारा श्री रामबीर के पक्ष में आवासीय प्लॉट संख्या 412/23-ए के संबंध में निष्पादित किया गया है। (पुराना नं. मकान नं. 256/23), क्षेत्रफल 106.66 वर्ग गज। दस्तावेज़ नं. 4120, स्क्र- गुरुग्राम, प्रारंभ में, उक्त संपत्ति (माप 386.67) दस्तावेज़ नं. 174 के संबंध में (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी और (2) श्रीमती कांता देवी के पक्ष में श्री खजान सिंह द्वारा दिनांक 21/04/1976 को बिक्री विलेख निष्पादित किया गया। जिनकी मृत्यु कानूनी उत्तराधिकारियों श्री मधु रानी उर्फ मधु रानी यादव और श्रीमती अनामिका, श्री मदन सिंह उर्फ मदन सिंह यादव, श्रीमती मुकेश यादव, प्रिया यादव, पूजा यादव, तुषार यादव और महेंद्र यादव को छोड़कर हुई। बाद में, मकान नं. के संबंध में श्री मदन सिंह उर्फ मदन सिंह यादव के पक्ष में (1) श्री मधु रानी उर्फ मधु रानी यादव और (2) श्रीमती अनामिका द्वारा दिनांक 20/01/2025 को हस्तांतरण विलेख (रक्त संबंध) निष्पादित किया गया। 256/23, क्षेत्रफल 96 वर्ग गज, दस्तावेज संख्या 12533 है। अंत में, मेरे उपर्युक्त ग्राहक के पक्ष में दिनांक 30/06/2025 को बिक्री विलेख निष्पादित किया गया। कि मेरा ग्राहक उक्त अचल संपत्ति को वास्तविक आवश्यकताओं के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बंधक रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी के पास संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 23/9/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

सार्वजनिक सूचना

श्रंखला शीर्षक विलेख का गुम होना एवं प्रस्तावित इक्विटेबल मॉर्टगेज

नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी) के पक्ष में और उसकी ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा जारी किया गया।

एतद्वारा द्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी ने बताया कि उक्त संपत्ति से संबंधित श्रृंखला शीर्षक दस्तावेजों में से एक खो गया है:

- गुम दस्तावेज़: विक्रय विलेख दिनांक 04 दिसम्बर 2017, जो दस्तावेज़ सं. 2537/2017 के रूप में उप-पंजीयक कार्यालय, हर्सारू, जिला गुरुग्राम (हरियाणा) में वाटिका लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत है।
- संपत्ति (अनुसूची): आयत संख्या 43 किला नंबर 6 मिनट पूर्व (2-11), किला नंबर 7/2 मिनट दक्षिण (3-00), किला नंबर 15 मिनट (2-15) कुल सीमा/क्षेत्रफल 8 कनाल 6 मरला के अंतर्गत आने वाली भूमि का वह सब टुकड़ा और पार्सल; गांव में स्थित- हरसारू; तहसील- हरसरू, जिला-गुरुग्राम; राज्य-हरियाणा; कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के तहत निगमित कंपनी नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली पिन-122505 कंपनी का पंजीकृत कार्यालय एम-18, ग्रेटर कैलाश, भाग-IInd, दिल्ली-110048 में है। (प्राइवेट लिमिटेड कंपनी)।
- पुलिस संदर्भ: गुमशुदगी की शिकायत 132270912500754/2025 दिनांक 23-09-2025, सुशांत लोक, गुरुग्राम, हरियाणा।

उपरोक्त दस्तावेज किसी भी व्यक्ति के पास है या उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी अधिकार, शीर्षक, ब्याज, प्रभार, ग्रहणाधिकार या आपत्ति का दावा करता है, इस प्रकाशन की तारीख से 5 (पांच) दिनों के भीतर सहायक साक्ष्य के साथ लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद प्राप्त दावों/आपत्तियों पर विचार नहीं किया जा सकता है। यदि पाया जाता है, तो लापता दस्तावेज़ कृपया नीचे दिए गए पते पर अधोहस्ताक्षरी को दिया जा सकता है।

प्रतिक्रिया/रिटर्न हेतु:

फर्स्टवाटर लॉ एलएलपी

पता: A-19, ग्राउंड फ्लोर, एफआईईई कॉम्प्लेक्स, सुइट 1108, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली - 110020
ईमेल: rakesh@firstwater.law • फ़ोन: +91-9040145960
स्थान: गुरुग्राम • प्रकाशन तिथि: 23.09.2025

यह सूचना नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरिकल्चर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जारी की गई है और सभी अधिकारों और विवादों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी की गई है। यह प्रकाशन स्वामित्व का प्रमाण पत्र नहीं है।

NAME CHANGE

I, hitherto known as ADHISHERLA JAYA W/O PRASAD, Residing at-A180B, BLOCK-A, KATHPUTLY COLONY, PATEL NAGAR, DELHI-110008 have changed my name and shall hereafter be known as SARITA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I, Rakesh Kumar S/o Onkar Nath R/o A2/6A, Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi - 110035 have changed my name from Rakesh Kumar to Rakesh Sawal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sonika Gupta D/O Sham Singh W/O Rony Gupta R/O FLAT NO 1203 A Tower B Maxblish Grand Wellington SEC 75 NOIDA Gautam Buddha Nagar UP 201301 Have changed my name to Sonika for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KIMTI RANI W/O ANURAG SHARMA resident of D 1045, GAUR GREEN AVENUE, ABHAY KHAND 2, INDRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH. have changed my name to KAIRA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Anika Kataria D/O Anil Kumar Bhola R/O D-61, Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my name and shall hereafter be known as ANIKA BHOLA.

NAME CHANGE

It is for general information that I Parisha D/O: Hitender Kumar R/O RZ-22/265, M-Block Near Shiv Mandir West Sagarpur Sagarpur South West Delhi Delhi -110046, declare that name of my father has been wrongly written as Hitender chopra in my 10th class educational document The actual name of my father is HITENDER KUMAR.,which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा सरकार मनाएगी शहीदी दिवस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सरकार शहीदी दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में कार्यक्रमों का आयोजन करके शहीदों का सम्मान करेगी। सरकार ने पूरे प्रदेश में हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस मनाए जाने का ऐलान किया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री के निर्देश को लेकर एक ऑर्डर भी जारी किया गया है। इसमें लिखा है कि सरकार ने फैसला किया है कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी 'हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस' के रूप में मनाया जाए। इस दिन प्रत्येक जिले में जनसभाएं, समारोह, गोष्ठियां आयोजित करके शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाए। शहीदों के परिवारों और युद्ध में वीरता पुरस्कार पाने वालों को स्मृति चिह्न आदि भेंट कर सम्मानित किया जाए। इस समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों एवं कारगिल युद्ध के योद्धाओं को भी आदरपूर्वक आमंत्रित किया जाए।

सेवा पखवाड़े के साथ-साथ जीएसटी रिफॉर्म का प्रचार भी करें भाजपा कार्यकर्ता : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम के जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सेवा पखवाड़े के निमित्त जिला कार्यालय गुरुकमल में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से पूरे देश में सेवा पखवाड़े के रूप में जनसेवा के अनेकों कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य भाजपा कार्यकर्ताओं को देश सेवा में अपनी सेवा देने का अवसर प्रदान करना हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने जीएसटी को लेकर कहा कि सोमवार से जीएसटी की नई दरें पूरे देश में लागू हो गई हैं। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में व्यापारियों एवं जनता जनार्दन से मिलकर ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म का प्रचार करना है। इस अभियान के लिए भाजपा जिला सचिव को जिला संयोजक पहले ही नियुक्त किया जा चुका हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान महात्मा गांधी जी के जन्मदिन दो अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस अभियान में गुरुग्राम जिले के सभी 17 मंडल अध्यक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सेवा पर्व के तहत 'संविधान संगोष्ठी' का आयोजन

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सेवा पर्व के तहत संस्थान में संविधान संगोष्ठी व मैदान की सफाई की गई। इसमें बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उप प्राचार्य जीवन जिंदल ने बच्चों को सफाई का महत्व बताते हुए कहा कि सफाई हमें बीमारियों से दूर रखती है। इस अभियान के तहत 'स्वच्छ भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सफाई को देशभर में बढ़ावा दे रहे हैं। उनकी अगुवाई में सफाई अभियान आज राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। इस मौके पर संविधान संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। अनुदेशक नीरज यादव ने संविधान के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला व बच्चों को संविधान पढ़ने व उसकी समझ विकसित करने पर जोर दिया। इस दौरान संस्थान में संविधान पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया। इस मौके पर वर्ग अनुदेशक सुनील कोसलिया, संस्थान में एनसीसी प्रभारी मेजर वीरेंद्र सेकवाल, कार्यालय अधीक्षक सत्यनारायण जांगड़ा, वर्ग अनुदेशक जगदीश, विद्युतकार अनुदेशक मनोज आदि मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत विधायक ने नगूरां पीएचसी में चलाया स्वच्छता अभियान

जींद। हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत उचाना कलां के विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री पीएचसी नगूरां पहुंचे। जहां पर स्वास्थ्य विभाग से जिला मलेरिया अधिकारी बिजेंद्र ढांडा, अलेवा सीएचसी प्रभारी डा. जितेंद्र शर्मा, नगूरां पीएचसी प्रभारी डा. दीक्षा यादव ने विधायक का स्वागत किया। इसी दौरान विधायक ने पीएचसी में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण करने के अलावा चिकित्सों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया।

विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चल रहा है। जिसके तहत नगूरां पीएचसी में स्वच्छता अभियान चलाने के अलावा एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कर पौधे वितरित करते हुए कहा कि लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए ताकि वायु प्रदूषण से निजात मिले सके। नशे की आदत न केवल उस व्यक्ति को बर्बाद करती है, बल्कि परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करती है। विधायक ने कहा कि सबसे पहले आप सभी को प्रधानमंत्री के जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं और मैं आपको कहना चाहूंगा की सेवा पखवाड़ा एक ऐसी भावना है जो सभी को किसी ने किसी रूप में एक दूसरे की सहायता करके सेवा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करीब 117 करोड़ की 557 परियोजनाओं का उद्घाटन किया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शरद नवरात्र के पहले दिन प्रदेशवासियों को 117 करोड़ रुपये की 557 परियोजनाओं का उद्घाटन कर बड़ी सौगात दी। यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत डीसीआरयूएसटी मुरथल में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने 72 महिला सांस्कृतिक केंद्र, 90 इनडोर जिम, 69 योग एवं व्यायामशालाओं, मुख्यमंत्री किसान खेत सड़क योजना के तहत 101 सड़कें और 225 गांवों में फिरनी पर स्ट्रीट लाइट्स का उद्घाटन किया। इसके साथ ही महिला स्वास्थ्य शिविर और स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं है, बल्कि हरियाणा को विकास की ऊँचाई पर ले जाने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में

203 महिला सांस्कृतिक केंद्र खोले जा चुके हैं, जहां महिलाएं अपनी प्रतिभा दिखा सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत होगा। नायब सिंह सैनी नेकहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ और तंदरूस्त देखना है। फिटनेस और योग को बढ़ावा देने के लिए 90 इनडोर जिम और 69 योग एवं व्यायामशालाएं खोली गई हैं। प्रदेश में अब तक 892 योग एवं व्यायामशालाएं चालू हैं और योजना है कि हर गांव में जिम उपलब्ध हों। गांवों के विकास पर भी मुख्यमंत्री ने जोर दिया। उन्होंने बताया कि 695 गांवों में स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं और 588 ग्राम पंचायतों की कच्ची फिरनियों को 237.64 करोड़ रुपये से पक्का किया गया है। मुख्यमंत्री किसान खेत सड़क योजना के तहत 101 नई सड़कें बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन ग्राम उदय से भारत उदय को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार भी पंचायत संस्थाओं को सशक्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक गांव में ई-लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है और जल्द ही इसमें पुस्तकें और कंप्यूटर उपलब्ध होंगे।

हरियाणा में 1032 अस्थायी मान्यता वाले स्कूलों ने एक्सटेंशन लेटर की मांग की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रहे 1032 अस्थाई मान्यता प्राप्त स्कूलों के संचालकों ने सरकार ने एक्सटेंशन लेटर जारी करने की मांग की है। प्राइवेट स्कूल संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने जारी बयान में कहा कि भाजपा ने वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में अस्थाई स्कूलों को एकमुश्त स्थाई मान्यता देने का वादा कर इसको घोषणा पत्र में शामिल किया था, लेकिन 11 वर्ष के बाद भी अभी तक पूरा नहीं किया गया। भाजपा का वादा था कि सरकार बनने के बाद अस्थाई स्कूलों को नियमों में सरलीकरण करके एकमुश्त स्थाई मान्यता दी जाएगी, लेकिन अभी तक यह वायदा अधूरा है। उन्होंने कहा कि इनमें से बहुत से स्कूलों को बने हुए 30 वर्ष से भी ज्यादा समय हो गया है। ये अस्थाई स्कूल जमीन की शर्त को छोड़कर अन्य सभी नियमों को पूरा करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि इन स्कूलों के भवनों के पास मकान बने हुए हैं। इनके पास खाली जगह नहीं है, ऐसे मे जमीन की शर्त पूरा करना इनके लिए संभव नहीं है। प्रांतीय महासचिव पवन राणा, रणधीर पूनिया, प्रदेश उप प्रधान कुलदीप यादव, प्रेस सचिव राजबीर ढाका व सलिंदर शास्त्री ने एमआईएस पोर्टल खोलने की मांग की। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि प्रदेश के हजारों प्राइवेट स्कूलों के एमआईएस पोर्टल तीन महीने से बंद पड़े हैं, जिस कारण इन स्कूलों में बच्चों के आनलाइन दाखिले नहीं हो पा रहे हैं। इन स्कूलों का एमआईएस पोर्टल जल्द से जल्द खोला जाए। साथ ही एग्जिस्टिंग, एमआईएस पोर्टल पर पंजीकृत स्कूलों का समाधान करने व स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए एक एक लाख रुपए जुर्माने को भी माफ करने की भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की है।

प्रदेश वासियों को जीएसटी सुधार से होगा चार हजार करोड़ रुपए का फायदा : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में लागू किए गए जीएसटी सुधार से प्रदेश में आम नागरिकों का साल भर में लगभग चार हजार करोड़ रुपए का फायदा होगा और यह प्रदेश व देश के आर्थिक विकास में सबसे बड़ा परिवर्तन लाएंगे। यह जीएसटी सुधार न केवल व्यापारियों को राहत देंगे बल्कि आम उपभोक्ताओं के जीवन को भी सरल बनाएंगे। अहम पहलू यह है कि नागरिक अब कम जीएसटी का लाभ उठाकर स्वदेशी उत्पाद अपने घर लेकर आए। इन सुधारों से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा और व्यापारिक गतिविधियों में पारदर्शिता आएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा के मेन बाजार में प्रदेशव्यापी वस्तु एवं सेवाकर बचत उत्सव को लेकर आयोजित कार्यक्रम के दौरान दुकानदारों और व्यापारियों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रामकुंडी चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और प्रदेशवासियों को अग्रसेन जयंती तथा नवरात्रों की बधाई और शुभकामनाएं देने के उपरांत प्रदेशव्यापी वस्तु एवं सेवाकर उत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैन बाजार, संगम मार्केट होते हुए शहीद ढींगरा चौक पर पहुंचे और दुकानदारों, व्यापारियों को सरकार द्वारा नई लागू जीएसटी दरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और लोगों को स्वदेशी वस्तुएं और उत्पाद घर लाने की अपील की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जीएसटी सुधारों के लाभ और

महत्व की जानकारी आमजन और व्यापारियों तक पहुंचाने के लिए 'जीएसटी जागृति अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान 15 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। इसके लिए आबकारी एवं कराधान विभाग ने विस्तृत कार्ययोजना के तहत शिविर आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि अभियान का पहला चरण 22 से 29 सितंबर तक चलेगा। इसमें सभी जनप्रतिनिधि सक्रिय रूप से भाग लेंगे और प्रतिदिन चिह्नित मार्केट्स का दौरा कर दुकानदारों और ग्राहकों को सुधारों की जानकारी देंगे।

नायब सिंह सैनी ने लाडवा मंडी से शुरू करवाई धान की खरीद

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने किसानों के हित को देखते हुए धान खरीद कार्य को 1 अक्टूबर की बजाए 22 सितंबर से शुरू करने का काम किया है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों की धान की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिला कुरुक्षेत्र की लाडवा अनाज मंडी में धान के खरीद कार्य का शुभारंभ करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा अनाज मंडी में धान की खरीद कार्य को शुरू करवाया और किसानों तथा व्यापारियों से बातचीत करते हुए कहा कि किसानों के अनुरोध पर धान खरीद कार्य को निर्धारित समय से पहले शुरू करवाया गया है। इतना ही नहीं किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए गत दिवस हिसार कृषि मेले में किसानों ने गेहूं के बीज पर सब्सिडी देने की मांग रखी थी। इस मांग को चंडीगढ़ जाते ही पूरा किया गया और बीज पर सब्सिडी देने की

अधिसूचना को जारी करवाया गया। मुख्यमंत्री के सामने खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा किसान अमित कुमार व चरण सिंह की लगभग 100 क्विंटल पीआर धान की खरीद की गई। पिछले वर्ष पीआर धान की कुल आवक 12,00,000 क्विंटल हुई थी। हालांकि इस सीजन में अनाज मंडी में पीआर धान की कुल 5000 क्विंटल की आवक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। किसी भी किसान के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए 1200 रुपए की मदद दे रही है।

प्लास्टिक मुक्त बहादुरगढ़ बनाने के लिए परिषद ने शुरू किया बर्तन बैंक

ज्योति दर्पण

झज्जर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा के तहत नगर परिषद बहादुरगढ़ ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। परिषद की ओर से शहर में बर्तन बैंक खोला गया है। इस बर्तन बैंक का उद्देश्य शहर को प्लास्टिक और थर्माकोल मुक्त बनाना है, ताकि सामाजिक, धार्मिक और पारिवारिक आयोजनों में अब डिस्पोजेबल बर्तनों की जगह स्टील के बर्तन उपयोग किए जा सकें।

नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने बर्तन बैंक का उद्घाटन किया और इसे आमजन के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से स्टील के गिलास, प्लेट, चम्मच और थालियां नगर परिषद को उपलब्ध कराई गई हैं जिन्हें शहरवासी निःशुल्क ले सकते हैं। लोग भंडारा, शादी, धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रमों में इन बर्तनों का प्रयोग करके कार्यक्रम समाप्त होने के

बाद इन्हें वापस नगर परिषद में जमा कर देंगे। इस व्यवस्था से न केवल गंदगी कम होगी, बल्कि पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। चेयरपर्सन ने भारतीय जनता पार्टी सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी का यह बर्तन बैंक खोलने पर आभार जताया है। अब तक कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर प्लास्टिक और थर्माकोल के कप, प्लेट और चम्मच का इस्तेमाल होता था। लोग इन्हें सड़कों और गलियों में फेंक देते थे या जलाकर नष्ट करते थे, जिससे प्रदूषण और गंदगी फैलती थी। नालियां जाम हो जाती थीं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नगर परिषद की यह पहल इन सभी समस्याओं का समाधान लेकर आई है। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि नगर परिषद का यह बर्तन बैंक शहरवासियों के लिए एक अनूठी सुविधा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि भंडारे शादी या अन्य किसी भी बड़े आयोजन में यदि लोग नगर परिषद से बर्तन लेकर प्रयोग करेंगे तो एक ओर तो उन्हें डिस्पोजेबल बर्तनों पर खर्च नहीं करना पड़ेगा, दूसरी ओर शहर भी साफ-सुथरा रहेगा।

सरोज राठी ने कहा कि नगर परिषद का यह कदम बेहद सराहनीय है। इससे प्लास्टिक और थर्माकोल पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण को बड़ा लाभ पहुंचेगा। साथ ही, बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण बनाना संभव होगा।

मुख्यमंत्री ने धर्मपत्नी सहित पहले नवरात्र पर माता मनसा देवी में माथा टेका

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपनी पत्नी सुमन सैनी के साथ अश्विन नवरात्र के पहले दिन पंचकूला के माता मनसा देवी मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना कर मां महामाई का आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने इसके उपरांत मंदिर परिसर में स्थित यज्ञशाला पहुंचकर हवन यज्ञ में भाग लिया और आहुति डाली। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी निशा यादव ने मुख्यमंत्री को माता मनसा देवी का चित्र सम्मान स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर उपायुक्त सतपाल शर्मा, माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की सचिव शारदा प्रजापति, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जीएसटी सुधार व्यापार व उद्योग जगत के लिए भी महत्वपूर्ण : राव नरबीर सिंह

- **जीएसटी जागृति अभियान के दृष्टिगत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने मानेसर में की पत्रकार वार्ता**

एजेंसी

गुरुग्राम। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश और हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्हीं की नीतियों के परिणामस्वरूप वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में किया गया हालिया सुधार आम उपभोक्ताओं और उद्योग जगत दोनों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

कैबिनेट मंत्री मानेसर में जीएसटी जागृति अभियान के दृष्टिगत पत्रकारों से बात कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी परिषद का गठन किया गया था। गहन विचार-विमर्श के बाद लागू किए गए इस बड़े कर सुधार को समय-समय पर और बेहतर बनाने की मांग उठती रही। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष 15 अगस्त को लाल किले से इसकी

घोषणा की और मात्र एक महीने में इसे लागू कर दिया गया। अब जीएसटी के केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रह गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बदलाव का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। कार, टू-व्हीलर, फ्रिज, एसी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी वस्तुएं सस्ती होंगी। सीमेंट और निर्माण सामग्री पर टैक्स घटने से घर बनाने की लागत कम होगी। आयुर्वेदिक और रोजमर्रा की उपभोग की वस्तुएं आमजन की पहुंच में होंगी। व्यापार और उद्योग जगत के लिए भी यह सुधार महत्वपूर्ण है। सीमेंट और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में लागत घटने से मांग में बढ़ोतरी होगी। टैक्स विवाद और झंझट कम होंगे तथा कारोबारी अपना अधिक समय व्यवसाय को आगे बढ़ाने में लगाएंगे।

हरियाणा की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जीएसटी संग्रह में हरियाणा देश में पांचवें स्थान पर है और अकेले गुरुग्राम राज्य के संग्रह का लगभग 25 प्रतिशत योगदान करता है। वर्ष 2017-18 में देशभर का कुल जीएसटी संग्रह 7.19 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपये हो गया। हरियाणा का शुद्ध एसजीएसटी संग्रह 2018-19 के 18,910 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 39,743 करोड़ रुपये हो गया है। यानी 110 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवसर पर मानेसर जिला अध्यक्ष अजीत यादव, जीएसटी रिफॉर्म के जिला संयोजक पवन यादव, भाजपा के जिला महामंत्री मुकेश शर्मा व प्रदीप सैनी भी मौजूद रहे।

हार से निराश न हों लगातार अभ्यास से मिलेगी सफलताः सुरेंद्र पंवार

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि जो खिलाड़ी लगातार अभ्यास करता है, वह हर हाल में सफल होता है। खेल में हार-जीत लगी रहती है, लेकिन खिलाड़ी और टीम को कभी निराश नहीं होना चाहिए। अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी है। वे आर्चिड द इंटरनेशनल स्कूल खेवड़ा में आयोजित चतुर्थ सब जूनियर हरियाणा रोल बॉल राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस प्रतियोगिता का आयोजन रोल बॉल एसोसिएशन सोनीपत ने किया। पूर्व विधायक ने कहा कि यह सोनीपत के लिए गर्व का विषय है कि पूरे प्रदेश से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ने खिलाड़ियों को खेल प्रतिभा निखारने का मंच दिया है। इसी मंच से कई खिलाड़ी प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। उन्होंने बताया कि आज के दौर में रोल बॉल खेल युवाओं की पहली पसंद बनता जा रहा है।

नई जीएसटी दरों से होगा व्यापार आसान, बडौली ने व्यापारियों से की मुलाकात

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने स्थानीय व्यापारियों से मुलाकातकर नई जीएसटी व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और सरकार द्वारा किए गए बदलावों की जानकारी दी।

बडौली ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार लगातार व्यापारियों को सुविधा देने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। नई जीएसटी व्यवस्था का उद्देश्य कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाना है, ताकि छोटे और मध्यम व्यापारी भी आसानी से इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि हाल ही में जीएसटी दरों में किए गए संशोधन से व्यापार जगत को राहत मिली है और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों और उद्यमियों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि व्यापारियों को किसी भी तरह की

समस्या नहीं आने दी जाएगी। सरकार लगातार संवाद और सहयोग की नीति पर काम कर रही है, जिससे कारोबार का माहौल और बेहतर बनेगा। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने भी अपनी राय रखते हुए नई जीएसटी व्यवस्था की सराहना की। उनका कहना था कि नई प्रणाली से व्यापार करना आसान हुआ है और उन्हें कई स्तर पर राहत मिली है। व्यापारियों ने प्रदेशाध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए भरोसा दिलाया कि वे सरकार की नीतियों का पूरा सहयोग करेंगे। बैठक में भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय व्यापार मंडल के प्रतिनिधि और अनेक उद्योगपति मौजूद रहे।

हरियाणा में डीएपी खाद का संकट, सरकार की लापरवाही से किसान बेहालः सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में डीएपी खाद की भारी कमी को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा सरकार की नीतिगत लापरवाही के कारण प्रदेश के किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं। कुमारी सैलजा ने सोमवार को मीडिया को जारी प्रेस बयान में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि चीन द्वारा स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर की आपूर्ति रोके जाने से देश में खाद की भारी किल्लत होगी। लेकिन भाजपा सरकार ने समय रहते इस संकट के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सांसद ने कहा कि आज वही स्थिति सच साबित हो रही है। हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, अंबाला, यमुनानगर समेत कई जिलों में डीएपी खाद का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है। किसान खाद की तलाश में मंडियों और बाजारों में भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि पहले बाढ़ से फसलें तबाह हुई, अब खाद के अभाव में किसान परेशान हैं। भाजपा सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की बजाय उन्हें बाजार की मार झेलने के लिए छोड़ दिया है। आखिर कब तक किसान भाजपा सरकार की अव्यवस्था का शिकार बनता रहेगा? कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि खाद की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिलों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया जाए और संकट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। सैलजा ने कहा कि एच-1बी वीजा पर हर साल .100,000 रुपये का नया शुल्क भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा शक्ति के भविष्य पर सीधी चोट है। हज़ारों भारतीय पेशेवर अपनी उड़ानें रद्द करने को मजबूर हैं। जो अमेरिका से बाहर हैं, वे भारी शुल्क के कारण असमंजस की स्थिति में फंसे हुए हैं। सांसद ने कहा कि पिछले वर्ष एच-1बी वीजा धारकों में लगभग 71 प्रतिशत भारतीय थे। अब उन पर करारा प्रहार हुआ है। सरकार की चुप्पी कब कार्रवाई में बदलेगी? हमारे नागरिक केवल दिखावे नहीं, ठोस संरक्षण के हकदार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को लिखा खुला पत्र, स्वदेशी उत्पाद खरीदने-बेचने का आग्रह किया

जीएसटी सुधारों से 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी, देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को खुला पत्र लिखकर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और बेचने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इससे कई परिवारों की आजीविका बेहतर होगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अपने पत्र में मोदी ने बताया कि जीएसटी सुधारों से लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। त्योहारी माहौल में मोदी ने सभी से जीएसटी बचत उत्सव मनाने का भी आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों से उद्योग, विनिर्माण और निवेश में सुधारों को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि नए जीएसटी सुधार एमएसएमई और छोटे कारोबारियों के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ कंप्लायंस' को आसान बनाएंगे। कम कर दरें और सरल नियमों से बिक्री में तेजी आएगी और नए व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के राज्यों ने जीएसटी कटौती का स्वागत किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा की। वहीं विपक्षी नेता ममता बनर्जी, सिद्धारमैया और ए रेवंत रेड्डी ने राजस्व नुकसान और मुआवजे को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य मंत्रियों ने बाजारों का दौरा कर दुकानदारों और व्यापारियों से प्रतिक्रिया ली। सरकार ने इस बात पर नजर रखने की बात कही है कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। दोषी व्यापारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी एलान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भोजन, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट, बीमा जैसी वस्तुओं पर कर कम या शून्य होगा। 12 लाख रुपये तक की आय पर अब कोई आयकर नहीं लगेगा। इससे देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठ चुके हैं और मध्य वर्ग मजबूत हुआ है। इस तरह के सुधारों से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी, रोजगार बढ़ेंगे और स्थानीय उत्पादन को मजबूती मिलेगी।

भारत की जीडीपी 6.5 फीसदी रहने की उम्मीद: रिपोर्ट

जून तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो उम्मीद से बेहतर है

नई दिल्ली

एक अमेरिकी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी ग्रोथ इस वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी पर स्थिर रहने की संभावना है। जून तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो उम्मीद से बेहतर है। घरेलू मांग में मजबूती, जीएसटी सुधार और आयकर में बदलाव इसके प्रमुख कारण बताए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति में अधिक गिरावट आई है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 3.2 फीसदी कर दिया गया है। इससे मौद्रिक नीति में बदलाव की गुंजाइश बढ़ी है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से 25 बेसिस पॉइंट की ब्याज दर कटौती की उम्मीद है। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में भारत में सरकारी निवेश के कारण निवेश में तेजी देखी गई है। उभरते बाजारों में घरेलू मांग भी मजबूत बनी हुई है, जो आर्थिक विकास को सहारा दे रही है। अगस्त में चीन के निर्यात में अमेरिका को शिपमेंट में कमी के बावजूद बड़ा असर नहीं दिखा, लेकिन अमेरिकी टैरिफ बढ़ने और वैश्विक आर्थिक वृद्धि धीमी होने से निर्यात में कमी आने की संभावना है। घरेलू मांग, हाउसिंग निवेश और उपभोग में गिरावट आई है। हाउसिंग क्षेत्र में गिरती बिक्री ने लोगों के विश्वास को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 और 2026 की दूसरी छमाही में चीन की आर्थिक

वृद्धि लगभग 4 फीसदी पर धीमी रहने की संभावना है।

यह रिपोर्ट भारत और चीन दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण संकेत देती है और आगे की नीतिगत तैयारियों के लिए मार्गदर्शक होगी।

जीएसटी दरों में कटौती से कार, बाइक व एसी-टीवी की बिक्री में जोरदार उछाल

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में लौटी रौनक, दिवाली तक दोगुनी बिक्री का अनुमान

नई दिल्ली

सरकार द्वारा कुछ 22 सितंबर से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती का असर बाजार में साफ दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से एयर-कंडीशनर और टेलीविजन जैसे बड़े उपकरणों की बिक्री में भारी उछाल देखा गया है। त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही ग्राहक सस्ते सौदों को पकड़ने के लिए दुकानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उमड़ पड़े हैं। रूम एयर कंडीशनर पर जीएसटी दर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई है, जिससे इन उत्पादों की कीमतों में हजारों रुपये तक की गिरावट आई है। हायर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को डीलरों ने किसी भी सामान्य दिन की तुलना में दोगुनी बिक्री की सूचना दी है। टीवी सेगमेंट में भी यही ट्रेंड देखा गया है। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह के अनुसार, थॉमसन, कोडक जैसे ब्रांड्स की बिक्री में पहले ही दिन 30-35 फीसदी की वृद्धि हुई है। खासकर 43 और 55 इंच स्क्रीन वाले मॉडल्स की मांग काफी बढ़ी है। ब्लू स्टार के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि ग्राहक जीएसटी में आई कमी से काफी उत्साहित हैं और यह रुझान आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। डीलरों का अनुमान है कि दिवाली तक इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो सकती है। त्योहारी सीजन में आमतौर पर साल की कुल बिक्री का 35 फीसदी हिस्सा होता है।

हर दिन बिक रहे 246 स्कूटर बजाज चेतक ईवी

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बजाज चेतक ईवी ने नया इतिहास रच दिया है। जनवरी 2020 में लॉन्च हुआ यह स्कूटर अब तक 5,10,000 से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंच चुका है। खास बात यह है कि इनमें से 40 प्रतिशत यानी करीब 2,06,000 यूनिट्स पिछले 10 महीनों (नवंबर 2024 से) में बिकी हैं।

चेतक को यह उपलब्धि हासिल करने में कुल 69 महीने लगे। औसतन कंपनी हर महीने 7,391 यूनिट्स और रोजाना 246 यूनिट्स बेचने में सफल रही। हाल ही में रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी के कारण इसके प्रोडक्शन पर अस्थायी रोक लगानी पड़ी थी, जिससे बिक्री प्रभावित हुई। हालांकि, अब उत्पादन फिर से पटरी पर लौट आया है और फेस्टिव सीजन में इसकी बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि चेतक ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़कर कुछ समय पहले ही नंबर-1 की पोजीशन हासिल की थी। टीवीएस आईक्यूब के साथ भी यह लंबे समय तक टॉप स्पॉट पर रहा। इस सफलता का श्रेय बजाज के व्यापक नेटवर्क को भी जाता है। कंपनी के 3,800 से ज्यादा टचपॉइंट्स ग्राहकों को बेहतर सर्विस मुहैया कराते हैं।

अब तक बेची गई कुल यूनिट्स में से 3.48 लाख से ज्यादा स्कूटर्स सिर्फ पिछले 20 महीनों में बिके हैं। खास बात यह है कि पिछली 2 लाख यूनिट्स तो 10 महीने से भी कम समय में ग्राहकों तक पहुंचाई गईं। वर्तमान में चेतक का पोर्टफोलियो चार मॉडलों का है। चेतक 3001 में 3 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जबकि 3501, 3502 और 3503 वैरिएंट में 3.5 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक मिलता है। इनकी कीमत 99,900 रुपए से शुरू होकर 1.35 लाख रुपए तक जाती है।

जीएसटी 2.0: मारुति ने एक दिन में 25,000, हुंडई ने 11000 और टाटा ने 10000 गाड़ियों की डिलेवरी की

नई दिल्ली

देश में नया गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी 2.0 लागू होकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में जबरदस्त तेजी आई है। 22 सितंबर से लागू हुए नए टैक्स सिस्टम ने कंपनियों और ग्राहकों दोनों के लिए बड़ी राहत दी है। छोटी कारों पर टैक्स घटने से डिमांड इतनी तेजी से बढ़ी कि कार कंपनियों को पहले ही दिन बंपर बुकिंग और रिकॉर्ड डिलीवरी का जश्न मनाया। जीएसटी 2.0 लागू होते ही देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड को पहले दिन ही ग्राहकों की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली। कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स) पार्थो बनर्जी ने बताया कि 22 सितंबर को कंपनी को 80,000 से ज्यादा ग्राहकों ने पूछताछ की और एक ही दिन में 25,000 से अधिक कारों की डिलीवरी हुई। आने वाले दिनों में 30,000 से ज्यादा डिलीवरी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि छोटी कारों की मांग इतनी मजबूत है कि कुछ वैरिएंट का स्टॉक खत्म हो सकता है। मारुति ने 18 सितंबर से ही जीएसटी दरों में कटौती के साथ अतिरिक्त प्राइस कट का ऐलान किया था, जिसके बाद से कंपनी को महज कुछ दिनों में 75,000 बुकिंग मिल चुकी हैं। यानी रोजाना करीब 15,000 बुकिंग दर्ज की जा रही हैं, जो सामान्य से करीब 50 प्रतिशत अधिक है।वहीं हुंडई मोटर इंडिया के होलटाइम डायरेक्टर और सीओओ तरुण गर्ग ने भी इस बेहद सकारात्मक संकेत बताया। उनके अनुसार जीएसटी 2.0 और नवरात्रि की शुरुआत ने बाजार में नया उत्साह लेकर आया है। कंपनी ने पहले ही दिन करीब 11,000 डीलर बिलिंग दर्ज की, जो पिछले पांच वर्षों में किसी एक दिन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे यह साफ होता है कि त्यौहारी सीजन में ग्राहकों का भरोसा और खरीदारी का उत्साह बेहद मजबूत है। टाटा मोटर्स ने भी धमाकेदार शुरुआत की है। जीएसटी 2.0 लागू होने के पहले दिन कंपनी ने 10,000 गाड़ियों की डिलीवरी की और 25,000 से ज्यादा पूछताछ दर्ज की गई। यह आंकड़े बताते हैं कि नई टैक्स व्यवस्था ने ग्राहकों को खरीदारी के लिए और भी प्रेरित किया है।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ हुआ लॉन्च

नई दिल्ली आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ 22 सितंबर से खुल गया है और यह 25 सितंबर तक आवेदन के लिए उपलब्ध रहेगा। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 393 से 414 प्रति शेयर तय किया है। कुल 1.8 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जिनसे कंपनी 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ में न्यूनतम निवेश 36 शेयरों के लॉट में करना होगा, जिसकी कीमत लगभग 14,904 रुपए है। निवेशक 13 लॉट तक (468 शेयर) आवेदन कर सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया फ्रेश इश्यू पर आधारित है। एंकर निवेशकों ने पहले ही 220 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं, जिनमें एचडीएफसी, कोटक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस प्रमुख हैं। आनंद राठी शेयर के शेयर 30 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों की राय इस आईपीओ को लेकर सकारात्मक है।

आरबीआई सितंबर में घटा सकता है 25 आधार अंक ब्याज दर: एसबीआई

नई दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति में नियंत्रण और नरमी के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सितंबर 2025 में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। 29-30 सितंबर को होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में यह फैसला लिया जाएगा, जिसकी घोषणा 1 अक्टूबर को होगी। रिपोर्ट में टाइप 2 गलती (दर कटौती न करना) से बचने की सलाह दी गई है। वित्त वर्ष 2027 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति लगभग 4 प्रतिशत या उससे कम रहने का अनुमान है। जीएसटी में कोई कटौती किए बिना मुद्रास्फीति सितंबर और अक्टूबर में पहले ही दो प्रतिशत से नीचे चल रही है।

यूरो प्रतीक सेल्स का शेयर करीब 11 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली यूरो प्रतीक सेल्स लिमिटेड का शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 247 रुपये से लगभग 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर यह शेयर 273.45 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 10.70 फीसदी अधिक था, और बाद में 279.55 रुपये तक पहुंच गया, जो 13.17 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी इसने 272.10 रुपये पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 10.16 फीसदी अधिक है। यह कंपनी डेकोरेटिव वॉल पैनल उद्योग में अग्रणी है। इसका 451.32 करोड़ रुपये का आईपीओ पिछले गुरुवार को 1.34 गुना अभिदान के साथ सफल रहा। आईपीओ का मूल्य दायरा 235 से 247 रुपये प्रति शेयर था।

छोटे व्यवसायों के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन, क्या है जरूरी?

–जीएसटी नंबर होने से व्यवसाय की बढ़ती है विश्वसनीयता

नई दिल्ली

भारत में छोटे व्यवसायी अक्सर जीएसटी रजिस्ट्रेशन को लेकर उलझन में रहते हैं। वर्तमान कानून के अनुसार जिन व्यवसायों का सालाना टर्नओवर 40 लाख से अधिक है, उन्हें जीएसटी के लिए अनिवार्य रूप से रजिस्टर होना पड़ता है। सेवा क्षेत्र के लिए यह सीमा 20 लाख रुपए और विशेष श्रेणी राज्यों में 10 लाख रुपए है। इन सीमाओं के नीचे आने वाले व्यवसायी को जीएसटी रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी नहीं, लेकिन वे इसे स्वैच्छिक रूप से कर सकते हैं। छोटे व्यवसायी जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने में ही फायदा मानते हैं। इससे उन्हें इनपुट टैक्स क्रेडिट मिलता है, जो खर्चों पर टैक्स कम करता है। इसके अलावा जीएसटी नंबर होने से व्यवसाय की विश्वसनीयता बढ़ती है और बड़े कॉर्पोरेट या ई-कॉमर्स क्लाइंट से व्यापार करना आसान होता है।

यदि व्यवसाय ऑनलाइन या कई राज्यों में कारोबार कर रहा है तो जीएसटी रजिस्ट्रेशन लगभग जरूरी हो जाता है। जीएसटी के तहत व्यापार करते समय खर्च, बिक्री, खरीद और चालानों का सही रिकॉर्ड रखना आवश्यक है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने से जीएसटी रिटर्न भरना आसान हो जाता है। रिकॉर्ड अधूरा या गलत होने से व्यवसायी को जांच या ऑडिट में दिक्कतें आ सकती हैं। इसलिए साफ-सुथरा हिसाब रखना जरूरी है। छोटे व्यवसायी को अपने टर्नओवर और व्यवसाय की प्रकृति को देखकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता समझनी चाहिए। चाहे रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो या स्वैच्छिक, सही तरीके से अनुपालन करने से व्यवसाय को कई फायदे मिल सकते हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार में उत्साह की कमी नजर आयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.87 अंक टूटकर 82,102.10 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.85 अंक नीचे आकर 25,169.50 पर बंद हुआ। आज केवल बैंकिंग शेयरों में ही तेजी रही। निफ्टी बैंक 225 अंक करीब 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ ही 55,509.75 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.09 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.71 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 1.29 फीसदी , निफ्टी रियल्टी 0.89 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.46 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

वहीं सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स थे। ट्रेंट, टेक महिंद्रा, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। वहीं घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करते हुए दिखा। जीएसटी कमी के बाद त्योहारी मांग में मजबूती से ऑटो, मेटल और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में तेजी देखी गई, जबकि एफएमसीजी और रियल्टी शेयरों पर मुनाफावसूली के कारण गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के बीच रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुले। शुरुआती कारोबार में हालांकि ऑटो और आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार को सहारा मिला। बीएसई सेंसेक्स 82,147.37 के स्तर पर स्थिर खुलकर 143.70 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 2,303.67 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 ने 25,209 पर शुरुआत की और 11.05 अंक बढ़कर 25,216 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों की मजबूती से प्रेरित थी। आखिरी जानकारी के अनुसार, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.99 फीसदी ऊपर रहा। जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.2 फीसदी की बढ़त में था। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.32 फीसदी की गिरावट में देखा गया। अमेरिकी शेयर बाजारों ने मजबूती के साथ कारोबार समाप्त किया। यह मजबूती एनविडिया की घोषणा के चलते आई जिसमें उसने कहा कि वह ओपनएआई में 100 बिलियन डॉलर तक का निवेश करेगी। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर रहा, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.44 फीसदी नीचे बंद हुआ, जबकि डॉव जोन्स 0.14फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 25 लाख म हिलाओं को मुफ्त मिलेगा एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) के तहत 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी है। इससे योजना के तहत कुल कनेक्शन संख्या 10.58 करोड़ हो जाएगी। सरकार ने इस योजना के लिए 676 करोड़ रुपये खर्च करने को मंजूरी दी है। इसमें 25 लाख डिपॉजिट मुक्त कनेक्शन के लिए 512.5 करोड़ रुपये और 9 रीफिल तक प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी के लिए 160 करोड़ रुपये शामिल हैं। पीएमयूवाय के तहत लाभार्थियों को डिपॉजिट मुक्त रसोई गैस कनेक्शन, पहला रीफिल, स्टोव, सुरक्षा जमा, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज और गैस कंज्यूमर कार्ड पुस्तिका मुफ्त दी जाती है। पहले रीफिल या स्टोव के लिए कोई भुगतान नहीं करना होता।

एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी से भारतीय आईटी कंपनियों पर दबाव

- अनुबंधों पर दोबारा बातचीत तय

नई दिल्ली

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों को अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी के कारण नया संकट झेलना पड़ सकता है। अमेरिका ने इस शुल्क को 1,00,000 डॉलर तक बढ़ा दिया है, जिससे भारत की प्रमुख आईटी सेवा कंपनियों जैसे टीसीएस, इंफो सिस,` विप्रो और एचसीएल की लागत में जोरदार वृद्धि होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब वीजा वाले कर्मचारियों को भारत में ही रखने को मजबूर हो सकती हैं। साथ ही कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों में आकस्मिक खर्च बढ़ाने पड़ेंगे और अमेरिका में स्थानीय भर्तियों को प्राथमिकता देनी होगी। इन बदलावों से कंपनियों की संचालन लागत और अधिक बढ़ेगी। मार्च 2025 तक करीब 20 अरब डॉलर के आईटी अनुबंधों का नवीनीकरण होना है, जिनमें कई बड़े सौदे अभी लंबित हैं। इनमें टीसीएस के स्टार अलायंस और नीलसन, इंफो सिस के डेमलर और जीई अप्लायंसेज और` विप्रो के ई.आन तथा पेट्रोब्रास के साथ सौदे शामिल हैं। नेल्सनहॉल के एक विश्लेषक के अनुसार अगले साल मार्च से कंपनियां एच-1बी वीजा आवेदन पूरी तरह बंद कर सकती हैं। इससे ऑनसाइट स्टाफिंग सीमित हो जाएगी और कई भूमिकाएं या तो स्थानीय लोगों को दी जाएंगी या सलाहकारों के माध्यम से पूरी होंगी। इस परिदृश्य में, एआई और जनरेटिव एआई जैसी

तकनीकों के उपयोग से सेवाओं में दक्षता तो बढ़ेगी, लेकिन राजस्व पर दबाव भी बढ़ेगा। लागत कम करने के दबाव और तकनीकी बदलावों के कारण आईटी कंपनियों को सौदों पर फिर से बातचीत करनी पड़ सकती है।

वॉरेन बफे को बीवायडी में निवेश से 4,500 फीसदी का मुनाफा

17 साल के बाद निकाला पूरा पैसा, 2008 में किया था निवेश

नई दिल्ली दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बीवायडी में 23 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी ली थी। तब बीवायडी मुख्य रूप से मोबाइल फोन बनाती थी। बीते 17 वर्षों में बीवायडी का स्टॉक लगभग 4,500- फीसदी बढ़ गया। बफे ने कंपनी में लंबे समय तक विश्वास बनाए रखा और शुरुआती 14 वर्षों तक कोई शेयर नहीं बेचे। 2022 में पहली बार उन्होंने स्टॉक्स बेचना शुरू किया और 2024 तक अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचकर करीब 41.5 करोड़ डॉलर (3,652 करोड़ रुपये) का मुनाफा कमाया। बीवायडी ने मोबाइल फोन से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों के क्षेत्र में सफलता पाई और चीन की सबसे बड़ी ई-कार निर्माता कंपनी बन गई। कंपनी के स्टॉक ने हाल ही में अपना ऑल टाइम हाई भी छुआ था, लेकिन इसके बाद करीब 30 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट से पहले ही बर्कशायर ने अपना सारा निवेश निकाल लिया।

कोयले पर कर व्यवस्था में बदलाव से बिजली उत्पादन की लागत घटेगी

– बिजली उत्पादन की लागत प्रति यूनिट 17 से 18 पैसे तक कम होने का अनुमान

नई दिल्ली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने हाल ही में कोयले पर 400 रुपये प्रति टन का क्षतिपूर्ति उपकर हटा दिया है। कोयला मंत्रालय के अनुसार इस कदम से बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का औसत मूल्य लगभग 260 रुपये प्रति टन रह सकेगा। कोयले के विभिन्न ग्रेडों पर कीमतें 13.40 से 329.61 रुपये प्रति टन तक घटेंगी। इसके साथ ही, पहले कोयले पर अलग-अलग ग्रेड के अनुसार असमान उपकर लागू था, जिससे कम गुणवत्ता वाले कोयले पर अधिक कर लग रहा था। अब सभी कोयला ग्रेडों पर समान 39.81 प्रतिशत कर व्यवस्था लागू कर दी गई है। हालांकि जीएसटी की दर कोयले पर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। इन सुधारों के कारण बिजली उत्पादन की लागत प्रति यूनिट 17 से 18 पैसे तक कम होने का अनुमान है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीजा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीजा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी जरूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीजा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीजा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीजा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीजा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-ह्लस्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।ह्व अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

संपादकीय

कटौती का मलहम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नाम दिए गए संबोधन में जीएसटी यानी वस्तु व सेवा कर की नई दरों का ऐलान किया और इसे त्योहारी मौसम का बचत उत्सव बताया। गरीब, मध्यवर्गीय, नियो मिड़िल क्लास, युवा, किसानों, महिलाओं, दुकानदारों व उद्यमी सबको इस बचत उत्सव से फायदा होने की भी बात की। तकरीबन उन्नीस मिनट के इस संबोधन में मोदी ने माना कि देश में दर्जनों टैक्स थे। उन्हें टैक्स जंजाल बताते हुए कहा कि नई जीएसटी दरों से व्यापार आसान होगा, रोजमर्रा की चीजें सस्ती होंगी और आयकर में छूट मिलेगी, जिससे ढ़ाई लाख करोड़. रुपये की बचत के अवसर मिलेंगे। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सूक्ष्म, लघु व मध्यम और देश में बनी चीजों को प्राथमिकता देने पर भी मोदी ने बल दिया। असल सवाल है कि इन बदलावों के पीछे देश की आर्थिक जरूरत है या यह सिर्फ राजनीतिक मुनाफे के मद्देनजर किए गए हैं। खाने-पीने की चीजों में मामूली कमी से बेतहाशा बढ़ी मंहगाई तो कम नहीं होने वाली। बीमा प्रीमियम व गाड़ियों की कीमत पर पड़ने वाले असर का लाभ लेने वालों की संख्या सीमित होती है। हालांकि बीमा कंपनियों को इससे ज्यादा फायदा नहीं हो रहा। अर्थ-विशेषज्ञों के अनुसार, जीएसटी में बहुत अनियमितताएं थीं, जिन्हें सरकार को बहुत पहले सुधारना था। मगर बिहार चुनाव के मद्देनजर मोदी सरकार द्वारा उठाया गया यह राजनीतिक दांव हो सकता है। मोदी पर विश्वास जताने वाले बड़े.मध्यवर्ग से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबका बढ़ती महंगाई से बुरी तरह त्रस्त है। त्योहारी मौसम में जनता की क्रय क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। स्वदेशी उत्पादों को महत्त्व देने की बात मोदी पहले भी करते रहे हैं। अमेरिकी सरकार द्वारा धमकीस्वरूप सर्वाधिक टैरिफ लादने के बाद से देश में निर्मित चीजों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की जरूरत स्वंय सरकार महसूस रही है। इसके लिए विभिन्न अवरोधों व लालफीताशाही को रोकना होगा। सरकार को 2024 तक राजस्व का 70प्र. हिस्सा जीएसटी के 18प्र. वाले स्लैब से प्रप्त हुआ था। उम्मीद से कहीं अधिक यानी बीते वित्त वर्ष में बीस लाख करोड़. रुपये की वसूली कर सरकार के वारे-न्यारे हो गए। मुफ्त की योजनाओं के बूते सीमित संख्या में जनता को प्रलोभन देने की बजाए हर नागरिक तक कटौती का लाभ देने की इस पहल के नतीजे बेहतर होने की उम्मीदों पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मे छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईर्ष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, ह्दय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

नीतीश कुमारः बिहार की राजनीति के अनिश्चितता के बादशाह

दिलीप कुमार पाठक

बिहार की राजनीति की ग्रह - दिशा कुछ भी हो, कोई भी राजनीतिक हलचल हो नीतीश कुमार को कोई भी हल्के में नहीं ले सकता। बीते कुछ सालों से नीतीश कुमार की गतिविधियों को देखकर उनके चाहने वाले उनके लिए चिंतित रहते हैं, कुछ तो उनकी मानसिक स्थिति को लेकर भी परेशान दिखते हैं, हालांकि यहां विषय नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर नहीं है, यहां चर्चा नीतीश कुमार की राजनीतिक शख्सियत की है, जेडीयू एवं उनकी राजनीतिक ताकत की है। नीतीश कुमार कई बार पलटी मारने के बावजूद भी राजनीतिक अछूत नहीं हैं, उनका अपना कद है। भले ही तेजस्वी एवं आरजेडी नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहते हों परंतु नीतीश कुमार से इनका मोह जगजाहिर है, नीतिश कुमार को उन्होंने कभी नहीं छोड़ा, नीतीश कुमार ने ही हमेशा नैतिकता के आधार पर छोड़ा है। यही बात भाजपा के साथ भी रही है, भाजपा ने नीतीश कुमार को कभी नहीं छोड़ा, हमेशा नीतीश कुमार ने ही दूरी बनाई है जब भी बनाई है। जब प्रशांत किशोर कहते हैं कि तेजस्वी यादव एवं नीतीश कुमार में कोई तुलना नहीं हो सकती, तमाम असहमति के बाद भी दोनों में मुझे एक को चुनना पड़े तो मैं हमेशा नीतीश कुमार को चुनूंगा, ये प्रशांत किशोर का कोई राजनीतिक हित नहीं अपितु नीतीश कुमार की शख्सियत को एवं उनके प्रभाव को दशार्ता है।

बिहार चुनावो में पिछले कई बार से देखा गया है कि जेडीयू की सीटें भले ही कम जीत पाती हो परंतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनते हैं, इससे पीछे आरजेडी एवं भाजपा की महानता नहीं है कि वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना देते हैं, बल्कि उनकी मजबूरी छुपी हुई है, चूंकि नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू की है। उनके ऊपर कोई परिवारवाद का आरोप नहीं लगा सकता। कांग्रेस, भाजपा, आरजेडी की तुलना में व्यक्तिगत रूप से नीतीश कुमार बेदाग माने जाते हैं, वहीँ बिहार के सारे दलों के नेताओं में नीतीश कुमार के लिए सम्मान सद्भावना भी है, यही कारण है कि उनकी उम्र के दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी हमेशा नीतीश कुमार के डिप्टी बनकर रहे और हमेशा उन्होंने नीतीश कुमार को इज्जत अफजाई की। यही बात आरजेडी के लिए भी है, नीतीश कुमार 90 के दशक से हमेशा लालू प्रसाद यादव के धुर विरोधी रहे हैं परंतु जब - जब नीतीश कुमार को जरूरत पड़ी है तब - तब लालू यादव आरजेडी सहित नीतीश कुमार के लिए खड़े हुए हैं।

वहीँ भाजपा के लिए नीतीश कुमार बिहार में एक खेवनहार की भूमिका में रहते हैं, भाजपा को पता है कि अगर नीतीश कुमार से अलग होकर भाजपा चुनाव में उतरी तो उसकी पराजय के साथ दुर्गति हो जाएगी, यही कारण है कि भाजपा नीतीश कुमार के कई बार पलटी मारने के बाद भी भाजपा कभी नीतीश के लिए विद्वेष नहीं दशार्ती, आलोचना बात अलग है कुछ अपवाद छोड़ दिया जाए तो यह भी सच है। आज केंद्र की सरकार में नीतीश कुमार का समर्थन है, भाजपा नीतीश कुमार की ताकत से वाकिफ है, यही कारण है कि महाराष्ट्र की तरह कोई राजनीतिक हलचल नहीं हो रही अन्यथा नीतीश कुमार केंद्र में सरकार को अस्थिर कार सकते हैं लेकिन नीतीश कुमार की बेदाग छवि सारे दलों को लुभाती है, और वो उनके लिए फायदेमन्द होती है, यही कारण है कि आरजेडी, भाजपा, कांग्रेस हमेशा नीतीश कुमार को सीएम बनाते हैं चूंकि नीतीश कुमार को दरकिनार करके सीएम बनाना भाजपा एवं आरजेडी के बस की बात नहीं है। प्रशांत किशोर के मैदान में उतरने के बाद ज़्यादा नुकसान एनडीए को होगा या महागठबंधन का ये तो कहना मुश्किल है परंतु नीतीश कुमार का फायदा होना तय है। परिस्थिति कोई भी हो, कोई भी राजनीतिक दल नीतीश कुमार को हल्के में नहीं ले सकता, अन्यथा नुकसान उनका ही होगा।

आरजेडी कांग्रेस के साथ सामंज्य स्थापित करते हुए बड़ी कठिन परिस्थितियों से गुजर रही है, वहीँ उनकी परिवारिक कलह उन्हें सत्ता से बहुत दूर ले जा सकती है। आरजेडी के पास नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहने के अलावा कोई आरोप नहीं है, नीतीश कुमार सीएम बनने के लिए ही सीएम पद से इस्तीफा दे देते हैं, ये बात नेताओ के लिए बोलना आसान होती होगी, यही कारण है कि जनता में संदेश जाता है कि नीतीश कुमार को काम करने नहीं दिया जा रहा इसलिए वे पलटी मार जाते हैं, उनकी पलटी मारने की कला जनता एवं राजनीतिक दलों में घृणा कारण नहीं है। भाजपा फिर से एनडीए सरकार के नारे जरूर लगा रही है, परंतु नीतीश कुमार के बिना उनका सीएम बनना दिन में सपने देखने से कम नहीं होगा। बिहार में फि लहाल नीतीश कुमार के बिना भाजपा का सरकार बना पाना मुश्किल है, साथ ही आरजेडी कितना भी माहौल बनाए उन्हें पता है कि नीतीश कुमार को हल्के में लेने की भूल उन्हें सस्ता से बहुत दूर ले जाएगी... यही कारण है कि बिहार में किंग एवं किंग मेकर की भूमिका में लेवल और केवल नीतीश कुमार होंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

लुत्फक उठाइए भविष्य के स्वाद का

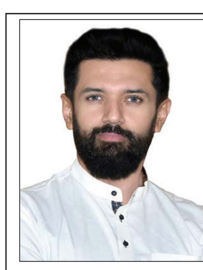

चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री के रूप में सितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा । उन चार दिनों के दौरान, मैंने खेत से लेकर भोजन की थाली तक के पूरे इकोसिस्टलम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओ और एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को - एक साथ आते देखा। इसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्वो की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआई की भूमिका की पुष्टि की

उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की । खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूकड और डब्यूं स ईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्याकदा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है । हमने अगले संस्करण को और भी ज्याखदा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया।

इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है। अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है। इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई 2025 की मेजबानी के लिए तैयार हैं। इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है। इस संस्करण में न्यूजीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फोकस देश होंगे। सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुकत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्था नीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बी मंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेजबानी करेगा।

डब्ल्यूएफआई पूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है। जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयों जैसे - पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें।

डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभोंः स्थिरता और नेट-जीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले पशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है। प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके।

पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दशार्ती है। निःशुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है। उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं।

डब्ल्यूएफआई का मुख्यह आकर्षण सीईओ गोलमेज चर्चा है, जहाँ उद्योग जगत के दिग्गलज, निवेशक और नीति निमार्ता सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संवाद में भाग लेते हैं। उल्लेखनीय है कि 2024 में यहाँ उठाए गए जीएसटी संबंधी मुद्दों ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जन्म दिया, जो हमारी सरकार के परामर्शी और उत्तरदायी दृष्टिकोण को दशार्ता है।

सही मायनों में समग्र होने के लिए, डब्ल्यूएफआई होरेका और एल्कोबेव क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों को शामिल करता है और सभी उप-क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है। हम जैविक और टिकाऊ उत्पादों से समृद्ध अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र को भी प्रमुखता दे रहे हैं। इसका मंडप पूर्वोत्तर को वैश्विक स्तर पर भारतीय जैविक ब्रांडों के लिए लॉन्चपैड बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए असम की चाय से लेकर मेघालय की हल्दी तक सब कुछ प्रदर्शित करेगा।

डब्ल्यूएफआई की विश्वसनीयता इसके काम के प्रदर्शन पर आधारित है। 2017 से, इसने 38,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया है। 2024 के संस्करण में 1,500 से ज्यादा प्रदर्शक और 20 कंट्री पेवेलियन शामिल हुए, जिससे 93 मिलियन डॉलर के व्यापारिक ऑर्डर मिले। 50 से ज्यादा नई प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया गया, 25,000 लघु उद्यमों को सब्सिडी दी गई और 245 करोड़ रुपये के शुरूआती निवेश से एसएचजी की 70,000 महिलाओं को मदद मिली। 1,100 से ज्यादा क्यूआर-कोडेड अचार की किस्मों वाली एक वॉल, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है, छोटे उत्पादकों के लिए सीधी बाजार पहुँच को दशार्ती है। ये उपलब्धियाँ डब्ल्यूएफआई को निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के एक सतत इंजन के रूप में रेखांकित करती हैं।

डब्ल्यूएफआई के लिए सबसे मजबूत समर्थन खुद उद्योग जगत से ही आता है। प्रदर्शनी के लिए बुक किया गया कुल क्षेत्रफल 43% बढ़कर, एक साल में 70 हजार वर्ग मीटर से बढ़कर 1 लाख वर्ग मीटर हो गया है, जो विकास और साझेदारी के लिए बाजार के इस प्लेटफॉर्म पर अपार विश्वास को इंगित करता है। वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 एक सरल तर्क : जब नवाचार निवेश और मानकों से मिलता है, तो समृद्धि अपने आप आती है - को साकार करता है। यही वह स्थालन है, जहाँ एक स्टार्ट-अप अंतर्राष्ट्री य निवेशकों के सामने अपना आ?इडिया प्रस्तुसत कर सकता है, एक एसएचजी ऑर्गेनिक अचार के लिए खरीदार ढूंढ सकता है, और राज्य बहुराष्ट्रीय संयंत्रों को आकर्षित कर सकते हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, भारत की खाद्य विविधता प्रत्येक वैश्विक निवेशक के लिए लाभांश है। खाद्य प्रसंस्करण ही वह कड़ी है, जो इस क्षमता को रोजगार, किसानों की बेहतर आमदनी और अधिक मूल्यवर्धित निर्यात में बदल देती है।

सभी पाठकों, हितधारकों और शुभचिंतकों के लिएः वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में हमारे साथ जुड़िए और इस बात के साक्षी बनिए- कि किस प्रकार 1.4 बिलियन आबादी वाला राष्ट्र तकनीक, नवाचार और समर्पण से ह्ल समृद्धि के लिए प्रसंस्क रणह्व कर रहा है। तो तैयार हो जाइए एक ऐसे आयोजन के लिए - जहाँ साहसिक दृष्टिकोण और शानदार स्वाद मिलकर संभावनाओं की एक नई दुनिया को प्रेरित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में 5 अक्तूबर को संसदीय चुनाव

दमिश्क़, एजेंसी। सीरिया अपनी नई इस्लामिस्ट–नेतृत्व वाली सरकार के तहत पहला संसदीय चुनाव 5 अक्तूबर को आयोजित करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने रविवार को यह जानकारी दी। इस चुनाव में 210 सदस्यीय पीपल्स असेंबली के लिए मतदान देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में होगा, हालांकि चुनाव आयोग ने तीन प्रांतों में सुरक्षा कारणों से मतदान स्थगित करने की जानकारी दी थी। नई संसद का काम सरकार–नियंत्रित आर्थिक नीतियों में बदलाव और विदेशी नीति समझौतों के अनुमोदन के लिए कानून पारित करना होगा। यह सदन देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव रखेगा, जो पिछले दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल–असद के सत्ता हटाए जाने के बाद शुरू हुई। आलोचक मानते हैं कि वर्तमान प्रणाली में अल्पसंख्यक समूहों की पर्याप्त भागीदारी नहीं है। चुनाव को सीरिया में राजनीतिक स्थिरता और प्रशासनिक सुधार की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ट्रंप ने बेन कार्सन को अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान देने का किया एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बेन कार्सन को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम देने का एलान किया। यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। ट्रंप ने माउंट वर्नन में अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। कार्सन (74) एक पूर्व न्यूरोसर्जन हैं। उन्होंने 2016 के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ा था। ट्रंप ने इस महीने तीसरी बार किसी को यह पुरस्कार देने का एलान किया है। इससे पहले, उन्होंने रूडी गिउलिआनी और चार्ली किर्क को मरणोपरांत यह सम्मान देने की घोषणा की थी।

चीन : कोविड व्हिसलब्लोअर झांग को चार साल और जेल

बीजिंग, एजेंसी। चीन में कोविड की व्हिसलब्लोअर को चार साल और कारावास की सजा सुनाई गई। पत्रकार को कोविड–19 विस्फोट के पहले दौर की रिपोर्टिंग के लिए चार वर्ष जेल की सजा पहले ही सुनाई जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता समूह आरएसएफ ने शनिवार को बताया कि झांग झान (42) को चीन में झगड़ा करने और उपद्रव भड़काने के आरोप में शुक्रवार को सजा सुनाई गई है। इन्हीं आरोपों में उन्हें दिसंबर 2020 में जेल की सजा हुई थी। तब उन्होंने कोरोना वायरस के शुरुआती प्रसार पर वुहान शहर से रिपोर्ट पोस्ट की थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। आरएसएफ एशिया–प्रशांत एडवोकेसी मैनेजर अलेक्जेंड्रा बिलाकोव्स्का ने एक बयान में कहा, उन्हें वैश्विक स्तर पर एक सूचना नायक के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए न कि जेल भेजा जाना चाहिए। झांग को शुरुआत में भीड़भाड़ वाले अस्पतालों व खाली सड़कों के वीडियो पोस्ट करने के कुछ महीनों बाद गिरफ्तार किया गया था।

डोमिनिकन गणराज्य ने अमेरिकी नौसेना द्वारा नष्ट की गई स्पीड बोट से जब्त की कोकीन

सैंटो डोमिंगो, एजेंसी। डोमिनिकन गणराज्य के अधिकारियों ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उन्होंने उस स्पीड बोट से कोकीन जब्त की है, जिसे हाल ही में अमेरिकी नौसेना ने नष्ट कर दिया था। यह अभियान ट्रंप प्रशासन के दक्षिणी कैरेबियन में चल रहे विवादित नारकोटिक्स मिशन का हिस्सा है। डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण निदेशालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने स्पीड बोट से कोकीन के 377 पैकेट बरामद किए हैं, जिसमें कथित तौर पर 1,000 किलो मादक पदार्थ भरा हुआ था।

तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने दोबारा चुना अपना नेता

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने नेता को दोबारा चुना। पार्टी का कहना है कि यह कदम सरकार की कोशिशों का सामना करने के लिए उठाया गया है, जो पार्टी के नेतृत्व को बदलना चाहती है। रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के अध्यक्ष ओजगुर ओजेल ने कांग्रेस की शुरुआत में ही सभी सदस्यों से कहा कि वे उनके खिलाफ अविश्वास मत दें, ताकि नया चुनाव हो सके। अंत में उन्होंने सभी 835 वोटों के साथ जीत हासिल की। पार्टी का कहना है कि यह कदम इसलिए जरूरी था, क्योंकि अदालतें उन्हें हटा कर सरकार के समर्थन वाला व्यक्ति नियुक्त कर सकती थीं। सरकार पर पार्टी ने राजनीतिक दबाव डालने का आरोप लगाया है।

ट्रंप और मस्क में फिर हो गई दोस्ती? किर्क की श्रद्धांजलि सभा में साथ आए नजर, बातचीत भी हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क के श्रद्धांजलि सभा में एक साथ देखा गया। दोनों एक-दूसरे से बातचीत करते भी नजर आए। व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी इस मुलाकात को हाइलाइट भी किया गया है। एलन मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बस इतना लिखा, चार्ली के लिए। ट्रंप और मस्क के बीच लंबे समय के बाद यह पहली सार्वजनिक मुलाकात रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप से विवाद होने के चलते एलन मस्क ने स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लॉयी के पद से इस्तीफा दिया था। मस्क ने मई के आखिर में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के हेड के तौर पर काम छोड़ा था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की एक पॉलिसी को वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदार बताया था। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप की तीखी आलोचना भी की थी। इसके जवाब में ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के साथ फेडरल कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करने की धमकी दी थी। अब ट्रंप और मस्क मेमोरियल सर्विस में एक साथ दिखे हैं। यह उनके तनावपूर्ण रिश्ते में कुछ नरमी का संकेत देता है। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मेमोरियल सर्विस में भावुक भाषण दिया। उन्होंने चार्ली किर्क के समर्थकों से कहा कि वे उनके विश्वास, सत्य और देश के लिए लड़ाई को जारी रखें। वेंस ने कहा, सोशल मीडिया पर कई लोग फॉर चार्ली की बात कर रहे हैं। हमें चार्ली के लिए ये करना होगा। चार्ली के लिए हम हर दिन सच बोलेंगे। चार्ली के लिए हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। चार्ली के लिए हम कभी पीछे नहीं हटेंगे, कभी डरेंगे नहीं और बंदूक की नोक पर भी डटकर मुकाबला करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने चार्ली किर्क को दिया शहीद का दर्जा, पत्नी बोलीं- मैं हत्यारे को माफ करती हूं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मारे गए दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को अमेरिका की आजादी का शहीद घोषित कर दिया है। वहीं किर्क की पत्नी ने पति के हत्यारे को माफ कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को किर्क की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि किर्क लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा, वह अमेरिका की आजादी के लिए जान देने वाले शहीद हैं। बता दें कि चार्ली किर्क डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, उन्होंने बहुत मेहनत की। उन्होंने ही मुझे भी पूरे देश में जाने की सलाह दी थी। बता दें कि यूटा यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्हें गर्दन पर गोली मार दी गई थी। उनकी हत्या के आरोप में 22 साल के टाइलर रॉबिन्स को गिरफ्तार किया गया है। सरकारी वकील का कहना है कि वह टाइलर के लिए मौत की सजा की मांग करेंगे। वहीं हत्या के पीछे का मकसद अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। राजनीतिक गलियारों में यही कहा जा रहा है कि किर्क वामपंथियों के लिए रोड़ा बन गए थे। इसलिए राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें मरवाया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने लिबरल्स पर भड़कते हुए कहा कि इस हत्या की जांच पूरी की जाएगी और हिंसा के पीछे जिनका भी हाथ है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, किर्क अपने विरोधियों से भी घृणा नहीं करते थे। चार्ली किर्क की पत्नी एरिका किर्क भी इस कार्यक्रम में संबोधन के दौरान भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, मैं उसे माफ करती हूं, क्योंकि ईसा मसीह ने जो कुछ किया, वही चार्ली ने भी किया है।

बता दें कि रॉबिन्सन पर किर्क की जानबूझकर हत्या करने का आरोप है। वहीं रॉबिन्सन के परिवार ने हत्या को लेकर कोई भी बयान देने से दूरी बना ली है। दोषी पाए जाने पर उसे मृत्युदंड, आजीवन कारावास, बिना पैरोल के आजीवन कारावास या कम से कम 25 साल की सजा हो सकती है। सजा और भी बढ़ाई जा सकती है क्योंकि उसने कथित तौर पर किर्क को उनके राजनीतिक विचारों के कारण निशाना बनाया और घटना बच्चों की मौजूदगी में हुई। किर्क की 10 सितंबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के सह-संस्थापक थे। उन्होंने इस संगठन की स्थापना ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज में लिबरल्स का विरोध करने के लिए की थी। अमेरिका में उनका नेटवर्क इतना मजबूत हो गया था कि वामपंथी खौफ खाते थे। बीते साल उनके संगठन का रेवेन्यू 85 मिलियन डॉलर के करीब था। 2024 में उनका चैप्टर 3300 कॉलेजों तक फैल गया था।

अमेरिकी महिला ने एआई की मदद से जीती 1.25 करोड़ रुपये की लॉटरी

वर्जीनिया, एजेंसी। रिश्तों में सलाह देना हो या किसी की मन की बात सुनना, आज चैटजीपीटी कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है। लेकिन अब यह लॉटरी जीतने में भी मददगार साबित हो रहा है। वर्जीनिया के मिडलोथियन शहर की रहने वाली कैरी एडवर्ड्स इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्होंने आठ सितंबर को वर्जीनिया लॉटरी में चार सही नंबर और पावरबॉल मिलाकर लॉटरी जीत ली। पहले उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने पावर प्ले नाम का एक विकल्प चुना, जिसमें केवल एक डॉलर और जोड़ने पर इनाम तीन गुना हो गया। इस तरह उन्हें कुल 1,50,000 डॉलर (करीब 1.25 करोड़ रुपये) मिले।

चैटजीपीटी ऐप से पूछे नंबर अब सवाल यह है कि ये इनाम जीतने वाले नंबर उन्हें किसने बताए? ये नंबर चैटजीपीटी ने दिए। कैरी आमतौर पर लॉटरी नहीं खेलतीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने फोन के चैटजीपीटी ऐप से नंबर पूछे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया, मैंने चैटजीपीटी से कहा- मुझसे बात करो...क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नंबर हैं? फोन पर आए नोटिफिकेश ने कैरी को चौंका दिया दो दिन बाद जब वह एक बैठक में थीं, तो उनके फोन पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसने उन्हें चौंका दिया। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई धोखाधड़ी है, लेकिन जब उन्होंने खबर की पुष्टि की तो उन्हें इस जिंदगी बदल देने वाली जीत पर भरोसा हुआ। उन्होंने कहा, जैसे ही यह इनाम मेरे पास आया तो मुझे तुरंत समझ आ गया कि मुझे इस पैसे का क्या करना है। मुझे लगा कि मुझे यह सब दान कर देना चाहिए, क्योंकि मुझे पहले ही बहुत कुछ मिला है। मैं चाहती हूं कि यह एक उदाहरण बने कि जब किसी को कुछ अच्छा मिले तो वह दूसरों की मदद करे। पैसे को नेक कामों में बांटने का किया फैसला कैरी एडवर्ड्स ने पूरे 1,50,000 डॉलर अच्छे कामों में बांटने का फैसला किया। पहला हिस्सा उन्होंने एक चैरिटी को दिया, जिसका नाम एसोसिएशन फॉर फ्रंटोटेम्पोरल डिजेनरेशन है। यह संस्था ऐसी बीमारी पर शोध करती है।

35 हजार मदरसों में बच्चों को खतरा, धार्मिक शिक्षा के नाम पर हो रहा यौन शोषण; संसदीय समिति ने चेताया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के मदरसों व स्कूलों में बच्चों के यौन शोषण संबंधी रिपोर्ट के सामने आने के बाद एक संसदीय समिति ने इस पर चिंता जताई। समिति ने मदरसों व स्कूलों में बच्चों को दुर्व्यवहार से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर किसी भी बच्चे को कष्ट न सहना पड़े। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन में शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया कि सीनेटर समीना मुमताज जेहरी की अध्यक्षता में मानवाधिकारों पर सीनेट की कार्यात्मक समिति ने बृहस्पतिवार को पंजाब, सिंध व खैबर पख्तूनख्वा के मदरसों में दंड, यातना व यौन शोषण की परेशान करने वाली रिपोर्टों की समीक्षा के लिए एक बैठक की। संघीय व प्रांतीय विभागों के अधिकारियों ने समिति को इस मुद्दे के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम का उद्देश्य वैध धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाना नहीं बल्कि निगरानी व जवाबदेही के माध्यम से दुर्व्यवहार को खत्म करना है। सीनेटर जेहरी ने वित्तीय पारदर्शिता-निगरानी के अभाव पर जताई चिंता सीनेटर जेहरी ने इन संस्थानों के उचित पंजीकरण, वित्तीय पारदर्शिता व निगरानी के अभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मदरसों के नियमित निरीक्षण, अनिवार्य अभिभावक-शिक्षक सहभागिता, बाल संरक्षण पर शिक्षक प्रशिक्षण और शारीरिक दंड पर प्रतिबंध सहित कड़े कदम उठाने का आह्वान किया। सीनेटर ने दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की बेहद कम दर पर भी प्रकाश डाला और चेतावनी दी कि अभियोजन और रोकथाम के बिना, दुर्व्यवहार का चक्र बेरोकटोक जारी रहेगा। सीनेटर मुमताज बोलीं-कमाई करने में लगे कई मदरसे सीनेटर समीना मुमताज जेहरी ने कहा कि कई मदरसे राष्ट्रीय शिक्षा ढांचे में एकीकृत होने के बजाय कमाई करने वाली प्रणालियों में बदल गए हैं। बैठक में अन्य सदस्यों ने बच्चों की सुरक्षा के लिए जिला-स्तरीय निगरानी और सुसंगत प्रांतीय कानूनों की सिफारिश की। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में 35 हजार से ज्यादा मदरसे हैं, जहां हजारों बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं।

तालिबान ने यौन उत्पीड़न से जुड़ी किताबें गैरकानूनी घोषित की, कुल 679 किताबों पर रोक; मानवाधिकार से जुड़ी पढ़ाई पर भी प्रतिबंध

काबुल, एजेंसी। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटीज में यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार और महिलाओं से जुड़े विषयों पर पढ़ाई जाने वाली किताबों पर रोक लगा दी। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2025 को लागू हुआ, जिसमें 679 किताबों को ÷शरिया और तालिबान नीतियों के खिलाफ÷ बताकर प्रतिबंधित किया गया। इनमें से 140 किताबें महिलाओं ने लिखीं थीं। तालिबान ने 18 विषयों को पढ़ाने पर भी रोक लगाई, जिनमें यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार, महिलाओं की समाजशास्त्र और जेंडर स्टडी शामिल है। यह खबर हाल ही में सामने आई है।

तालिबान ने वाई-फाई पर भी रोक लगाई : यह कदम तालिबान के पिछले चार सालों में लगाए गए कई प्रतिबंधों की कड़ी में एक और नया फैसला है। हाल ही में उन्होंने 10 प्रांतों में वाई-फाई पर भी पाबंदी लगा दी थी। अधिकारियों का कहना है कि ऐसा अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया। तालिबान के इस फैसले लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ा है। उन्हें पहले ही छठी कक्षा से आगे की पढ़ाई से रोका जा चुका है और अब दाई के पाठ्यक्रम, जो उनकी पढ़ाई का आखिरी सहारा थे, 2024 के आखिर तक बंद कर दिए जाएंगे। पुस्तकों की समीक्षा करने वाली समिति ने साफ कहा है कि अब महिलाओं की लिखी गई कोई भी किताब पढ़ाने की अनुमति नहीं होगी। अफगानिस्तान की पूर्व उप-न्याय मंत्री और लेखिका जकिया अदेली, जिनकी किताब भी इस सूची में शामिल है, ने कहा कि यह फैसला उन्हें चौंकाने वाला नहीं लगा। उनके मुताबिक तालिबान की नीतियां पहले दिन से ही स्त्री विरोधी रही हैं। अगर महिलाओं को पढ़ने की अनुमति नहीं है, तो उनके विचारों और लेखन को भी जगह नहीं दी जाएगी। बीबीसी के मुताबिक तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि फैसले धार्मिक विद्वानों और विशेषज्ञों की सलाह से लिए गए हैं। महिलाओं की किताबों के अलावा इस बार ईरानी लेखकों और प्रकाशकों की किताबों पर भी रोक लगाई गई है।

अफगानिस्तान में ईरान का प्रभाव रोकने में जुटा तालिबान : प्रतिबंधित सूची में शामिल 679 किताबों में से 310 या तो ईरानी लेखकों की हैं या ईरान में प्रकाशित हुई हैं। समिति के एक सदस्य ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि अफगान पाठ्यक्रम में ईरानी प्रभाव न बढ़ सके। दरअसल, हाल के सालों में अफगानिस्तान और ईरान के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। पानी के बंटवारे जैसे मुद्दों पर दोनों में टकराव हुआ है। इसके अलावा, ईरान ने इस साल जनवरी से अब तक 15 लाख से ज्यादा अफगानों को देश छोड़कर वापस जाने पर मजबूर किया है। ऐसे माहौल में ईरानी किताबों पर रोक को भी राजनीतिक फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए यह स्थिति बेहद मुश्किल बन गई है। एक प्रोफेसर ने कहा कि ईरानी लेखक और अनुवादक अब तक अफगान शिक्षा जगत और वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के बीच पुल का काम करते थे। उनकी किताबें हट जाने से विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के स्तर में बड़ी कमी आ जाएगी।

आपात स्थिति में फोन कॉल न जुड़ने के कारण चार की मौत, अब देशभर के संपर्क तंत्र में बदलाव की तैयारी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी की तकनीकी खामी के कारण सैकड़ों लोग आपात स्थिति में संपर्क नहीं कर पाए, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो घई। इस घटना के बाद सरकार अब पूरे देश में संपर्क प्रणाली को दुरुस्त करने की बात कर रही है। ऑप्टस ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। उसने बताया कि गुरुवार को एक तकनीकी खराबी के चलते 624 फोन कॉल आपातकालीन सेवा (000 नंबर) से नहीं जुड़ पाईं। अमेरिका में आपात स्थिति में लोग 911 डायल करते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में 000 पर कॉल किया जाता है। जिन कॉल के दौरान दिक्कत आई, उनमें से चार मामलों में लोगों की जान चली गई।

टेलीकॉम कंपनियों पर पहले भी लग चुका जुर्माना : यह पहली बार नहीं है, जब इस कंपनी पर ऐसी लापरवाही का आरोप लगा हो। पिछले साल नवंबर में भी नेटवर्क बंद होने के दौरान मदद के लिए फोन कर रहे लोग संपर्क नहीं कर पाए, जिस कारण कंपनी पर 1.2 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब आठ मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया था। देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टेल्स्ट्रा को भी पिछले साल दिसंबर में 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब दो मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना देना पड़ा था, क्योंकि उसके केंद्र में तकनीकी खामी आने से लोग समय पर संपर्क नहीं कर पाए थे।

सख्त कार्रवाई करेंगे: ऑस्ट्रेलियाई सूचना मंत्री : ऑस्ट्रेलिया की सूचना मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, ऑप्टस और अन्य सभी कंपनियों की यह जिम्मेदारी है कि लोग जब भी किसी परेशानी में हों, तो उनका संपर्क बिना किसी बाधा के हो। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और सभी कंपनियों को अब सतर्क रहना होगा। इस चूक के लिए ऑप्टस को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ऑप्टस के प्रमुख स्टीफन रुए ने इस घटना पर दुख जताया और माफी मांगी। उन्होंने कहा, मैं उन चार लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं, जो जरूरत के समय मदद नहीं ले पाए। उन्होंने माना कि शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि तय तरीकों का पालन नहीं किया गया। जिन राज्यों में यह दिक्कत हुई, उनमें उत्तरी क्षेत्र, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स शामिल हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी पर्थ में एक 74 साल के बुजुर्ग और एक 49 साल के व्यक्ति की मौत हुई।

मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह- एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा- मैं भी भारत हूं..,

रबात (मोरक्को), एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय मोरक्को दौरे पर हैं। इस दौरान रबात में उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात भी की। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा, हमारा भारत के प्रति समर्पण, स्नेह और प्रेम स्वाभाविक है। हम दुनिया में कहीं भी रहें, यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं। भारतीय होने के नाते हमारी जिम्मेदारियां भी दूसरों से अलग होती हैं। अगर हम मोरक्कों में अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं, तो मोरक्को के साथ कोई बेईमानी नहीं होनी चाहिए, यही भारत का स्वभाव है।

भारत कुछ कहता है तो ध्यान से सुनती है दुनिया : उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आप सभी भार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को महसूस कर पा रहे हैं। पहले जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ कहता था, तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज भारत कुछ कहता है, तो पूरी दुनिया ध्यान देती है और सुनती है। पहले ऐसा नहीं था। तमाम वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

स्टार्टअप्स और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन रहा भारत : राजनाथ सिंह ने कहा, भारत स्टार्टअप्स और नवाचारों का एक वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। 2014 में केवल 500 स्टार्टअप थे और आज यह संख्या बढ़कर 1.60 लाख हो गई है। 2014 में जहां केवल 18 यूनिकॉर्न थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 118 हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री ने क्या कहा : रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, क्या पार्ट-2 या पार्ट-3 होगा, यह कहना मुश्किल है। यह पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करता है। अगर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, तो उसे जवाब मिलेगा। पहलगाम में हमारे 26 लोग मारे गए थे। इससे पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया था। मैंने 23 अप्रैल को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), तीनों सेनाओं के प्रमुखों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में पहला सवाल पूछा था कि अगर सरकार ऐसा फैसला लेती है तो क्या वे इस ऑपरेशन के लिए तैयार हैं। इसके बाद हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया। उन्होंने हमें आगे बढ़ने की पूरी छूट दी। आपने देखा होगा उसके बाद क्या हुआ। सीमा पर नहीं, हमने उनके अंदर सौ किलोमीटर तक आतंक के ठिकाने नष्ट कर दिए। जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष आतंकवादी ने कहा कि भारत के हमले में मसूद अजहर का परिवार बिखर गया।

24 घंटे में 4 देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी:ब्रिटेन-कनाडा शामिल, अब तक 150 देश कर चुके समर्थन

लंदन, एजेंसी। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने फिलिस्तीन को औपचारिक तौर पर एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी। इससे फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों की संख्या अब करीब 150 हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि दो राष्ट्र समाधान ही शांति का रास्ता है। वहीं पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंजेल ने कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता देना ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। इस कदम से इजराइल पर गाजा में मानवीय संकट कम करने का दबाव बढ़ा है। हालांकि, अमेरिका अब भी फिलिस्तीन को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता है। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया है कि वह इस हफ्ते यूएन में फिलिस्तीन को मान्यता देने के पक्ष में वोट करेगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश जारी कर फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया। नेतन्याहू बोले- यह कदम आतंकवाद को इनाम देना वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन को आजाद देश मानना आतंकवाद को इनाम देना है। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फिलिस्तीनी देश नहीं बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों को दोगुना कर दिया है और इसे और बढ़ाएंगे। नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि वह इस मान्यता का जवाब अमेरिका से लौटने के बाद देंगे।

75% देश फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके : फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से करीब 75% देश मान्यता दे चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में इसे 'परमानेंट ऑबजर्वर स्टेट' का दर्जा हासिल है। इसका मतलब है कि फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति तो है लेकिन वोटिंग का अधिकार नहीं है। फ्रांस की मान्यता मिलने के बाद फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 5 में 4 स्थाई देशों का समर्थन मिल जाएगा। चीन और रूस दोनों ने 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। ऐसे में अमेरिका इकलौता देश होगा जिसने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। उसने ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी को मान्यता दी है। फिलिस्तीनी अथॉरिटी 1994 में इसलिए बनाई गई थी ताकि फिलिस्तीनियों के पास अपनी स्थानीय सरकार जैसी व्यवस्था हो और आगे चलकर यह पूरा राज्य बनने की नींव बन सके। ब्रिटेन ने क्यों लिया फैसला? ब्रिटिश पीएम ने कहा कि यह फैसला इजराइल को सजा देने के लिए नहीं लिया गया है, लेकिन अगर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में सैन्य कार्रवाई को कम हिंसक तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए किया होता, तो शायद यह कदम न उठाया जाता। इससे पहले ब्रिटिश डिप्टी पीएम डेविड लैमी ने कहा था कि अगर ब्रिटेन फिलिस्तीन को मान्यता देता है, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि कोई नया देश तुरंत बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मान्यता सिर्फ एक शांति प्रक्रिया का हिस्सा है। लैमी ने बताया कि ऐसा कदम इसलिए उठाया जा रहा है ताकि 'टू स्टेट सॉल्यूशन' की उम्मीद बनी रहे। कनाडा बोला- फिलिस्तीन लोकतांत्रिक देश बनेगा कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि यह कदम मध्य पूर्व में शांति लाने और टू-स्टेट सॉल्यूशन को बचाने के लिए है। इस समाधान में फिलिस्तीन एक आजाद और लोकतांत्रिक देश बनेगा, जो इजराइल के साथ शांति से रहेगा। कनाडा ने कहा कि वह फिलिस्तीन को मान्यता देकर शांति की उम्मीद बनाए रखना चाहता है। यह कदम हमास का समर्थन नहीं करता, बल्कि मांग करता है कि हमास बंधकों को छोड़े, हथियार डाले, और फिलिस्तीन की सरकार में कोई भूमिका न ले।

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई ब्क्रएंथनी अल्बानीज ने कहा- ऑस्ट्रेलिया फिलिस्तीनी लोगों की आजाद देश की इच्छा का सम्मान करता है। यह कदम टू-स्टेट सॉल्यूशन के लिए हमारी पुरानी कोशिश को दिखाता है, जो इजराइल और फिलिस्तीन के लिए शांति लाने का एकमात्र रास्ता है।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होती है चॉकलेट

प्रेगनेंसी के दौरान डॉक्टर महिलाओं को खाने-पीने की कई चीजों से दूर रहने की सलाह देते हैं।चॉकलेट भी ऐसी ही कुछ चीजों में शामिल होती है। इसमें मौजूद फैट, शुगर और कैफीन मां और बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, एक नए शोध की मानें तो गर्भावस्था के दौरान चॉकलेट खाने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम किया जा सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है

कोको से बनी चॉकलेट खाने का सबसे पहला फायदा यह होता है कि इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक बना रहता है, जिसकी वजह से भ्रूण के पास मां का पर्याप्त खून पहुंच पाता है।

आयरन और मैगनीशियम से भरपूर

इसमें बहुत सारा मैगनीशियम और आयरन मौजूद होता है, जिसकी वजह से महिला के शरीर में खून की कमी नहीं होती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम से फैटी एसिड कामेटाबॉलिज्म बढ़ता है।

दिल की बीमारी से राहत

प्रेगनेंसी के समय चॉकलेट खाने से दिल मजबूत बनता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को दिल से जुड़ी बीमारी नहीं होती।

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटती है

डार्क चॉकलेट में चीनी और वसा की मात्रा बेहद कम होने की वजह से यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटा कर रखती है।

तनाव से छुटकारा दिलाए

यह ब्लड प्रेशर को मेंटेन करने के साथ तनाव के लेवल को भी कम करती है।

हृदय और मस्तिष्क पर असर डालता है तनाव

इंसान के शरीर में तनाव झेलने की क्षमता होती है, लेकिन एक सीमित समय तक। ताजा अध्ययन में पता चला है कि तनाव जब लंबे समय तक बना रहता है तो यह कई तरह से घातक साबित होता है। इसका सबसे ज्यादा असर हृदय, मस्तिष्क और अहम अंगों पर पड़ता है। यूं तो दुनियाभर में तनाव के खतरों पर रिसर्च हो रही है, तनाव कम करने के लिए उपाय भी तलाशे जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि नई पीढ़ी पर इसका जोरदार हमला हो चुका है, इससे भारत भी अछूता नहीं है। जानिए तनाव के मुख्य कारण, इससे शरीर को होने वाले नुकसान और बचने के उपायों के बारे में–

तनाव के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। काम का दबाव, आपसी रिश्तों की खटास या आर्थिक तंगी, कारण चाहे जो हों, लेकिन असर एक जैसे हैं। तनाव जितना ज्यादा रहेगा, हमारे शरीर को स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल से जूझना पड़ेगा। कुछ मामले में तनाव स्थायी हो जाता है और यह स्थिति बहुत बुरी होती है।

शरीर को ऐसे पहुंचाता है नुकसान

शरीर में लंबे समय से तनाव बना हुआ है तो यह दिमाग पर असर डालता है। इंसान की मानसिक शक्ति कमजोर होती जाती है। उसका मूड बनता-बिगड़ता रहता है। थोड़ा तनाव अच्छा होता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, लेकिन तनाव लंबे समय से बना हुआ है तो प्रतिरोधक क्षमता घटा देता है। ऐसे इंसान पर बीमारियां हावी होने लगती हैं। लंबे समय से शरीर में तनाव है तो इसका असर एक किस्म की व्हाइट ब्लड सेल साइटोटोक्सिक टी लिम्फोसाइट्स की कार्यक्षमता पर पड़ता है, जो शरीर को कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत देती है।

समझिए हार्ट पर कैसे करता है अटैक

जब कोई इंसान तनाव में होता है तो शरीर का नर्वस सिस्टम सिम्पेथेटिक अल्फा-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर्स रिलीज करता है। इसके साथ ही गुर्दे से जुड़ी ग्रंथियां रक्त में कैटेकोलामाइन या तनाव हार्मोन जारी करती हैं। इन दोनों (रिसेप्टर्स और हार्मोन) के मिलने से हृदय की धड़कनें बढ़ती हैं। इस कारण हाथ, पैर और हार्ट की तरफ रक्त का प्रवाह बढ़ता है। नतीजन शरीर में ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ती है और यह जरूरत पूरी नहीं होती है तो सीधा असर हार्ट पर पड़ता है और अटैक की आशंका रहती है।

न भूख लगेगी, न खाया हुआ पचेगा

तनाव का शरीर पर एक और बड़ा हमला गैस्ट्रोइन्टेस्टनल सिस्टम यानी जठरांत्र प्रणाली या पाचन प्रणाली पर होता है। यह हमला दो मोर्चों पर होता है। पहला - तनाव में इंसान को भूख नहीं लगती और दूसरा - वो जो भी खाता है, वो पचता नहीं है। इसके कारण इरिटेबल बाउल सिन्ड्रॉम (IBS) जैसे डिस्ऑर्डर पैदा होते हैं। IBS से सबसे ज्यादा नुकसान बड़ी आंत को होता है। यानी तनाव हमारी आंतों पर भी नकारात्मक असर डालता है।

तनाव से डरे नहीं, ऐसे करें सामना

विभिन्न रिसर्च में कहा गया है कि थोड़ा–बहुत तनाव जिंदगी का हिस्सा है। हमें यह समझना होगा कि तनाव से कैसे निपटा जाए। परिस्थितियों का सामना सही तरीके से करेंगे तो तनाव का बुरा असर नहीं होगा। कितना भी काम हो, कितना भी तनाव हो, रिलेक्स होने का समय निकालें। कोई समस्या है तो अपने रिश्तेदारों–दोस्तों से बात करें। समस्याओं का सही हल, तनाव से निजात दिला सकता है। तनाव को दूर रखना है तो खुद को सेहतमंद रखें। अच्छा खाएं, योगा–प्राणायम, व्यायाम करें। पैदल चले, स्वीमिंग करें, दौड़े– किसी भी तरह की ऐसी वर्जिश दिन में कम से कम 35 मिनट जरूर करें। ऐसा करने पर अच्छा महसूस होगा और शरीर में खुशी पैदा करने वाला एंडोर्फिन यानी हैप्पी हार्मोन दिनभर बना रहेगा।

तनाव से मुक्ति चाहते हैं तो दिन में कम से कम 7 से 8 घंटे जरूर सोएं। वैज्ञानिकों ने अब पता लगा लिया है कि अच्छी नींद का हेल्दी हार्ट और हेल्दी ब्रेन के साथ पक्का संबंध है। जब हम सोते हैं तब हमारा दिमाग सूचनाओं को खंगालता है। अगली बार यदि कोई आइडिया चाहिए तो संबंधित टॉपिक पर रिसर्च करने के बाद सो जाएं, उठेंगे तो शानदार आइडिया मिलेगा। हां, यह जरूर देखे लें कि आइडिया मिलने के बाद प्रजेंटेशन बनाने के लिए कितना समय मिलेगा, क्योंकि जो लोग जरूरी काम को अंतिम समय तक टालते हैं, वे ज्यादा तनाव में रहते हैं। अपने हर काम को अच्छी तरह प्लान करें। किसी भी योजना पर काम शुरू करने से पहले अच्छी और बुरी बातों का अध्ययन जरूर कर लें। इससे आप गैरजरूरी तनाव से बचे रहेंगे।

चंद दिनों में मस्सों को जड़ से गायब कर देगा केला

बेदाग खूबसूरत त्वचा का सपना हर कोई देखता है, लेकिन चेहरे की ये खूबसूरती उस समय फीकी पड़ जाती है, जब चेहरे पर किसी जगह मस्सा उग आए। चेहरे पर ही नहीं मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकते हैं।

हालांकि वैसे तो मस्से व्यक्ति को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, लेकिन यह आपके लुक को प्रभावित कर सकते हैं और आपकी सुंदरता को बिगाड़ सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कैसे इन बिन बुलाए मेहमानों से बड़ी आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

केले का छिलका

केला ही नहीं इसके छिलकों के भी बेशुमार फायदेमंद हैं। सेहत बनाने के साथ इसका छिलका आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकता है। केले के छिलके में मस्से को सुखाने की क्षमता अदभुत होती है। इसके लिए आप रात को शरीर में मस्से वाली जगह पर केले के छिलके को रखकर उस पर एक कपड़ा बांध लें। ऐसा तब तक करें जब तक कि शरीर की उस जगह से मस्सा साफ न हो जाए।

बेकिंग सोडा

शरीर से मस्सा हटाने के लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदें कैस्टर ऑइल डालकर इस पेस्ट को मस्से पर लगाकर हल्के हाथों से उस जगह की मसाज करें। ऐसे नियमित एक घंटे तक करें। चेहरे को एक घंटे बाद स्वच्छ पानी से धो लें। इस तरह से एक महीने में आपको मस्सों की परेशानी से निजात मिल जाएगी।

लहसुन का पेस्ट

लहसुन में पाए जाने वाले एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा से मस्से हटाने में मदद करता है। मस्से हटाने लहसुन की दो कलियां लेकर उनका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को मस्से पर एक घंटे तक लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद त्वचा को पानी से धो लें। दिन में दो बार इस उपाय को करें।

डॉक्टर से सलाह अवश्य लें

मस्से हटाने के लिए किए गए इन उपायों को करते समय अगर आपको किसी तरह की कोई जलन या परेशानी महसूस हो तो तुरंत उस जगह को साफ कर लें और फिर अपने डॉक्टर से सलाह लें।

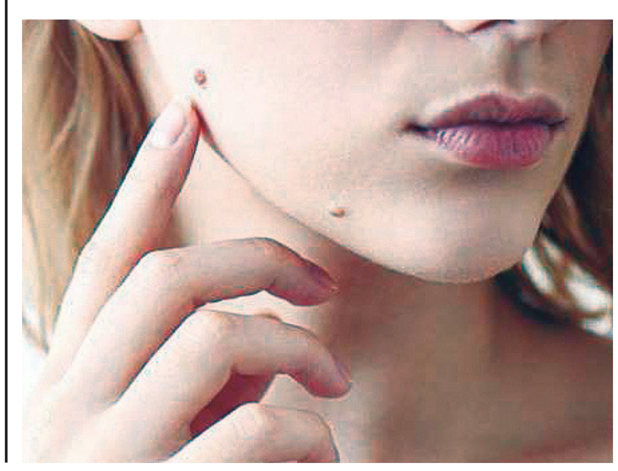

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2596

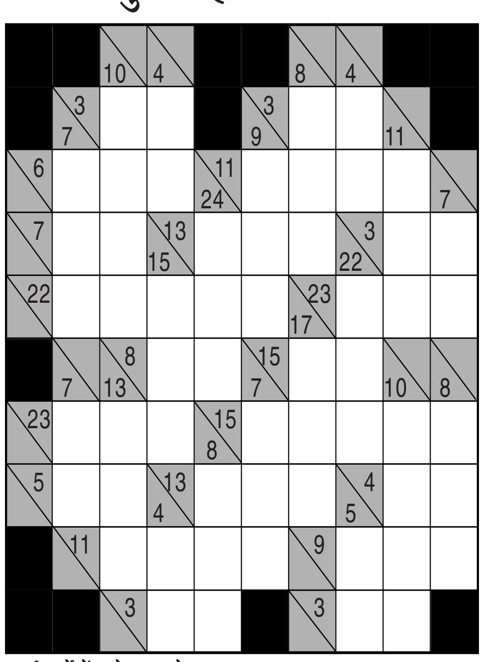

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

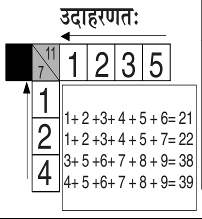

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2595 का हल

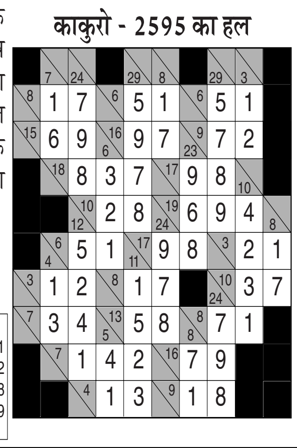

लॉफिंग ज़ोन

भिखारी - भगवान के लिए भिखारी को कुछ दे दो बाबा.

राहगीर - भीख तो दे दूं, पर कैसे मानूं कि तुम अंधे हो?

भिखारी - साहब, क्या सामने वाले लाल मकान के पीछे नीले मकान की छत पर बैठा सफेद कबूतर आपको दिख रहा है.

राहगीर - हां, मुझे तो दिख रहा है.

भिखारी - लेकिन वह कबूतर मुझे दिखाई नहीं दे रहा है.

☺ ☺ ☺

दो पड़ोसियों में किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया. मामले ने तूल पकड़ा और दोनों ओर से पथराव और मारपीट के पश्चात बंदूकें तन गयी. मोहल्ले वालों की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई नहीं रुका.

तभी एक आदमी दोनों पक्षों के बीच में कूद पड़ा और बोला- अगर तुम लोगों को गोली ही चलानी है, तो मुझ पर चलाओ, मुझे मार डालो.

फौरन दोनों पक्षों की बंदूकें नीची हो गयी. बाद में पता चला-बीच में कूदने वाला व्यक्ति दोनों पक्षों का कर्जदार है.

☺ ☺ ☺

रमेश (मुकेश से)- 'इस महंगाई के जमाने में गरीब आदमी क्या सोचता है?'

मुकेश (रमेश से)- शादीशुदा नहीं है तो शादी के बारे में. शादीशुदा है तो मौत के बारे में.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2596

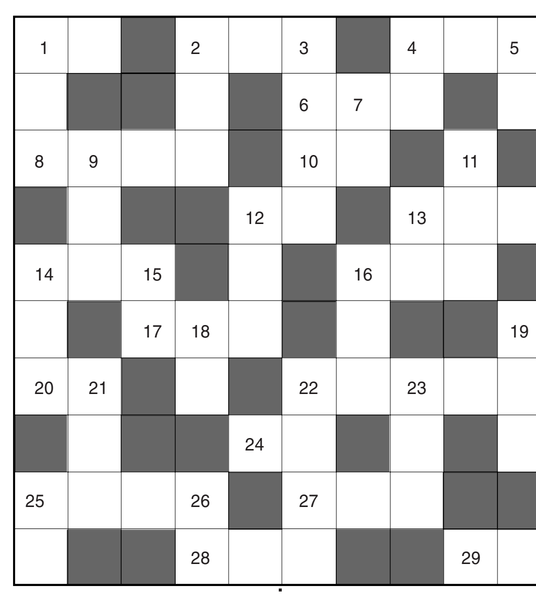

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2595

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -2596

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2595 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2596

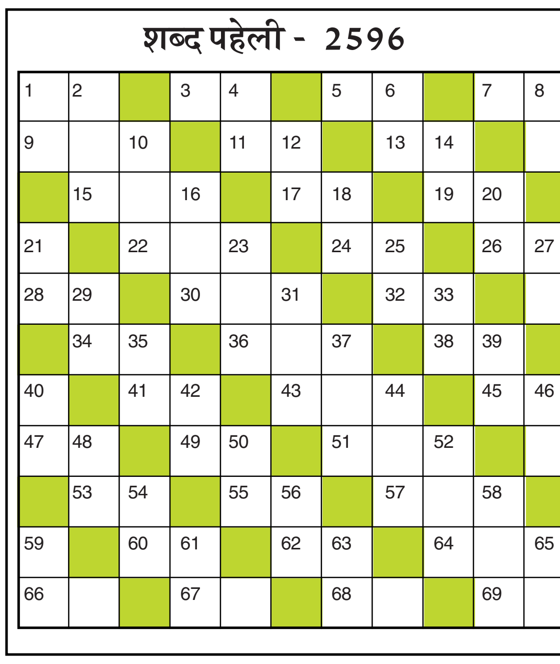

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -2595 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
फि		न	ज	ला		फि	क	र		त
त	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
त	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	

सीबीआई ने साइबर धोखाधड़ी के आरोपित नीरज कुमार को मुंबई से किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 3.81 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपित नीरज कुमार को मुंबई से गिरफ्तार किया। नीरज म्यूल (अवैध लेनदेन के लिए बनाए गए) खाते के जरिए अवैध धन को ट्रांसफर करने में मुख्यारोपित था। सीबीआई के मुताबिक नीरज ने सह-आरोपित सुधीर पलांडे (वर्तमान में हिरासत में) के साथ मिलकर इंडसइंड बैंक में एक म्यूल खाता खुलवाया, जिसमें एक ही दिन में 3.81 करोड़ रुपये जमा किए गए और तुरंत कई अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिए गए। नीरज ने सुधीर को मुंबई से नागपुर की यात्रा में भी मदद की थी। एजेंसी ने जुलाई 2025 में दर्ज इस मामले में जांच शुरू की थी। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के जरिए सीबीआई ने नीरज को पकड़ा। उसे विशेष अदालत में पेश कर सीबीआई हिरासत में भेजा गया। इस मामले में तीन अन्य आरोपित पहले से हिरासत में हैं। मामले की जांच चल रही है।

अमृतसर में दस पिस्तौल, 2.5 लाख रुपये हवाला राशि बरामद, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियार सप्लाई में शामिल एक संगठित हथियार एवं हवाला नेटवर्क के तीन सदस्यों को 10 आधुनिक हथियारों और 2.5 लाख रुपये हवाला मनी समेत गिरफ्तार कर गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमरजीत सिंह उर्फ बाऊ (22) निवासी माझी मेओ (अमृतसर), मनबीर सिंह (26) निवासी वान तारा सिंह (तरनतारन) और मुहम्मद तौफीक खान उर्फ बब्बलू (42) निवासी गौतम नगर, मुंबई के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में तीन .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल, तीन 9 एमएम ग्लॉक, एक 9 एमएम ब्रेटा और तीन .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और राज्य की शांति भंग करने के इरादे से अवैध हथियार हासिल करने और आगे सप्लाई करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क और सीमा पार संबंधों का खुलासा किया जा सके। पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने अमरजीत उर्फ बाऊ को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक ग्लॉक पिस्तौल बरामद की।

झारखंड के पलामू में राजद नेता की हत्या, खेत में मिला शव

पलामू । झारखंड के पलामू के रहने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता जयशंकर ठाकुर का शव सोमवार दोपहर उनके गांव में एक खेत में मिला। परिजनों ने उनकी हत्या कर शव को एसिड से जलाने का आरोप लगाया है। इसके बाद परिजनों ने खोजबीन शुरू की। गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर एक खेत में उनका शव पड़ा मिला। शव पर जलने के निशान पाए गए। सूचना पाकर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड की मदद से जांच की, हालांकि किसी तरह का स्पष्ट सुराग नहीं मिला।

थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला वज्रपात से मौत का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। वहीं, ग्रामीणों ने पुलिस की आशंका पर सवाल उठाते हुए कहा कि सोमवार को मौसम बिल्कुल साफ था और कहीं भी वज्रपात नहीं हुआ। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई है। मृतक के तीन बेटे हैं, जिनमें से एक बाहर रहता है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याण की मुहिम अनवरत जारी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रारम्भ किए गए शहरी सेवा शिविर-2025 जनसेवा का पर्याय बन रहे हैं। 17 सितम्बर से प्रारम्भ हुए इन शिविरों में अब तक हजारों की संख्या में आमजन के प्रकरणों का निस्तारण कर त्वरित राहत पहुंचाई गई है।

3 हजार 656 पट्टों का हुआ वितरण-

मुख्यमंत्री शर्मा के सतत् पर्यवेक्षण के फलस्वरूप इन शिविरों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। अद्यतन प्रगति रिपोर्ट (सोमवार तक) के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के कुल 3 हजार 656 पट्टों का वितरण किया जा चुका है। इनमें धारा 69-ए के अन्तर्गत 290 परिवारों को पट्टे का वितरण तथा 237 अपंजीकृत पट्टों को पुनर्वैध कर उनका पंजीकरण किया गया है। कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में 2 हजार 121 लोगों के पट्टे स्वीकृत किए गए है। वहीं, निकाय, न्यास एवं प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं के अन्तर्गत 552 पट्टे जारी किए गए हैं। पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के बाद 63 नए पट्टे पुनः जारी किए गए और 203 प्रकरणों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड में परिवर्तित किया गया।

मध्य प्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्जा में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है नया मानक : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुझे गर्व है कि मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना के शुभारंभ के साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा में मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर नया मानक स्थापित किया है। यह भारत की पहली परियोजना है, जो रिकार्ड न्यूनतम 2 रुपये 70 पैसे प्रति यूनिट टैरिफ पर स्थिर और डिस्पैचेबल नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली के होटल ताज में आयोजित सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों की स्थापित क्षमता तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2025 तक सौर क्षमता लगभग पांच हजार मेगावाट पर पहुंच चुकी है, जिसे वर्ष 2035 बढ़ाकर 33 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य

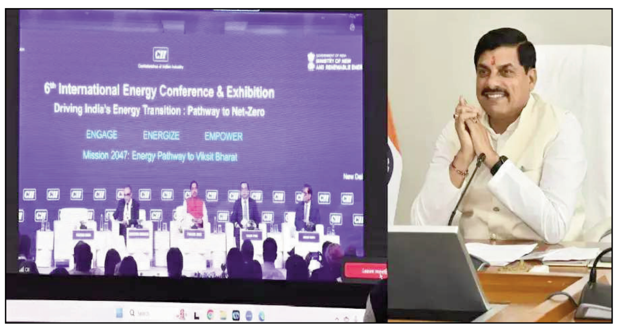

रखा गया है। राज्य सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल प्रमोशन पालिसी, रिन्यूएबल एनर्जी पालिसी 2025 और पम्प हाइड्रो पालिसी 2025 के अंतर्गत औद्योगिक निवेश के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, मालदीव के पर्यावरण एवं पर्यटन राज्यमंत्री मुवियाथ मोहम्मद, सीआईआई और ई.वाय इंडिया के पदाधिकारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन मध्य प्रदेश में आयोजित करने के लिए सभी को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि निर्माण गतिविधियों का केन्द्र भी बन रहा है। यह समय हमारे लिए निर्णायक है, वैश्विक परिस्थितियाँ बदल रही हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करते हुए एक ऐसे भारत की नींव रखी जा रही है जो सुरक्षित, सक्षम और विश्व को मार्गदर्शन प्रदान करने की सामर्थ्य रखता है।

शादी के बंधन में बंधे हिमाचल के कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह सोमवार को चंडीगढ़ में पंजाब की डॉ. अमरीन कौर के साथ शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित गुरुद्वारे में लावां ली। शादी हिंदू व सिख परंपरा के अनुसार हुई। सुबह करीब 11 बजे दोनों परिवार गुरुद्वारे पहुंचे। अमरीन कौर, सरदार जोतिंद्र सिंह सेखों और ओपिंद्र कौर की बेटी हैं। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। गुरुद्वारे में शादी की रस्में बेहद सादगी से पूरी हुईं। इसमें दोनों तरफ से सिर्फ करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए।

विक्रमादित्य के साथ उनकी मां प्रतिभा सिंह, बहन-बहनोई और कुछ दोस्त मौजूद रहे। यह विक्रमादित्य सिंह की दूसरी शादी है। विक्रमादित्य सिंह की पहली शादी सुदर्शना चूंडावत (राजसमंद की आमेट रियासत से) से 8 मार्च, 2019 को हुई थी। मनमुटाव के चलते दोनों का करीब दो महीने पहले तलाक हो गया। इसके बाद विक्रमादित्य सिंह ने दोबारा शादी करने का फैसला किया। विक्रमादित्य सिंह शिमला ग्रामीण विधानसभा से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं और वह 6 बार के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के बेटे हैं। गुरुद्वारा साहिब में आनंद कारज के बाद विक्रमादित्य अपनी पत्नी अमरीन के साथ होटल ललित पहुंचे, जहां परिजनों ने दोपहर भोजन किया। इसके बाद सभी परिवारिक सदस्य शिमला रवाना हो गए। अब आगे की रस्में हिमाचल में होंगी।

देश के प्रति गर्व और सम्मान संघ कार्य का परिणाम : सुनील आंबेकर

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि वर्तमान समय में समाज के प्रत्येक वर्ग को देश के प्रति गर्व और सम्मान का अनुभव हो रहा है। इस भाव को जगाने के लिए संघ निरंतर कार्य कर रहा है। देश की प्रगति और समृद्धि के लिए संघ के माध्यम से विभिन्न संस्थाएँ और संगठन कार्य में लगे हुए हैं। विशेष रूप से समाज के लोग इस कार्य में स्वेच्छा से भाग ले रहे हैं और यही संघ की शताब्दी यात्रा की प्रमुख उपलब्धि है।

नागपुर के रेशमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर के महर्षि व्यास सभागार मे आयोजित प्रेस कान्फ्रेन्स मे आंबेकर ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में हर गतिविधि पहले से तीन गुना बड़ी और भव्य होगी। सामान्यत~ दशहरा उत्सव में करीब 7 हजार स्वयंसेवक गणवेश में शामिल होते हैं, लेकिन इस बार शताब्दी उत्सव में कम से कम 21 हजार स्वयंसेवक पूरे गणवेश में होंगे। इसके लिए संपर्क और संवाद के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

नागपुर में निकलेंगे 3 पथसंचलन

बकौल आंबेकर इस वर्ष के दशहरा उत्सव में शहर से 3 पथसंचलन निकाले जाएंगे। इन पथसंचलनों का एकत्रीकरण वैरायटी चौक में होगा और सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत इसका निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस उत्सव में घाना, थाईलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

संघ के बारे में कई बार झूठी बातें फैलायी जाती हैं। इन झूठे आरोपों का जवाब देने के लिए संघ इस शताब्दी वर्ष में गृहभेंट कार्यक्रम चला रहा है। आंबेकर ने कहा कि घर-घर जा कर संपर्क कर के संघ के बारे में लोगों के मन में जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर किया जाएगा। उन्होंने

बताया कि संघ के विचारों के समर्थकों को भी इस कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। इसके लिए किसी अलग से यंत्रणा की आवश्यकता नहीं है। प्रसिद्ध गायक और संगीतकार पद्मश्री शंकर महादेवन ने संघ के गीतों को नए सुर और लय में बनाया है। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर स्वयंसेवकों के लिए यह एक विशेष तोहफा होगा। महादेवन द्वारा गाए गए संघ गीतों का कार्यक्रम 28 सितंबर को नागपुर में आयोजित किया जाएगा। महादेवन के गायन ने संघ गीतों को एक नया रूप और रंग दिया है, जो स्वयंसेवकों के लिए अनोखा और प्रेरणादायक होगा।

केंद्र सरकार का राहत पैकेज पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के साथ मजाक : राहुल गांधी

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए दिए गए राहत पैकेज को नाकाफी करार देते हुए सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने इसे पंजाब के लोगों के साथ अन्याय बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की है एक व्यापक राहत पैकेज तुरंत जारी करें। राहुल गांधी हाल ही में पंजाब दौरे पर आए थे। राहुल गांधी के रावी पार गांवों में नहीं जाने को लेकर सियासत गरमाई हुई है। पंजाब पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देकर उन्हें पाकिस्तान की सीमा से सटे गांवों में जाने से रोक दिया था। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मुझे पूरा विश्वास है कि लोग एक बार फिर पंजाब को खड़ा करेंगे उन्हें बस सहारे और मजबूती की जरूरत है। उन्होंने 10 मिनट का वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें लोगों से हुई उनकी बातचीत शामिल है।

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि पंजाब को बाढ़ की वजह से लगभग 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1600 करोड़ का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। लाखों घर उजड़ गए, 4

लाख एकड़ से ज्यादा की फसल बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में जानवर बह गए हैं। फिर भी पंजाब के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और जज्बा दिखाया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि वे एक बार फिर पंजाब को खड़ा करेंगे, उन्हें बस सहारे और मजबूती की जरूरत है। मैं प्रधानमंत्री से फिर से आग्रह करता हूं कि तुरंत एक व्यापक राहत पैकेज जारी करें।

मप्र की एक और बड़ी उपलब्धि, सम्पदा 2.0 को मिला ई-गवर्नेंस अवार्ड

एजेंसी

भोपाल। डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए मध्य प्रदेश ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभिनव पहल संपदा 2.0 को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार-2025 से नवाजा गया है। विशाखापट्टनम में सोमवार को ई-गवर्नेंस पर आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं सचिव भारत सरकार (डीएआरपीजी) वी. श्रीनिवास ने महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर तथा संपदा परियोजना अधिकारी स्वप्नेश शर्मा को यह अवार्ड प्रदान किया। यह सम्मान तकनीक के माध्यम से शासन व्यवस्था में परिवर्तन लाने की श्रेणी-गवर्नमेंट प्रोसेस री-इंजीनियरिंग बाई यूज ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन-में प्रदान किया गया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और सम्पदा 2.0 से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि पेपरलेस और फेसलेस पंजीयन की दिशा में मध्य

प्रदेश अग्रणी बना है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इस उपलब्धि को प्रदेश के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि सम्पदा 2.0 ने संपत्ति एवं दस्तावेजों के पंजीयन को पूर्णत~ पेपरलेस और फेसलेस बना दिया है। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली नागरिकों को बिना कार्यालय आए सुरक्षित और सरल पंजीयन की सुविधा देती है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इस पुरस्कार ने केवल प्रदेश की तकनीकी दक्षता को प्रमाणित किया है, बल्कि सुशासन और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और गति लाने की दिशा में मध्य प्रदेश की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में लगातार नई पहचान बना रहा है। सम्पदा 2.0 से न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार हुआ है, बल्कि निवेश और व्यावसायिक वातावरण को भी मजबूती मिली है। उन्होंने परियोजना से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार मध्य प्रदेश के सुशासन मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा को दर्शाता है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन प्रारंभ किया है। भारतीय स्टाम्प अधिनियम के अंतर्गत लगभग 140 प्रकार के दस्तावेजों में से 75 दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन वीडियो केवाईसी के माध्यम से संभव हुआ है।

बैंगलुरु-वाराणसी फ्लाइट में कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश, यात्री हिरासत में

एजेंसी

वाराणसी। बैंगलुरु से वाराणसी आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1086 में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री ने उड़ान के दौरान कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। पायलट ने इसे संभावित सुरक्षा खतरा मानते हुए तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया और कॉकपिट का दरवाजा नहीं खोला गया। विमान के वाराणसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरते ही सीआईएसएफ ने संबंधित यात्री को हिरासत में ले लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। डीसीपी गोमती जोन, आकाश पटेल ने बताया कि बैंगलुरु से शिवकुमार नामक एक युवक के नेतृत्व में कुल 9 यात्रियों का एक समूह धार्मिक दर्शन के उद्देश्य से वाराणसी आया था। प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी सहित सभी यात्री पहली बार हवाई यात्रा कर रहे थे। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह वॉशरूम का उपयोग करना चाहता था और गलती से वॉशरूम के बजाय कॉकपिट के पास स्थित कोड मशीन को समझ नहीं पाया। उसने अनजाने में बटन दबा दिया, जिससे कॉकपिट का दरवाजा खोलने का प्रयास हुआ। हालांकि, कॉकपिट का दरवाजा नहीं खुला और स्थिति समय रहते नियंत्रण में आ गई। पुलिस और सीआईएसएफ द्वारा अब तक की जांच में यात्रियों के पास या उनके सामान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूछताछ की प्रक्रिया जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरेका में स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता, वृक्षारोपण और स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन

एजेंसी

वाराणसी। रेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह के निर्देशन में आयोजित इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और शून्य कचरा की दिशा में समाज को जागरूक करना रहा। बरेका में स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता, वृक्षारोपण और स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन बरेका इंटर कॉलेज में 'पर्यावरण-अनुकूल और शून्य कचरा' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किए। इसके साथ ही बरेका वर्कशॉप के इंजन डिवीजन में ऋद्गस्त्रह्वष्द्ग (कम करना), ऋद्गह्वह्यद्ग (पुन~ उपयोग) और Recycle (पुनर्चक्रण) (RRR) की अवधारणा पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान कबाड़ और अपशिष्ट सामग्री से बने मॉडल

'संवाद' को भी प्रदर्शित किया गया, जिसने सबका ध्यान आकर्षित किया। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, बरेका के गोल्फ कोर्स में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। इसमें आम, नीम, चितवन और सागौन जैसे पौधे लगाए गए, जिससे हरियाली और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। इसी क्रम में विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के पहले चरण के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान पुराने रिकॉर्ड्स का प्रबंधन, अनुपयोगी फर्नीचर और सामान का निस्तारण, कार्यालयों का सौंदर्यीकरण और स्क्रैप निस्तारण जैसे कार्य किए गए। इन आयोजनों के माध्यम से बरेका ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण केवल कार्यालय या परिसर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आवश्यक है।

बौरंगी में भरे पानी डूबने से बच्चे की हुई मौत

टोंक। निवाई में रक्तांचल पहाड़ के पीछे स्थित बौरंगी में भरे पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि परिजनों ने जानकारी दी कि प्रिंस सैनी पुत्र टीकम सैनी उर्फ बबलू निवासी पहाड़ी चुंगी नाका रविवार को ट्यूशन पढक़र करीब 3 बजे आया और बस्ता रखकर घर से चला गया। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर उसकी तलाश की। एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंची और पानी में तलाशी की। एसडीआरएफ टीम प्रभारी मुनेश कुमार के नेतृत्व में बालक के शव को रेस्क्यू कर किया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस पोस्टमार्टम करवाकर कर शव परिजनों को सौंप दिया। इस दौरान परिवार में कोहराम मच गया। आसपास ढूंढने के बाद भी नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस बच्चे की तलाश में लग गई और आसपास लगे हुए सीसी टीवी कैमरों को चेक किया तो वह 4 बजे तक मोहल्ले में ही दिखाई दिया। सुबह पानी के किनारे चप्पलें व कपड़े पड़े हुए देखकर लोगों ने परिवारजनों को सूचित किया।

सामाजिक व्यवहार में बदलाव लाने के लिए विज्ञान और समाजशास्त्र की आवश्यकता: भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों को प्रभावी बनाने कि लिए पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक पर्यावरणीय चेतना का एक हिस्सा होना चाहिए। सामाजिक व्यवहार में बदलाव लाने के लिए विज्ञान और समाजशास्त्र की आवश्यकता है। वे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 51वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर भूपेन्द्र यादव ने पिछले पांच दशकों में देश में अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की सराहना की और कहा कि सीपीसीबी पर न्यायालयों और देश के नागरिकों का भरोसा है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि आज से ऐतिहासिक जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं। जैसे-जैसे देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के एक साथ विकास के लिए पर्यावरण नियमों और मानदंडों को विकसित करने की आवश्यकता है। देश में नई तकनीकों के विकास और पर्यावरण प्रयोगशालाओं के विस्तार के

लिए आईआईटी, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और अग्रणी अनुसंधान निकायों के साथ सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें मेक-इन-इंडिया को मजबूत बनाने और प्रदूषण कम करने के लिए नए विकल्पों और स्वच्छ तकनीकों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। सीपीसीबी को देश के पर्यावरणीय मामलों में क्षमता निर्माण के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। इस मौके पर भूपेन्द्र यादव ने सीपीसीबी के नए भवन की आधारशिला रखी। इसके अतिरिक्त, पुणे और शिलांग स्थित सीपीसीबी के क्षेत्रीय निदेशालयों में दो नई प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया। ये प्रयोगशालाएं 70 और 62 पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी करने में सक्षम हैं और महाराष्ट्र तथा पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, असम, मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम को सेवाएं प्रदान करेंगी। यादव ने राष्ट्रीय जल गुणवत्ता निगरानी आंकड़ों पर आधारित %प्रदूषित नदी खंडों का वर्गीकरण, 2025% शीर्षक से एक तकनीकी रिपोर्ट जारी की और %आईडंटिफिकेशन ऑफ नॉन पॉल्यूटेड एंड पॉल्यूटेड स्ट्रेचेज एंड वाटर बॉडीज थ्रू फ्रेश वाटर बेन्थिक मैक्रोइनवर्टेब्रेट्स इन इंडिया शीर्षक से एक मैनुअल भी जारी किया। भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 13 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। स्थापना दिवस समारोह में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के महानिदेशक (वन) एवं विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव और सीपीसीबी के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव, अपर सचिव अमनदीप गर्ग के कई अधिकारी मौजूद रहे।

केदारनाथ सोना विवाद की जांच रिपोर्ट में बीकेटीसी को मिली क्लीन चिट

एजेंसी

देहरादून। केदारनाथ धाम के गर्भगृह को स्वर्ण मंडित करने के मामले में गढ़वाल आयुक्त की जांच रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की अनियमितता न होने बात कहते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को क्लीट दी है। इस बात का खुलासा एक आरटीआई एक्टिविस्ट को भेजे जवाब से हुआ है। दरअसल, केदारनाथ धाम के गर्भगृह को स्वर्ण मंडित करने के मामले में गड़बड़ी होने के आरोपों के बाद उत्तराखंड सरकार ने जांच के आदेश दिए थे। सरकार ने गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय को जांच सौंपी थी। आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल सेमवाल ने केदारनाथ धाम के गर्भगृह को स्वर्ण मंडित कराने के प्रकरण को लेकर शासन के पर्यटन व धर्मस्व विभाग से विभिन्न बिंदुओं को लेकर सूचना मांगी। इसके जवाब में पर्यटन अनुभाग ने आवेदक को शासन स्तर पर प्रचलित पत्रावली और गढ़वाल आयुक्त की जांच रिपोर्ट प्रेषित की है। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने ना ही सोना खरीदा और ना ही अपने स्तर से लगवाया। बीकेटीसी ने स्वर्ण मंडित करने वाले दानीदाता को शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में अपेक्षित सहयोग दिया। जांच रिपोर्ट में आयुक्त पांडेय ने कहा है कि केदारनाथ धाम के गर्भगृह में सोने की प्लेटें लगाए जाने में बरती गई कथित अनियमितताओं के संबंध में शासन के 23 जून, 2023 को उन्हें जांच अधिकारी नियुक्त किया था। इस क्रम में वे 21 जुलाई, 2023 को स्वर्ण परत लगाने के दौरान रुद्रप्रयाग में तैनात जिलाधिकारी और उनके स्थानांतरण के पश्चात नियुक्त रहे डीएम बीकेटीसी के तत्कालीन मुख्य कार्याधिकारी के साथ केदारनाथ पहुंचकर मामले की जांच की। केदारनाथ धाम के गर्भगृह को स्वर्ण मंडित कराने के दौरान रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी पद पर मयूर दीक्षित और गढ़वाल आयुक्त की जांच के समय सौरभ गहरवार जिलाधिकारी पद पर तैनात थे, जबकि मुख्य कार्याधिकारी के पद पर वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी योगेंद्र सिंह तैनात थे।

भारत और बांग्लादेश के बीच आज सुपर फोर में होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की टीमें बुधवार को एशिया कप 2025 के सुपर 4 में आमने-सामने होंगी। दोनो ही टीमों ने सुपर फोर का अपना पहला मैच जीता है। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर फाइनल में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम ने जहां पाकिस्तान को, वहीं बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराया है। भारतीय टीम ने अपने सभी लीग मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि इसके बाद भी वह बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के स्पिनरों पर नजरें रहेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो ये मुकाबला एकतरफा रहेगा। दोनों ही टीमों के बीच अब तक 17 टी20 मैच खेले गए हैं। इनमें से बांग्लादेश एक ही मैच जीता है।

बांग्लादेशी टीम भारत के सामने काफी कमजोर नजर आती है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की टीम के लिए ये मैच जीतना कठिन नहीं होगा हालांकि बांग्लादेश के स्पिनर बेहतर प्रदर्शन करके बाजी उल्ट सकते हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है। उसमें भी भारतीय टीम कहीं आगे है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा शुभमन गिल भी अच्छे फार्म में हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी कप्तान लिटन दास और तौहीद ह्र्दय पर निर्भर रहेगी।

बांग्लादेश टीम इस मैच में पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। उसका लक्ष्य भारत को कम स्कोर पर रोककर लक्ष्य का पीछा करना रहेगा। भारतीय बल्लेबाजो विशेषकर तिलक वर्मा और संजू सैमसन को बांग्लादेशी

स्पिनरों से सावधान रहना होगा। ये दोनों चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में स्पिनरों का अधिक सामना करना होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

बांग्लादेशः लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद ह्रदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन के मामले में युवराज को पूछताछ के लिए कार्यालय में पेश होने को कहा था। युवराज दोपहर बारह बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। इससे पहले इसी मामले को लेकर सुरेश रैना, शिखर धवन ,रोबिन उत्थाप्पा सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। युवराज समेत कई क्रिकेटर और फिल्मी सितारे इस इस ऐप का प्रचार कर रहे थे। इसी कारण कई फिल्मी सितारों से भी पूछताछ हुई है। वहीं सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत युवराज के उनके बयान दर्ज किये। इसके अलावा पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ हुई है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ईडी ऐसे सट्टेबाजी ऐप और प्लेटफार्म के खिलाफ व्यापक जांच कर रही है जिनपर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं। इस जांच के तहत आने वाले दिनों में एजेंसी कुछ अन्य खिलाड़ियों, फिल्म अभिनेताओं, ऑनलाइन प्रभावशाली व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। अब तक करीब आधा दर्जन बड़ी हस्तियों से ईडी ने पूछताछ की है।

फरहान और रउफ पर प्रतिबंध लगा सकती है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में करारी हार के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और झटका लग सकता है। इस मैच में भड़काउ जश्न के लिए उसके दो खिलाड़ियों साहिबजादा फ़रहान और हैरिस रउफ पर आईसीसी कड़ी कार्रवाई कर सकती है। इसके तहत इनपर भारी जुर्माना लगाने के अलावा प्रतिबंध भी लग सकता है। इन दोनो ही ही शिकायत आईसीसी से की गयी है। मैच रैफरी ने इसमें भारतीय टीम से सभी प्रकार के साक्ष्य रखने को कहा है। उसी के आधार पर आईपीसी सजा का फैसला करेगी। इस मैच में पाक सलामी बल्लेबाज फ़रहान ने अर्धशतक लगाने के बाद 'बंदूक से गोलीबारी' के स्टाइल में जश्न मनाया। इससे एक प्रकार से वह क्रिकेटर नहीं आतंकियों जैसा व्यवहार कर रहे थे

क्रिकेट में जब खिलाड़ी मैदान पर बंदूक चलाने की नकल करें, तो यह खेल से ज्यादा हिंसा और कट्टरता दिखाती है। भारत-पाकिस्तान मैच पहले ही तनाव और भावनाओं से भरे होते हैं। ऐसे में बंदूक जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल आतंकियों का समर्थन करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैच रेफरी ने भारतीय टीम से कहा है कि इस मुद्दे पर वो अपना पक्ष रखे, वहीं दोनों वीडियो के और एंगल इकठ्ठा किए जा रहे है। इस मैच में बल्लेबाजों की पिटाई से भड़के रउफ ने अपने हाथ से छह विमान गिराने के संकेत किये। इसके बाद भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने उन्हें जमकर निशाना बनाया और इस झूठ के लिए फटकार लगायी। वहीं फरहान ने जिस प्रकार बल्ले से गोलीबारी का इशारा किया उससे लोग भड़क गये।

इस प्रकार का व्यवहार नियमों के खिलाफ है।

आईसीसी आचार संहित के अनुसार अगर कोई भी जश्न विरोधी टीम या दर्शकों को भड़काए। उससे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। नियमों के तहत ही राजनीतिक, धार्मिक या हिंसक संदेश देने वाली हरकतों पर रोक है और अगर कोई खिलाड़ी खेल की भावना के खिलाफ जाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उसे प्रतिबंधित किया जा सकता है।

बांग्लादेश कोच फिल सिमंस का बयान, कहा- हर टीम के पास भारत को हराने की काबिलियत

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस का मानना है कि भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेंगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है।

वेस्टइंडीज के लिए 1987 से 1999 तक खेलने वाले सिमंस से जब पूछा गया कि क्या इस भारतीय टीम को हराना संभव है तो उन्होंने कहा,'' हर टीम के पास इस भारतीय टीम को मात देने की क्षमता है।''

उन्होंने आगे कहा कि, मैच जिस दिन खेला जाता है उससे पहले क्या हुआ है, यह मायने नहीं रखता है। यह बुधवार को क्या होगा उस बारे में है। यह उस साढ़े तीन घंटे के खेल के दौरान प्रदर्शन के बारे में है। हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ खेलने की कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि भारत की

कमजोरियां ढूंढ पाएंगे। यही वह तरीका है जिससे हम मैच जीतते हैं।'' इस 62 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह भारत से जुड़े किसी भी मैच के माहौल को समझते हैं और चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी उस पल का लुत्फ उठाते हुए चुनौती का सामना करें।

बांग्लादेश के कोच ने कहा कि, हर मैच खासकर भारत से जुड़े मैचों में एक उत्साह होता है क्योंकि वे दुनिया की नंबर एक टी20 टीम हैं। हम बस इस उत्साह का लुत्फ उठाने लेने जा रहे हैं। सिमंस का मानना है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (डीआईसीएस) की पिच वास्तव में बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी है और मैच में टॉस कोई बड़ा मसला नहीं होगा।

उन्होंने कहा, '' मैंने 40 ओवरों में विकेट में ज्यादा अंतर नहीं देखा। मुझे लगता है कि यह कुछ बेहतरीन विकेटों में से एक है जो मैंने यहां कुछ समय से देखे हैं। मुझे लगता है कि कल रात (भारत बनाम पाकिस्तान) भी ऐसा ही था। बांग्लादेश के कोच ने कहा, ''विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। गेंदबाजों को सही गेंदबाजी करनी पड़ी। मुझे नहीं लगता कि टॉस का ज्यादा असर नहीं होगा।''

सिमंस ने कहा कि सितंबर की गर्मी में दुबई और अबुधाबी में लगातार क्रिकेट खेलना शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है। वेस्टइंडीज के लिए 26 टेस्ट और 143 एकदिवसीय खेलने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे लगता है कि खिलाड़ी लगातार मैच खेलने के लिए काफी फिट हैं। लेकिन किसी भी टीम के लिए लगातार टी20 मैच खेलना चुनौतीपूर्ण है। यह जितना लोग सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हो सकता है बाहर

दुबई। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास को भारत के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले से पहले चोट लगने की आशंका है, क्योंकि 22 सितंबर को आईसीसी अकादमी ग्राउंड में प्रशिक्षण के दौरान उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। लिटन को नेट्स में स्क्वायर कट लगाने की कोशिश करते समय कमर के बाई ओर बेचैनी महसूस हुई और टीम के फिजियो बायजदि उल इस्लाम द्वारा जांच के बाद उन्होंने सत्र से नाम वापस ले लिया।

बीसीबी के एक अधिकारी ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया, 'हम आज लिटन की जांच करेंगे क्योंकि बाहर से वह बिल्कुल ठीक लग रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय लेने से पहले हमें उनका मेडिकल मूल्यांकन करना होगा।' हालांकि लिटन इस घटना के बाद ज्यादा असहज नहीं दिखे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी कौन करेगा, क्योंकि बीसीबी ने टूर्नामेंट के लिए किसी उप-कप्तान की घोषणा नहीं की है। बांग्लादेश ने अपने सुपर-4 अभियान की शुरुआत श्रीलंका पर शानदार जीत के साथ की।

श्रेयस ने निजी कारणों से भारत ए की कप्तानी छोड़ी

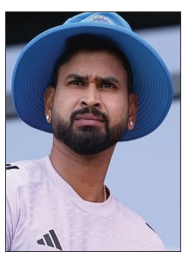

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। श्रेयस अचानक ही भारत ए की कप्तानी छोड़कर मुम्बई लौट गये हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला था जो ड्रॉ रहा था। श्रेयस ने निजी कारणों से दूसरे मैच से अपना नाम वापस लिया है। उनके बाहर जाने से अब भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल या फिर रजत पाटीदार टीम को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार ये पता नहीं चला है कि श्रेयस ने अचानक ऐसा फैसला क्यों किया है। उन्होंने अपनी फैसले की जानकारी बीसीसीआई को भी दे दी है।

गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने

कोलकात। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बने हैं। अभी इस पद पर उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली थे। गांगुली ने दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर कहा कि ईडन गार्डन्स स्टेडियम की क्षमता को बढ़ाकर एक लाख के करीब किया जाएगा। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मैचों की मेजबानी हासिल करना भी प्रयास किया जाएगा। गांगुली को सोमवार को कोलकाता में सीएबी की 94वीं वार्षिक आम बैठक में निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह इससे पहले साल 2015 से 2019 तक सीएबी अध्यक्ष रहे थे। गांगुली साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। गांगुली ने कहा कि उनका पहला काम नवंबर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले टेस्ट के लिए ईडन को पूरी तरह से तैयारी करना रहेगा। यह 2019 में बांग्लादेश के खिलाफहुए दिन रात्रि टेस्ट मैच के बाद ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट होगा। गांगुली को उम्मीद हैं की भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें ईडन गार्डन्स में उपलब्ध सुविधाओं का आनंद उठाएगी। उन्होंने कहा, ''यह एक अच्छा टेस्ट मैच होगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका विश्व चैंपियन है। इस स्टेडियम में सब कुछ मौजूद है। अच्छी पिचें, अच्छे दर्शक और, बुनियादी ढांचा है।'' गांगुली रविवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बीसीसीआई रविवार को मुंबई में होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक में दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को अपना नया अध्यक्ष चुनने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर वनडे विश्व कप से बाहर

स्पोर्ट्स डैस्क। ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा, जब स्टार ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस चोट के कारण आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से बाहर हो गई। यह विश्व कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। हैरिस को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में पिंडली में खिंचाव की चोट लगी, जो संयोग से मार्च 2024 के बाद से इस प्रारूप में उनकी पहली वापसी थी।

इस चोट ने इस ऑलराउंडर की भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के दौरान अपना पहला वनडे विश्व कप मैच खेलने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हैरिस

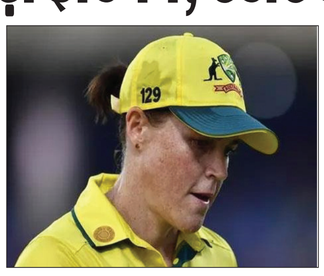

ऑस्ट्रेलिया के 2022 विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा थीं, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाई। हैरिस निचले क्रम में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उनका टी20आई स्ट्राइक रेट 155.52 का है और वे एक उपयोगी ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिन्होंने 21 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

ग्रेस हैरिस ने सफेद गेंद क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। मार्च 2024 के बाद से ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई भी वनडे मैच नहीं खेलने के बावजूद, ग्रेस हैरिस ने अपने हालिया सफेद गेंद वाले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 ब्लास्ट में सरी के लिए खेलते हुए, उन्होंने लगभग 158 के स्ट्राइक रेट से 338 रन बनाए।

चोटिल ग्रेस हैरिस की जगह ऑस्ट्रेलियाई आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 टीम में हीथर ग्राहम को शामिल किया जाएगा। वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों के बाद भारत में टीम से जुड़ेंगी। ग्राहम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 9 विकेट लिए हैं। हैरिस की तरह, ग्राहम ने भी इंग्लिश घरेलू लीग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के लिए अपडेटेड ऑस्ट्रेलियाई टीम- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेलेंगे ऋषभ

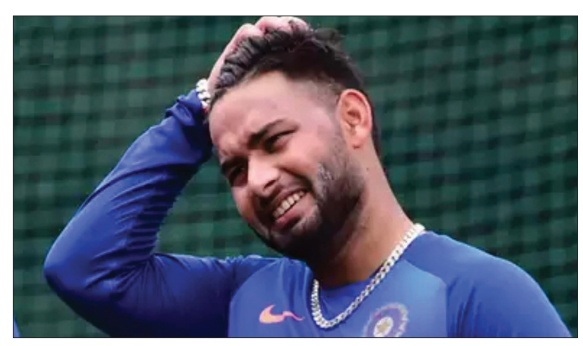

मुम्बई । इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी टल गयी है। ऋषभ को वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भी शामिल नहीं किया गया है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को इंग्लैंड में चौथे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। वेस्ट इंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 24 सितंबर की जा सकती है। चयनसमिति ऋषभ को फिट होने के लिए पर्याप्त समय दिये जाने के पक्ष में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चयन समिति 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी। ऋषभ को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। अभी ये विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबर गया है पर ताकत और कंडीशनिंग का अभ्यास कर रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है। भारतीय टीम वेस्टइंडीज सीरीज के बाद 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में एक सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे में युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। जुरेल अभी लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे में अंतिम दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी।

थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में अर्जुन तेंदुलकर ने लिया समित द्रविड़ का विकेट

अलूर (एजेंसी)। कर्नाटक के अलूर में एक स्थानीय टूर्नामेंट में दो महान क्रिकेटरों के बेटे आमने-सामने नजर आये। यहां सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अलग-अलग टीमों से उतरे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कर रहे समित का विकेट गेंदबाजी कर रहे अर्जुन ने लिया। समित केएससीए सेक्रेटरी इलेवन के लिए खेल रहे थे।

समित ने थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में 26 गेंदों पर 9 रन रन बनाये। जिसमें दो चौके शामिल थे पर अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर वह कैच हो गये।

अर्जुन 25 साल के हो चुके हैं जबकि समित अभी 19 साल के हैं। अर्जुन गेंदबाजी करते हैं और अपने करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं तो समित अच्छा बल्लेबाज बनना चाहते हैं।

इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल थे। इस टूर्नामेंट को 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए अभ्यास की तरह देखा जा रहा है, जिससे प्लेयर्स की फॉर्म और फिटनेस का आंकलन किया जाएगा।

शाहिद अफरीदी ने अंपायरों पर लगाया पक्षपात का आरोप

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एशिया कप क्रिकेट 2025 में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के लिए अंपायरों को दोषी बताया है। अफरीदी ने आरोप लगाया है कि आईपीएल में अवसरों को देखते हुए अंपायर भारतीय टीम के पक्ष में फैसले देते है। अफरीदी ने इस मैच में फखर जमां को आउट दिए जाने के फैसले पर भी सवाल उठाये। फखर को हार्दिक पंड्या की गेंद पर संजू सैमसन ने कैच किया था जिसे थर्ड अंपायर ने सही मानते हुए उन्हें आउट करार दिया। अफरीदी ने कहा कि सभी अंपायर भारत की आईपीएल में काम करना चाहते हैं। ऐसे में वे बेहतर करियर की उम्मीद में अन्य टीमों के खिलाफ फैसले देते हैं। अफरीदी ने तंज कसते हुए कहा, 'उन्हें आईपीएल में भी तो अंपायरिंग करनी है.' वहीं एक और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी की बात का समर्थन किया। साथ ही कहा, 'अंपायरों ने अलग एंगर से रिप्ले नहीं देखा। फखर ने तीन चौके मारे थे और पहले ओवर में ही बुमराह का सामना आराम से कर रहे थे। ऐसे में भारतीय टीम को उनका विकेट चाहिये था। वहीं पाक कप्तान सलमान ने कहा कि उन्हें लगा कि गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले जमीन पर टकराई थी। सलमान ने मैच के बाद कहा, 'अंपायर गलतियां कर सकते हैं पर मुझे लगा कि यह गेंद विकेटकीपर के आगे उछली थी हालांकि मैं गलत हो सकता हूं। साथ ही कहा कि जिस तरह से फखर बल्लेबाजी कर रहे थे, अगर उन्होंने पावर प्ले में बल्लेबाजी की होती, तो हम शायद 190 रन बना सकते थे।'

अभिषेक शर्मा का खुलासा, व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे पाकिस्तानी गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में दर्शकों ने क्रिकेट का असली रोमांच देखा। भारत ने इस मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन खेल का असली आकर्षण रन बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के बीच हुई तनातनी भी रही। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने उन्हें बार-बार उकसाने के लिए व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे।

शुरुआती ओवरों से चढ़ा पारा

मैच की शुरुआत में ही तनाव बढ़ गया था। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज लगातार भारतीय बल्लेबाजों को शब्दों के जरिए विचलित करने की कोशिश कर रहे थे। खासतौर पर शुरुआती स्पेल के दौरान शुभमन गिल और शाहीन

अफरीदी के बीच हुई बहस ने माहौल गरमा दिया। इसके बाद हारिस रऊफ भी अभिषेक शर्मा से भिड़ गए, जिसके चलते अंपायरों को दखल देना पड़ा।

अभिषेक का सख्त जवाब

मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने स्पोर्ट्स शो में बातचीत करते हुए साफ किया कि उन्हें विपक्षी टीम का व्यवहार कतई पसंद नहीं आया। उनके मुताबिक, पाकिस्तान के गेंदबाज हर गेंद के बाद व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे, जो खेल की भावना के खिलाफ है। अभिषेक ने कहा कि उन्होंने और गिल ने तय किया कि बहस करने के बजाय रन बनाकर ही जवाब दिया जाए।

साझेदारी ने बदला खेल का रुख

भारतीय टीम की जीत में गिल और अभिषेक की शतकीय साझेदारी सबसे अहम रही। दोनों बल्लेबाजों ने न केवल टीम को शुरुआती दबाव से निकाला बल्कि पाकिस्तानी आक्रमण को भी ध्वस्त कर दिया। अभिषेक ने कहा कि गिल के साथ उनकी समझ काफी पुरानी है और यही तालमेल मैच में काम आया।

आत्मविश्वास का राज

अभिषेक ने आगे कहा कि उनका आत्मविश्वास टीम के भरोसे से आता है। टीम मैनेजमेंट और साथी खिलाड़ी लगातार उन्हें समर्थन देते हैं, जिससे वह मैदान पर खुलकर खेल पाते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी टीम आपके पीछे खड़ी हो, तो जवाब भी उसी स्तर का देना चाहिए।

मैदान पर खेल, शब्दों से नहीं

भारत की यह जीत एक बार फिर इस बात का सबूत है कि मुकाबले बल्ले और गेंद से जीते जाते हैं, न कि शब्दों की जंग से। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने जिस तरह की रणनीति अपनाई, उसका जवाब भारतीय बल्लेबाजों ने शांत रहकर रन बनाकर दिया।

होमबाउंड का हर हिस्सा सपने से कम नहीं

जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा अभिनीत फिल्म होमबाउंड साल 2026 में ऑस्कर अवॉर्ड्स में नामांकित हो चुकी है। फिल्म को ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर कैटेगरी के लिए सेलेक्ट किया गया है। इसी खुशी में जान्हवी कपूर ने फिल्म को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है।

जान्हवी कपूर का पोस्ट

जान्हवी कपूर ने फिल्म होमबाउंड को एक पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, यह फिल्म एक सपने जैसी रही है। इसकी कहानी, लोग, और हमारी टीम के हर सदस्य के लिए इसका खास महत्व रहा है। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा इनाम है। शुरू से अब तक, यह फिल्म उन सभी लोगों का उत्सव है जिनकी प्रतिभा, अच्छाई और साहस को मैं बहुत प्यार और सम्मान करता हूं। यह फिल्म और इसका सफर उम्मीद की कहानी है। 26 सितंबर को सिनेमाघरों में!

सेलेब्स का पोस्ट

मनीष मल्होत्रा और जोया अख्तर ने जान्हवी कपूर की इस पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। नितांशी गोयल ने लिखा, बधाई हो, शनाया कपूर ने लिखा, हे भगवान, एक्टर संजय कपूर ने लिखा, शानदार।

फिल्म होमबाउंड के बारे में

इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म होमबाउंड विदेशों में आयोजित हुए कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में प्रदर्शित हो चुकी है। भारत में होमबाउंड 26 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। होमबाउंड एक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन नीरज घायवान ने किया है। यह फिल्म बशारत पीर के 2020 के न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख पर आधारित है।

'कल्कि 2' से बाहर होने के बाद दीपिका का भावुक पोस्ट

शाहरुख के साथ शुरू की किंग की शूटिंग

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर किए जाने की चर्चाओं के बीच अब दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म करने की पुष्टि की है। दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है कि वो शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम कर रही हैं। 'कल्कि 2' से निकाले जाने के बाद यह खबर दीपिका के फैंस के लिए खुशखबरी लाई है।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल बाहर किए जाने के बाद दीपिका ने पहली बार सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने इस बात को कंफर्म किया कि वो शाहरुख खान के साथ फिर से काम कर रही हैं। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान का हाथ थामे एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में सिर्फ दोनों के हाथ नजर आ रहे हैं, चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इस तस्वीर के साथ ही दीपिका ने एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है।

18 साल पहले दी गई शाहरुख की सीख को किया याद

पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे जो पहला सबक सिखाया, वह यह था कि फिल्म बनाने का अनुभव और आप जिन लोगों के साथ इसे बनाते हैं, वे इसकी सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं। मैं इससे पूरी तरह से सहमत हूं। तब से मैंने अपने हर फैसले में इस सीख को लागू किया है। शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं?' इस पोस्ट में दीपिका ने किंग का हैशटैग लगाया है। साथ ही शाहरुख खान और 'किंग' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद को मेंशन भी किया है। साथ ही उन्होंने डे वन लिखा है, जिससे ये साफ होता है कि उन्होंने 'किंग' की शूटिंग शुरू कर दी है।

शाहरुख के साथ हिट है दीपिका की जोड़ी

दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत ही शाहरुख के साथ 2007 में आई फिल्म 'ओम शांति ओम' से की थी। इसके बाद उन्होंने शाहरुख के साथ 'हैप्पी न्यू ईयर', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पठान' और 'जवान' में भी काम किया है। दीपिका और शाहरुख की जोड़ी जब भी बड़े पर्दे पर आई है फिल्म सफल हुई है। अब सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित 'किंग' में यह जोड़ी एक बार फिर नजर आएगी।

सुहाना खान भी हैं 'किंग' का हिस्सा

सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित 'किंग' में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, अरशद वारसी, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत और अभय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'किंग' के अलावा दीपिका एटली की आगामी फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ भी नजर आएंगी।

रचित सिंह से गुपचुप सगाई की अफवाहों के बाद हुमा का क्रिप्टिक पोस्ट

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी फिल्म बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का प्रीमियर हुआ। इसके अलावा अपनी निजी जिंदगी के चलते भी हुमा चर्चा बटोर रही हैं। हाल ही में कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि अभिनेत्री ने अपने कथित बॉयफ्रेंड रचित सिंह से गुपचुप सगाई कर ली है।

साउथ कोरिया पहुंचीं हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी ने अपनी सगाई की उड़ती अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सगाई की खबर पर रिएक्ट किया है। हुमा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें एक व्यंजन की तस्वीर है। इसके जरिए उन्होंने बताया है कि वे साउथ कोरिया में हैं।

काम से काम रखो

हुमा ने इस फोटो के साथ जो मैसेज लिखा है, वह गौर करने वाला है। उन्होंने लिखा है, सभी लोगों को शांत रहने की जरूरत है और अपने काम से काम रखो। उन्होंने आगे लिखा है कि वे साउथ कोरिया में लैंड हो गई हैं। हुमा ने फ्लाइट से खाने की फोटो शेयर की है। साझा की गई तस्वीर में बाउल में सूपी नूडल्स दिखाई दे रहे हैं।

कौन हैं रचित सिंह?

हुमा के कथित बॉयफ्रेंड रचित एक्टिंग कोच हैं। वे आलिया भट्ट, रणवीर सिंह और विक्की कौशल जैसे सितारों को ट्रेनिंग देने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने 'कर्मा कॉलिंग' सीरीज से अभिनय की शुरुआत की थी। हुमा और रचित, दोनों लंबे वक्त से दोस्त हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा गया है। हाल ही में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुमा की फिल्म बयान की स्क्रीनिंग के दौरान भी रचित मौजूद रहे। इसके अलावा हुमा कुरैशी की बेस्ट फ्रेंड और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल इकबाल की शादी में भी रचित शामिल हुए थे।

50 साल की हो चुकी हैं अमीषा

बताया अब तक क्यों नहीं की शादी

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री अमीषा पटेल ने ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कहो ना प्यार है से डेब्यू किया था। इसके बाद वह गदर में नजर आईं। जल्दी ही वह बॉलीवुड पर छा गईं। अब अभिनेत्री 50 साल की हो चुकी हैं लेकिन उन्होंने अभी शादी नहीं की है। हाल ही में उन्होंने बताया है कि उन्होंने अब तक शादी क्यों नहीं की।

अमीषा पटेल को मिलते हैं प्रस्ताव

अमीषा पटेल ने खुलासा किया है कि भले ही वह पहले कई लोगों के साथ रिश्तों में रही हों, लेकिन उन्होंने कभी शादी नहीं की क्योंकि लोग चाहते थे कि वह घर बैठ जाएं और एक्टिंग छोड़ दें। अमीषा ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में कहा मैं स्कूल में कभी लड़कों के पीछे नहीं भागती थी, बल्कि वह मेरे पीछे भागते थे। तब से मुझे ढेरों प्रस्ताव मिले हैं और अब तक आते ही रहते हैं।

अमीषा ने क्यों नहीं की शादी?

अमीषा ने आगे बताया मैं जितने लोगों से मिली, उनमें से ज्यादातर चाहते थे कि मैं शादी के बाद घर पर ही रहूं और काम न करूं। यह बात मुझे रास नहीं आई। मैं अपनी जवानी सिर्फ किसी की पत्नी बनकर नहीं बिताना चाहती थी।

यह पूछे जाने पर कि क्या अमीषा अब प्यार नहीं पाना चाहतीं? इस सवाल के जवाब में अमीषा ने कहा मैं शादी के लिए पूरी तरह तैयार हूं, बशर्ते मुझे कोई सही इंसान मिले। कहते हैं न, जहां चाह, वहां राह, इसलिए जो व्यक्ति मुझे हर हाल में ढूंढ ले और मौके पर चौका मारले, वही मेरा साथी होगा।

प्यार के बजाए करियर को चुना

अमीषा ने आगे कहा जो लोग आपसे प्यार करते हैं, वे आपके करियर को आगे बढ़ने देंगे। मैंने अपने करियर के लिए बहुत कुछ खोया है और प्यार के लिए भी बहुत कुछ खोया है। मैंने एक-दूसरे के लिए दोनों चीजें छोड़ी हैं। मुझे लगता है कि मैंने दोनों से सीखा है। फिल्मों में आने से पहले मेरा किसी से रिश्ता था। वह मेरे लिए अच्छी पसंद थे। हालांकि जब मैंने फिल्म में जाने का फैसला किया, तो मेरा साथी नहीं चाहता था कि मैं लोगों की नजरों में आऊं। इस तरह मैंने प्यार की बजाय अपने करियर को चुना।

आर्यन ने कभी महसूस नहीं कराया कि वह सुपरस्टार का बेटा है

किल, ग्यारह ग्यारह और युध्रा जैसे प्राजेक्ट्स में अपनी अदाकारी का जलवा दिखा चुके डांसर टर्न एक्टर राघव जुयाल इन दिनों आर्यन खान निर्देशित वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए चर्चा में हैं। सीरीज में उनकी बिंदास एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आ रही है। राघव का कहना है कि यह सीरीज करते हुए उन्हें खुद भी बहुत समय बाद एक अलग सी ताजगी महसूस हुई।

हमारी राय को खुले दिल से सुनते थे आर्यन

बकौल राघव, इस शो को करते हुए बहुत समय बाद एक ताजगी वाला अहसास हुआ, क्योंकि आर्यन का टेक बहुत नया था। कुछ अलग हो रहा था। जो सालों से चला आ रहा है, वैसा नहीं हो रहा था। हम सबकी साझेदारी भी बहुत थी कि लक्ष्य कुछ बोल रहा था, मैं कुछ बोल रहा था, तो बड़ा मजेदार प्रॉसेस था। सेट पर बहुत ही यंग एनर्जी थी। आम तौर पर जब डायरेक्टर बहुत अनुभवी होता है, तो हमें अपनी राय देते वक्त झिझक होती है कि बोलूं या ना बोलूं, लेकिन आर्यन हमारी ओपिनियन को लेकर बहुत ओपन था। उसने हमें बिल्कुल भी ऐसा महसूस नहीं कराया कि वह दुनिया के सबसे बड़े सुपरस्टार का बेटा है। हमें बिल्कुल बराबरी का दर्जा दिया, जो हर सेट पर होनी चाहिए। वहां काम करते हुए बहुत सम्मानजनक महसूस होता था। ऐसा लगता था कि शाहरुख (खान) सर और आर्यन समझ जाते हैं कि एक्टर क्या सोच रहा है। शाहरुख सर बिना बताए ये समझते थे कि हम यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत कर रहे हैं, क्योंकि वह खुद उस इससे गुजरे हैं। वही तहजीब, वही सोच उन्होंने आर्यन को दी है तो वो सम्मान वाला माहौल मुझे बहुत पसंद आया। ऐसे में, आप 25 घंटे करा लो, डबल शिफ्ट करा लो, हम कभी मना नहीं करेंगे।

हीरो इंसान लगे, जीआईजो नहीं

राघव बॉलीवुड की बेहतरी के लिए एक बदलाव जरूरी मानते हैं और वह है अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियां सुनाना। उनका कहना है कि हमें अपनी जड़ों से जुड़ी हुई फिल्में बनानी चाहिए। जैसे, बैड्स ऑफ बॉलीवुड में हमने बिना किसी डर के एक नई चीज दिखाई है। ऐसा नहीं कि ये फॉर्मूला चल रहा है तो यही बनाएंगे। आर्यन और हम बिल्कुल रॉ कॉन्टेंट लेकर आए हैं और हमने यह हिंदुस्तान की जनता के लिए बनाया है, सिर्फ शहरी-टाउन के लिए नहीं बना रहे हैं। जैसे, साउथ की रीजनल फिल्में जब हम देखते हैं तो वे वहां की ट्राइबल चीजें, अपनी संस्कृति की चीजें दिखाते हैं। उनका हीरो देखकर भी लगता है कि कोई इंडियन आदमी देख रहे हैं तो एक रिलेटेबिलिटी फैक्टर लगता है। विजय दलपति या विजय सेतुपति को देखो तो लगेगा कि हां, ये इंसान लग रहे हैं। ऐसा नहीं कि कहीं से जीआईजो या बार्बी डॉल आ गई तो मुझे लगता कि इस चीज पर हमें भी काम करना चाहिए, जिससे देखने वालों को एक जुड़ाव महसूस हो।

हर एक्टर के डीएनए में शाहरुख खान

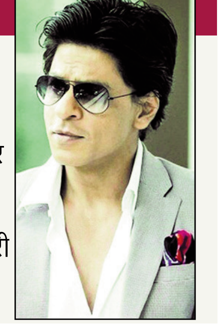

राघव पर सीरीज के निर्माता और सुपरस्टार शाहरुख खान का क्या प्रभाव रहा है? इस पूछने पर उन्होंने कहा, यहां बाहर से जो भी एक्टर बनने आता है, उसके डीएनए में 90 पर्सेंट शाहरुख खान होता ही होता है, क्योंकि उन्होंने हम सबके लिए ये रास्ता खोला है कि भाई ये हो सकता है। आप बाहर से आकर भी सबसे बड़े सुपरस्टार बन सकते हैं। वहीं, किल में लक्ष्य के दुश्मन से इस शो में उनके जिगरी यार वाले रोल को लेकर राघव बताते हैं, हम किल के दौरान भी दोस्त ही थे। स्क्रीन पर भले हम दुश्मन थे, पर ऑफ स्क्रीन दोस्ती ही थी। हमारी वही ऑफ स्क्रीन दोस्ती इस शो में ऑनस्क्रीन हो गयी है।

बेकार माचिस की तीलियों से बनाएं ये खूबसूरत चीजें

माचीस का इस्तेमाल हम सब घरों में आम करते हैं। माचीस के यूज़ के बाद इसकी स्टिक जिसे हम बेकार समझ कर फैंक देते है, उससे घर की सजावट के लिए अलग-अलग तरह के डैकोरेटिव पिस तैयार किए जा सकते हैं। अगर आपको क्रिएटिवी दिखाकर घर सजाने का शौक है तो इनकी मदद से घर को नए और यूनिक तरह के थीम के साथ डैकोरेट किया जा सकता है। जैसे कप- प्लेट, शूज़, झोपडी, गुडिया और छोटा-सा ट्री। इस तरह की डैकोरेशन देखकर आपके घर आने वाले मेहमान भी आपकी तारीफ किए बिना नही रह सकेंगे। अगर आप भी क्रिएटिव काम करने के शौंकीन हैं तो इन तस्वीरों को ध्यान से देखें और घर पर अपनी मनपसंद सामान बनाएं।

लेटेस्ट डिजाइंस के सोफा सेट से घर को दें न्यू लुक

ड्राइंग रूम को घर का सबसे आकर्षक हिस्सा माना जाता हैं क्योंकि उसमें फर्नीचर का खास ध्यान रखा जाता हैं। ड्राइंग रूम में अगर सोफा सेट न हो तो कमरा सूना-सूना सा लगता है। सोफा, कमरे को बेहतरीन लुक देता है। यह घर के फर्नीचर का खास हिस्सा भी है। सोफा सेट खरीदने में अच्छी खासी इंवैस्टमेंट करते हैं क्योंकि सोफा सेट कमरे की बहुत सी जरूरतों को पूरा करता है। घर में आए मेहमान सबसे पहले ड्राइंग रूम ही आकर बैठते हैं। वहीं, कभी कभी इससे बैड का काम भी लिया जाता है। मॉडर्न जमाने की बात करें तो आपको एक से बढ़कर एक लेटेस्ट डिजाइन में सोफा सेट मिल जाएंगे। आजकल लोग 7 और 5 सीटर सोफों को ज्यादा प्रैफरेंस दे रहे हैं। वैसे अगर कमरा छोटा हैं तो 3 सीटर सोफा सेट रखना ही बेहतर हैं। अगर आप भी सोफा सेट खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें।

-सोफे का रंग और डिजाइन आप कमरे के पैंट और कर्टन से मैच करता ही रखें। अगर बाकी फर्नीचर थोड़ा मॉडर्न हैं तो सोफा सेट भी वैसा ही बनवाएं या खरीदें। - कमरे की रेंज के हिसाब से सोफा सेट चूज करें। जैसे अगर कमरा बहुत बड़ा हैं तो आप 7 सीटर या एल शेप सोफा फिट कर सकते है। नहीं तो छोटे कमरे में 3 प्लस 2 सीटर ही फिट बैठता है। - सोफा कम बैड लोगों को इतने पसंद है कि वह

अच्छी-खासी इन्वेस्टमेंट कर सकते है। दिन में बैठने और रात को सोने का काम देता है। - यह सोफा सेट्स बजट के हिसाब से भी बेहतर है। मार्कीट में आपकी पसंद के हिसाब से मिल जाते है।

-? जिन लोगों के जल्दी-जल्दी तबादले होते रहते हैं। उनके लिए यह बैस्ट च्वाइस है, क्योकि उन्हें बैड और सोफा दो अलग- अलग चीज़ो पर खर्च नहीं करना पडता।

- आपके पास अगर जगहें कम है,और मेहमानों के आने पर आप इसका इस्तेमाल बैड की तरह भी कर सकते है। लोग सिंगल बेड या अलग से सोफा खरीदने से पहले दो बार जरूर सोच रहे हैं।

पर्दों से दें घर को स्टाइलिश लुक

घर छोटा हो या बड़ा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन यह स्टाइलिश और अच्छे तरीके से सजा-संवरा होना चाहिए ताकि घर का कोना-कोना आपको आकर्षित करें। बढ़िया पेंट, दरवाजे-खिड़कियां और मॉडर्न जमाने का फर्नीचर घर की शोभा बढ़ाते हैं। एक और चीज जो घर की सजावट में अहम रोल निभाती है, वह है कर्टेन यानी की पर्दे। इसके बिना घर खाली-खाली सा लगता है। यह डैकोरेशन के साथ-साथ कमरों के पार्टिशन और प्राइवेसी को भी बनाए रखने में मदद करते हैं।

वैसे तो आपको मार्किट में बहुत सारे डिजाइन्स और स्टफ में हर क्लर का पर्दा आसानी से मिल जाएगा आप ऑनलाइन साइट्स से भी अपने मनपसंद पर्दे चूज कर सकती है और मंगवा सकती है लेकिन अगर आपको लगता है कि यह आपके बजट में फिट नहीं बैठ रहे और काफी महंगे पड़ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप घर पर ही पर्दे बना सकती हैं जो काफी सस्ते भी पड़ेंगे। वैसे यह काम आसान नहीं है इसके लिए आपको मेहनत तो करनी ही पड़ेगी। चलिए आज हम आपको ईजी वे बताते हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से कर्टेन तैयार कर सकते हैं।

चलिए, जानते हैं पर्दे बनाने के तरीके

सबसे पहले आपको कर्टेन का सहीं नाप और सिलाई करनी आनी चाहिए। आजकल तो फ्रिल वाले और डबल कर्टेन काफी ट्रैंड में चल रहे हैं। इसी के साथ कर्टन का चुनाव पेंट के हिसाब से करें। अगर कर्टेन किसी और रंग का और पेंट किसी और रंग का होगा तो पूरा कमरा अटपटा सा लगेगा लेकिन हां आप कंट्रास्ट मैंचिग कर सकते हैं जैसे- ग्रे लाइट दीवारों के साथ ग्रे डार्क कर्टेन। - अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां पड़ी हैं तो आप उनका इस्तेमाल कर्टेन के तौर पर कर सकते हैं। सिल्क की साड़ियों से बने पर्दे बहुत ही ग्रैसफुल लगते हैं। सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे बेस्ट मानी जाती हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। - वैसे आजकल तो सर्दी के मौसम में शनील (Shannile Applique) के कर्टेन भी खूब ट्रैंड में हैं। यह देखने में तो आकर्षक लगते ही हैं साथ ही हवा से बचाव करते हैं, जिससे कमरा गर्म रहता है। अगर आप शनील के कर्टेन नहीं लगाना चाहते तो इसकी जगह पर आप किसी मोटे स्टफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल लोग इस तरह के कर्टेन को ज्यादा प्रेफर करने लग गए हैं क्योंकि यह सिंपल सॉबर और डिसेंट सी लुक देते हैं।

- आपके पास ऐसे बहुत सारे दुपट्टे होंगे, जिसके सूट आप पहनकर खराब कर चुके हैं। इन्हें बेकार मत जाने दें। 3-4 दुपट्टों को आपस में मिलाकर पर्दों के रूप में इस्तेमाल करें। - स्टॉल्स या पुरानी चादरों से भी आप घर के लिए सस्ते पर्दे बना सकते हैं। आप 2 से 3 चादरों या स्टॉल्स को आपस में मिक्स करके भी पर्दे तैयार कर सकते हैं। इन्हें आप चैक या स्ट्रैप्स स्टाइल में भी तैयार करें जो देखने में भी बहुत ही क्लरफुल लगेंगे। दूसरा इन पुरानी चीजों का किसी अच्छी जगह पर इस्तेमाल होता है। - अगर आप चाहते हैं कि कमरों में पर्दे भी लगें हो और रोशनी भी पूरी रहे तो पतले कपड़े में कर्टेन लगाएं और लाइट क्लर को प्रैफर करें। - पहले लोग मेजपोश और सोफों को कवर करने के लिए क्रोशिए से बने छाड़ से सजाते थे लेकिन अब तो क्रोशियों के पर्दे भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। ये आपके घर को आर्टिस्टिक लुक देते हैं।

मिनटों में चमकेगा बाथरूम, अपनाएं ये असदार घरेलू टिप्स

पूरे घर में बाथरूम ही एक ऐसा हिस्सा हैं, जहां साफ-सफाई की सबसे ज्यादा जरूरत होती है क्योंकि पानी के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से वहां चिकनाई और कालिख जमा हो जाती हैं जिससे फर्श और, दीवारे दोनों ही गंदी लगती है। बाथरूम, बाथटब, वॉश बेसिन, वॉटर टेप, फर्श पर पड़े पीले धब्बे, जंग और पानी से पड़ने वाले सफेद दाग-धब्बों को मिटाना। इन भद्दे दिखने वाले धब्बों को न हटाया जाएं तो पूरा घर गंदा और मेला-मेला सा लगता है हालांकि इन्हें हटाने के लिए बाजार में बहुत सारे प्रॉडक्ट्स उपलब्ध हैं लेकिन इन महंगे प्रॉडक्ट्स के इस्तेमाल से भी यह जिद्दी धाग साफ नहीं होते। घर पर अचानक कोई मेहमान आ जाएं तो गंदे बाथरूम पर पड़े निशानों को देखकर खुद को बड़ी शर्मिंदगी महसूस होने लगती है। *बाथरूम में रखें सामान को यूं चमकाएं

-टूथब्रश को साफ और कीटाणुरहित करने के लिए इसे एक घंटे तक सिरके में भिगो कर रखें। बाद में इसे अच्छी तरह पानी से धो लें। बर्तन और बाथरूम टेप व फर्श साफ करने के लिए आप स्पंज का इस्तेमाल करते हैं। स्पंज को भी इसी तरह से भिगोकर रखें और साफ कर लें।

-बाथटब से पानी के सफेद दाग और जंग के निशान दूर करने के लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल करें। दाग-धब्बों वाली जगह पर हाइड्रोजन स्प्रे छिड़कें और 30 से 45 मिनटों के लिए ऐसा ही छोड़ दें। उसके बाद गर्म पानी से धो लें।

-बाथटब के सिंक या किचन सिंक को चमकाने के लिए उस पर सोडा

(वॉटर सोडा) डालें। कुछ मिनटों के बाद उस पर सिरका डालें और ब्रश के साथ अच्छे से रगड़कर और गर्म पानी डालें। सिंक चमक उठेगा। फर्श पर कहीं जंग लगा हो तो यही तरीका अपनाएं। -साइट्रिक एसिड भी पीले दागों को हटाने में कारगर साबित होता है। खुरदुरे शक्कर के दानों जैसा दिखने वाला ये एसिड आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा और यह ज्यादा महंगा भी नहीं है। एक कप पानी में एक पैकेट साइट्रिक एसिड घोलें और इस घोल को स्पंज की मदद से पीले धब्बों पर 20 मिनट लगा रहने दें और बाद में गर्म पानी से उस जगह को धो लें।

*बाथरूम टाइल्स को यूं चमकाएं

-आधा लीटर गर्म पानी में 15 ग्राम साइट्रिक एसिड घोल तैयार करके टाइल्स को साफ करें। फिर साफ पानी से इसे साफ करें। -टाइल्स पर सिरके का स्प्रे करें। 10 मिनट ऐसे ही रहने दें और बाद में साफ पानी से इसे धो लें। इसे चमकाने के लिए सॉफ्ट कपड़े से टाइलों को पोंछे। *कोने से कैसे साफ करें टाइल्स

-टाइल्स के बीच फंसी मिट्टी, काले-धब्बों को साफ करने के लिए सफेद पैराफिन मोमबत्ती का इस्तेमाल करें। मोमबत्ती की कुंद को टाइल्स की लाइनों पर रगड़ें। -बेकिंग सोडे को टूथब्रश की मदद से टाइलों के कौनों पर रगड़ें। बाद में टाइल्स को गर्म पानी से धो लें। फर्श और दीवारें एक बार फिर चमकने लगेंगे।

-गर्म पानी में हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिलाएं। टाइलों के कोने पर घोल डालें और स्पंज या ब्रश के साथ रगड़ें। बाद में साफ पानी से धो लें। *टॉयलेट बाउल से दाग धब्बे हटाने के लिए

टॉयलेट बाउल क्लीन करने के लिए सरसो पाउडर और साइट्रिक एसिड (बराबर) मिक्स करके डालें। इसके अलावा टायलेट बाउल को साफ करने और बदबू को दूर करने के लिए इस तरीके को अपनाएं।

-1 कप बेकिंग सोडा

-1/4 कप साइट्रिक एसिड

-1/2 टीस्पून सिरका

-1 टीस्पून 6त्न हाइड्रोजन पेरोक्साइड

-15ङ्क20 बूंदें आपका मनपसंद तेल एक कटोरे में बेकिंग सोडा और साइट्रिक एसिड को मिलाएं। दूसरे कटोरे में सिरका और हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिक्स करें। फिर सूखे मिश्रण में तरल घोल बूंद-बूंद करके डालें। साथ ही तेल मिक्स करके उस मिश्रण को छोटी- छोटी गेंदों का रूप दें। टायलेट बाउल साफ करने से पहले इस गेंद को बाउल में 6 घंटें तक पड़ा रहने दें। बाद में ब्रश से साफ कर लें। आप इस सामग्री को काचं के जार में सुरक्षित करके रख सकते हैं।

बेकार पड़ी चीजों से यूं बनाएं क्रिएटिव सामान

हम लोग अक्सर नया सामान खरीदने पर पुराने सामान को वेस्ट समझ कर कबाड़ में फैंक देते हैं। कपड़े, प्लास्टिक और फर्नीचर को हम यूं ही बेकार समझ लेते हैं जबकि इनका पुनः प्रयोग किया जा सकता है। आज पूरे विश्व में प्रदूषण और जल संकट की समस्या सिर पर मंडरा रही है। शायद आप यह बात जानते नहीं कि एक जींस को बनाने के लिए लगभग 2500 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती हैं। वहीं, प्लास्टिक को डीकंपोज होने में 450 साल का समय लग जाता हैं। प्लास्टिक का अंधाधुंध इस्तेमाल पूरी दुनिया में मुसीबत बना हुआ है। विश्व भर में हर सेकंड लगभग 8 टन प्लास्टिक का निर्माण हो रहा है। वहीं हर साल लगभग 60 लाख टन प्लास्टिक का कूड़ा-कर्कट समुद्र में पहुंचता है। अगर इसी तरह चलता रहा तो भविष्य संकट में पड़ना तय है। बहुत लंबे समय से चीजों का दोबारा इस्तेमाल करने को लेकर बहस चल रही है लेकिन अगर सही तरीके से इन चीजों का पुनः इस्तेमाल किया जाए तो यह तकनीक सफल हो सकती है। रिसाइक्लिंग की मदद से बहुत सारी चीजें तैयार की जा सकती है। रिसाइक्लिंग के मामले में जर्मनी काफी संजीदा देश है। यहां कूड़ा कर्कट फैंकने के लिए खास रंग के बक्से रखें गए हैं जैसे-प्लास्टिक के लिए पीला, काग्ज के लिए नीला इसी तरह अन्य सामनों के लिए अलग रंग के बक्से वहां उपलब्ध हैं। यूं दिखाएं क्रिएटिविटी

-आजकल हर कोई जींस पहनता है। नई जींस आने पर पुरानी जींस को फैंके न बल्कि रियूज करें। जैसे आप जींस की कटिंग कर बैग्स, बच्चों की ड्रैस, बैडशीट, मैट्स, फुटवियर, कुशन कवर, एप्प्रेन, शॉर्ट स्कर्ट आदि बना सकते हैं। बाजार में यहीं सामान आपको काफी महंगी कीमत पर मिलेगा। जींस को दोबारा से यूटलाइस करने पर एक तो आप खुद से क्रिएटिवटी दिखा कर कुछ स्टाइलिश सामान तैयार कर सकते हैं, दूसरा पैसे की बचत होगी।

- जींस को चौरस शेप में काटकर आस-पास सिलाई लगाएं और पुराने बैग के हैंडल इसमें लगा लें। इसी तरह आप जींस की कटिंग कर बच्चे की मिनी स्कर्ट या एप्प्रैन बना सकते हैं। बैड शीट बनाने के लिए अलग-अलग कलर की पुरानी जींस को जोड़कर इन्हें सिलाई करें। जींस के अलावा आप अन्य कपड़ों को भी इसी तरह इस्तेमाल में ला सकते हैं। जींस को हाफ काट लें और किनारों पर फलोरल पट्टी लगाएं और अपने लिए स्टाइलिश शॉर्ट निक्कर तैयार कर सकते हैं। - आप प्लास्टिक की बोतलों का भी बहुत सामान बना सकते हैं। बोतल को सैंटर से काटकर लें। प्लास्टिक का तीखापन हटाने के लिए प्रेस की मदद से कोनें पर हल्का सेंक दे ताकि यह सख्त न रहें। इन्हें आप छोटे गमलों के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

- डैकोरेटिव फ्लावर वेस बनाने के लिए प्लास्टिक के बोतल के ऊपरी सिरे को काटकर अलग कर लें और बाकी हिस्से पर कोई पेंटिग बनाएं ताकि यह नया लगें। बस उसमें अपने मन-पसंद फ्लावर लगाएं। आप इसमें मेकअप का सामान और पैंसिल-पैन आदि भी रख सकते हैं। - वेस्ट पड़ी लकड़ियों और पलाई की मदद से आप बच्चों के लिए छोटी कुर्सी या मेज बना सकते हैं। प्लास्टिक की टुटी कर्सियों को भी आप दोबारा से इस्तेमाल कर सकते हैं। - वाहनों के वेस्ट पड़े टाइयर का भी दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इन पर कलर कर आप टेबल बना सकते हैं नहीं तो यह गमलों का भी बढ़िया काम देते हैं।